शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी तेजी निफ्टी सेंसेक्स ऊपर चढ़े
- 10

युद्ध से आपूर्ति संकट... देश में एलपीजी की खपत में हुई 17 प्रतिशत की गिरावट
- 10

टीएमसी बंगाल में 291 सीटों पर लड़ेंगी चुनाव
- 11

पत्नी के सीधे सरल सवाल ने बदल दिया सूर्यकुमार यादव का करियर- 12

आज का मौसम

33.0⁰ अधिकतम तापमान

19.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.19

सूर्यास्त 06.22

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष चतुर्दशी 08:25 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2083

बुधवार, 18 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 40, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और टॉप कमांडर सुलेमानी मारे गए

इजराइल के रक्षा मंत्री ने किया दावा, खामेनेई के मारे जाने के बाद लारीजानी ने संभाली थी कमान

चीन की बड़ी पहल

- ईरान, लेबनान व पड़ोसी देशों को इमरजेंसी मानवीय मदद की घोषणा
- इजराइली सेना ने ईरान के कई शहरों पर किए हमले

यरूशलम/दुबई/बीजिंग, एजेंसी

संयुक्त अरब अमीरात में ड्रोन के ईधन के टैंक से टकराने के बाद उठता धुएं का गुबार। इनसेट में मारे गए लारीजानी व सुलेमान।

इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने मंगलवार को दावा किया कि उनकी सेना ने रात भर किए गए हमले में ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और रिवोल्यूशनरी गार्ड के स्वयंसेवी बल बासिज के प्रमुख गुलामरजा सुलेमानी को मार गिराया है। इस बल को ईरान में प्रदर्शनों को दबाने के लिए एक अहम बल माना जाता है। बहरहाल, ईरान ने अभी तक सुलेमानी की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

इजराइली सेना ने कहा, बासिज बल ईरानी आतंकी शासन की सशस्त्र व्यवस्था का हिस्सा है। उसने कहा, ईरान में आंतरिक विरोध प्रदर्शनों के दौरान, खासकर हाल के समय में जब प्रदर्शन तेज हुए तो सुलेमानी के नेतृत्व में बासिज बलों ने दमन की मुख्य कार्रवाई की, जिसमें भीषण हिंसा, व्यापक गिरफ्तारियां और असैन्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बल प्रयोग शामिल था। इजराइली सेना ने ईरान के कई शहरों में हमले किए। इजराइली ने दावा किया है कि हमले में बसीज फोर्स के 300 सैनिकों की मारे गए हैं। इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि पहले अमेरिका और इजराइल से हिसाब लिया जाएगा, उसके बाद ही शांति की बात की जाएगी। वहीं, चीन ने भीषण संघर्ष के बीच मानवीय संकट को कम करने के लिए ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। प्रवक्ता ने कहा कि युद्ध ने ईरान तथा इस क्षेत्र के अन्य देशों के नागरिकों के लिए असहनीय मानवीय आपदा पैदा कर दी है।

ट्रंप बोले-नाटो देश जंग में साथ नहीं देना चाहते, हम उनकी रक्षा करते हैं, वे मदद नहीं कर रहे, अब किसी की जरूरत नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि नाटो और अधिकतर अन्य सहयोगी देशों ने होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा में मदद करने के उनके आह्वान को खारिज कर दिया है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता ध्वस्त हो चुकी है और उन्हें अब नाटो देशों या किसी अन्य से सहायता की आवश्यकता नहीं है। पिछले सप्ताह ट्रंप ने यूरोपीय देशों और अन्य देशों से मदद का आह्वान किया था ताकि अहम समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ट्रंप ने कहा, मुझे उनके इस फैसले पर हैरानी नहीं है, क्योंकि मैं हमेशा नाटो को एकतरफा व्यवस्था मानता रहा हूं। हम हर साल इन देशों की सुरक्षा पर सैकड़ों अरब डॉलर खर्च करते हैं। हम उनकी रक्षा करते हैं, लेकिन जरूरत के समय वे हमारे लिए कुछ नहीं करते। ऑस्ट्रेलिया, जापान और दक्षिण कोरिया ने भी मदद के उनके आह्वान को ठुकरा दिया है।

शीर्ष अमेरिकी अधिकारी केंट का इस्तीफा, कहा- मेरा दिल ईरान युद्ध का समर्थन करने की गवाही नहीं देता

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केंद्र के निदेशक जो केंट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया और कहा कि उनका दिल इस बात की गवाही नहीं देता कि वह ट्रंप प्रशासन के ईरान युद्ध का समर्थन करें। केंट ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईरान से हमारे देश को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था, और यह स्पष्ट है कि हमने इस युद्ध की शुरुआत इजराइल तथा उसकी शक्तिशाली अमेरिकी लॉबी के दबाव के कारण की। गत जुलाई में 44 के मुकाबले 52 मतों से केंट को उनके पद पर नियुक्त किया गया था।

अब 24 घंटे के अंदर मिलेगा पीएनजी का नया कनेक्शन

- पाइपलाइन बिछाने के लिए तमाम मंजूरियों की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर सरकार ने पाइप के माध्यम से रसोई गैस का पीएनजी कनेक्शन लेने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करने के साथ- साथ नए आवेदनों को 24 घंटे में मंजूरी देने का निर्णय लिया है।

उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध कराने के लिए सरकार जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ व्यापक अभियान चला रही है । इसके तहत पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापे मारे गए हैं और लगभग 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा घरेलू एलपीजी का उत्पादन भी 38 प्रतिशत बढ़ गया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने मंगलवार को बताया कि केन्द्र सरकार वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी में स्थानांतरित करने की कोशिश कर रही है। केंद्र ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि पीएनजी की नई पाइपलाइन बिछाने के लिए सभी अनुमतियां स्वीकृति मानी जाएं और स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जीएएल अथॉरिटी ऑफ इंडिया पहले ही सभी सीजीडी कंपनियों के साथ बैठक कर चुकी है। इसके अलावा, पीएनजी आरबीआई ने भी एक परामर्श जारी किया है। शर्मा ने कहा, हमारी सीजीडी कंपनियां जैसे आईजीएल, एमजीएल, जीएएल इंडिया और बीपीसीएल ने उन कंपनियों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन घोषित किए हैं जो पीएनजी कनेक्शन लेना चाहती हैं।

युद्ध क्षेत्र से दूसरा एलपीजी टैंकर भारत पहुंचा

नई दिल्ली। भारतीय ध्वज वाला दूसरा एलपीजी टैंकर युद्धग्रस्त होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकलने के बाद मंगलवार तड़के स्वदेश पहुंच गया। युद्ध क्षेत्र में फंसे अन्य 22 भारतीय जहाजों को सुरक्षित लाने के प्रयास जारी हैं। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलपीजी टैंकर नंदा देवी, मंगलवार तड़के लगभग 2:30 बजे गुजरात के कांडला बंदरगाह पर पहुंचा। सोमवार को पहला जहाज, शिवालिक गुजरात के मुंदड़ा बंदरगाह पर पहुंचा था। दोनों जहाज पर लगभग 92,712 टन एलपीजी हैं। यह देश में एक दिन की खाना पकाने की गैस की आवश्यकता के बराबर है।

ब्रीफ न्यूज

एयर इंडिया के बोइंग 777-300 ईआर विमान ने 6 साल बाद भरी उड़ान

नई दिल्ली। एयर इंडिया के पुराने बोइंग 777-300ईआर विमान ने छह साल से अधिक समय तक सेवा से बाहर रहने के बाद फिर से उड़ान भरना शुरू कर दिया है। एयरलाइन ने मंगलवार को बताया कि विमान वीटी-एएलएल को फिर से उड़ान के लायक बनाने के लिए 3,000 से अधिक नए प्रमुख पुर्जे लगाए गए और 4,000 से ज्यादा मरम्मत कार्य पूरे किए गए। ये सभी काम एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड के नागपुर स्थित मरम्मत एवं रखरखाव (एमआरओ) केंद्र में हुए। एयरलाइन ने कहा कि यह विमान फरवरी, 2020 में सेवा से हटा दिया गया था।

एचपीसीएल हत्याकांड आरोपी की 11 दुकानों पर गरजे बुलडोजर

बदायूं। एचपीसीएल प्लांट में सरेआम दो अफसरों की हत्या के आरोपी अजय प्रताप सिंह और उसके परिवार की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। मंगलवार को प्रशासनिक टीमों ने हत्यारोपी की सैंजनी गांव स्थित 11 दुकानें व मकान पुलिस-पीएसी की सुरक्षा के बीच जमींदोज करा दीं। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर बनाई गईं 52 और दुकानें भी खाली करा दी गई हैं। वहीं, पुलिस ने प्लांट के गैस किट ऑपरेटर मुनेन्द्र विक्रम सिंह व गाड़ी ड्राइवर धर्मेन्द्र यादव को गिरफ्तार कर लिया है। यह दोनों भी साजिश में शामिल पाए गए हैं।

प्रेम विवाह से नाराज अधिवक्ता ने दामाद को पीटकर मार डाला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

आनर किलिंग

- बेटियों के साथ मिलकर रॉड व डंडे से किए दर्जनों वार,आशियाना के सेक्टर-आई की घटना
- पति को बचाने के लिए गिड़गिड़ाती रही बेटी, सभी आरोपी हिरासत में

अमृत विचार : राजधानी में एक बार फिर मर्यादा की झूठी शान ने एक युवक की जान ले ली। आशियाना में प्रेम विवाह से नाराज अधिवक्ता ससुर ने अपनी बेटियों के साथ मिलकर मंगलवार रात दामाद की पीटकर हत्या कर दी। ताबड़तोड़ वार के दौरान पत्नी गुहार लगाती रही, लेकिन पिता व उसकी बहनों के हाथ नहीं रूके। लगातार हमले से युवक निढाल होकर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी कैंट और आशियाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से छानबीन की। पुलिस आरोपी ससुर व अन्य को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

एलडीए कॉलोनी सेक्टर-आई निवासी तीर्थराज सिंह हाईकोर्ट में अधिवक्ता हैं। उनकी बेटी साक्षी ने करीब चार साल पहले प्रतापगढ़ के मूल निवासी विष्णु यादव (32) से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद दोनों प्रयागराज में रहने लगे थे। परिवारवाले इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर रहे थे। हालांकि समय के साथ मामला शांत होने लगा था। बताया जा रहा है कि तीर्थराज के कहने पर मंगलवार को विष्णु साक्षी के साथ उसके घर आया था। देर शाम को उनके पहुंचने के कुछ देर बाद ही विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि ससुर ने अन्य बेटियों के साथ मिलकर विष्णु पर रॉड और डंडों से हमला कर दिया। बताया जाता है कि साक्षी पति को बचाने के लिए गिड़गिड़ाती रही, लेकिन ससुरालवाले विष्णु को मारते रहे। ताबड़तोड़ वार से लहुलूहान विष्णु की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के बाद मोहल्लेवालों ने डॉयल-112 पर सूचना दी। सूचना के बाद एसीपी कैंट अभय प्रताप मल्ल व इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को घटनास्थल पर बुलाया। एसीपी अभय प्रताप ने बताया कि दंपति का एक बच्चा है, जो प्रयागराज में विष्णु के घरवालों के पास है। आरोपी ससुर तीर्थराज सिंह और अन्य आरोपियों को हिरासत में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

धार्मिक यात्रा में श्रद्धा सर्वोपरि, पर्यटन बाद में : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कैलाश मानसरोवर की यात्रा से लौटे 555 लोगों को दिए एक-एक लाख रुपये
- योगी बोले- धार्मिक स्थलों पर बढ़ती भीड़ चुनौती के साथ अवसर भी

कैलाश मानसरोवर तीर्थ के दर्शनार्थियों को लखनऊ में वित्तीय सहायता राशि के वितरण कार्यक्रम में श्रद्धालु को चेक देते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि तीर्थ यात्राएं केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। धार्मिक यात्राओं में श्रद्धा सर्वोपरि होनी चाहिए, जबकि पर्यटन और मनोरंजन बाद में आते हैं। उन्होंने सचेत किया कि यदि यह संतुलन बना रहे तो तीर्थ स्थलों की पवित्रता और मर्यादा सुरक्षित रह सकती है और आने वाली पीढ़ियां भी इन मूल्यों से जुड़ी रहेंगी।

वे मंगलवार को लोकभवन में कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौटे 555 श्रद्धालुओं को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि वितरित करने बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि भारतीय सनातन परंपरा में तीर्थ यात्रा व्यक्ति को संस्कार, अनुशासन और सामाजिक एकता का बोध कराती है। आदि शंकराचार्य द्वारा चारों दिशाओं में पीठों की स्थापना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस समय राजनीतिक विविधता के बावजूद भारत सांस्कृतिक रूप से एक था और आज भी उसी भावना को बनाए रखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। वर्ष 2017-18 में गाजियाबाद में कैलाश मानसरोवर भवन का निर्माण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां यात्रियों को यात्रा से पूर्व आवश्यक सुविधाएं मिलती हैं।

सीएम ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश के विभिन्न धर्मस्थलों पर 164 करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हुआ, जिनमें से 66 करोड़ प्रयागराज महाकुंभ में पहुंचे। काशी, अयोध्या और मथुरा-वृंदावन जैसे प्रमुख स्थलों पर बढ़ती भीड़ जहां व्यवस्थाओं के लिए चुनौती है, वहीं यह पर्यटन, रोजगार व आर्थिक गतिविधियों के विस्तार का अवसर भी प्रदान करती है। सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते हुए एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को मजबूत कर रही है। अयोध्या, काशी, प्रयागराज, चित्रकूट, विंध्याचल और नैमिषारण्य जैसे तीर्थस्थलों पर बीते वर्षों में व्यापक विकास कार्य हुए हैं।

उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में यूसीसी को लागू करने की तैयारी

गांधीनगर, एजेंसी। गुजरात में समान नागरिक सहिंता (यूसीसी) का मसौदा तैयार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित पांच सदस्यीय समिति ने मंगलवार को अपनी विस्तृत व अंतिम रिपोर्ट मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को सौंप दी। राज्य सरकार फिलहाल चल रहे बजट सत्र के दौरान विधानसभा में यूसीसी का मसौदा विधेयक प्रस्तुत कर सकती है। उच्चतम न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपते समय एक प्रस्तुति दी। सरकार ने फरवरी पिछले साल यह समिति गठित की थी, जिसका उद्देश्य राज्य में यूसीसी के लागू करने से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर गौर करना और इसके लिए मसौदा विधेयक तैयार करना था।

अफगानिस्तान में अस्पताल पर एयरस्ट्राइक में हुई मौतों पर भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक अस्पताल पर पाकिस्तान के हमले को कायरतापूर्ण और अमानवीय कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि इस अमानवीय कृत्य है, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों की जान चली गई। इस अस्पताल को किसी भी तरह से सैन्य लक्ष्य नहीं माना जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब इस नरसंहार को सैन्य अभियान का नाम देने की कोशिश कर रहा है। जायसवाल ने कहा कि भारत शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता है और इस दुखद घड़ी में अफगानिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। हम वहां की संप्रभुता और अखंडता के प्रति अटूट समर्थन को भी दोहराते हैं।

- हमले की कड़ी निंदा कर इसे कायरतापूर्ण और अमानवीय बताया

लोकसभा के आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

- सदन ने कहा- सुचारू संचालन के लिए लक्ष्मण रेखा होना जरूरी

लोकसभा ने मंगलवार को उन आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया जिन्हें संसद के वर्तमान बजट सत्र के पहले चरण में सदन की अवमानना के मामले में निलंबित किया गया था। इसके साथ ही, सदन में इस बात पर जोर दिया गया कि सदन के सुचारू रूप से संचालन के लिए सदस्यों के लिए लक्ष्मण रेखा होना जरूरी है।

सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने आसन से निलंबन रद्द करने का अनुरोध किया और विपक्षी सदस्यों के आचरण पर खेद भी जताया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने निलंबन खत्म करने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दी। कांग्रेस नेता सुरेश ने आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन खत्म करने का आग्रह करते हुए कहा, हम आसन के साथ सहयोग के लिए तैयार हैं...सत्तापक्ष की तरह हमें भी बराबर का मौका मिलना चाहिए। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा, सारे सदस्यों की जिम्मेदारी बनती है कि सदन की मर्यादा का पालन करते हुए सदन को चलाएं... सत्तापक्ष के लोग संकल्प लें तभी सदन सुचारू तरीके से चलेगा। उनका यह भी कहना था कि सदन के सुचारू संचालन के लिए 'भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को अपना आचरण सुधारना होगा। इस पर निशिकांत दुबे ने आपत्ति जताई और कहा कि मैंने जीवन में कभी लोकतंत्र और संसद की मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) की सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, देश में एक संदेश जाना चाहिए कि हम एक-दूसरे का सम्मान करते हुए सदन चला रहे हैं और हम सब देश की सेवा के लिए यहां आए हैं। जनता दल (यू) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि ताली दोनों हाथ से बजती है तथा ऐसे में विपक्ष को भी लोकतांत्रिक परंपरा का पालन करना चाहिए।

ऐतिहासिक फैसला | सुप्रीम कोर्ट ने मातृत्व लाभ की आयु सीमा खत्म की

तीन माह से बड़े बच्चों को गोद लेने पर भी मिलेगी मैटरनिटी लीव

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020'' के उस प्रावधान को रद्द कर दिया, जो केवल तीन महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली माताओं को ही मातृत्व लाभ देने की अनुमति देता था। अदालत ने इस प्रतिबंध को मनमाना और संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन करार दिया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की।

पीठ ने माना कि बच्चा तीन महीने से कम का हो या अधिक का, गोद लेने वाली मां की भूमिका और जिम्मेदारियां एक समान होती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को पितृत्व अवकाश पर भी विचार करने का दिया सुझाव

उच्चतम न्यायालय ने इस फैसले के साथ एक कदम आगे बढ़ते हुए केंद्र सरकार को पितृत्व अवकाश को सामाजिक सुरक्षा लाभ के रूप में मान्यता देने पर विचार करने का सुझाव दिया। न्यायालय ने कहा कि देखभाल की जिम्मेदारी केवल माता की नहीं होती, इसलिए पिता के लिए भी अवकाश का प्रावधान होना चाहिए जो बच्चे और माता-पिता दोनों की जरूरतों के अनुरूप हो। यह फैसला 'मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961' और बाद में सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020' में शामिल हुए पुराने प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर आया है।

गोद लिए गए बच्चे की जरूरतें जैविक बच्चे से अलग नहीं होतीं। न्यायालय ने कहा कि केवल बच्चे की उम्र के आधार पर माताओं के बीच भेदभाव करना कृत्रिम है और इसका कोई ठोस आधार नहीं है। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि देश में कानूनी रूप से गोद लेने की प्रक्रिया पूरी होने तक बच्चा अक्सर तीन महीने की उम्र पार कर चुका होता है। ऐसे में पुराना नियम अधिकतर माताओं को इस लाभ से वंचित कर रहा था। न्यायालय के इस फैसले का परिणाम यह होगा कि बच्चा गोद लेने वाली सभी माताएं और कमीशनिंग मदर्स (सरोगेसी के मामले में) बच्चे के सुपुर्दगी की तारीख से 12 सप्ताह के मातृत्व लाभ की हकदार होंगी। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि बच्चे की उम्र अब मातृत्व लाभ के लिए बाधा नहीं बनेगी। न्यायालय ने माना कि गोद लेने के बाद बच्चे और माता-पिता के बीच भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक तालमेल बिठाने के लिए शुरुआती समय और सरकारी सहायता अनिवार्य है।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 18 मार्च 2026

न्यूज ब्रीफ

निजीकरण व स्मार्ट मीटर के विरोध में धरना आज

अमृत विचार, लखनऊ : अभी तक बिजली निजीकरण और स्मार्ट मीटर लगाने के विरोध में विद्युत कर्मचारी संगठन ही आंदोलन कर रहे थे। अब ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के साथ आंदोलन करने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा में भी उतर आया है। 18 मार्च बुधवार को इंजीनियर्स फैडरेशन के साथ संयुक्त किसान मोर्चा प्रदेश भर के सभी तहसीलों के एसडीएम कार्यालयों पर धरना प्रर्दशन करेगा। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे और संयुक्त किसान मोर्चा के प्रवक्ता शशिकांत ने बताया कि बिजली के निजीकरण और स्मार्ट मीटर के विरोध सभी जिलों में आंदोलन होगा। यह आंदोलन अब केवल कर्मचारियों तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि गरीब उपभोक्ताओं, किसानों और आम जनता की सक्रिय भागीदारी के साथ एक व्यापक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। बिजली निजी हाथों में गई तो किसानों और गरीबों को मिलने वाली सब्सिडी खत्म हो जाएगी।

आम, परवल समेत 13 नई प्रजाति अधिसूचित

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार ने प्रदेश में विज्ञानियों द्वारा विकसित की गईं आम, अमरूद, बेल, परवल, हल्दी समेत 11 प्रजाति अधिसूचित की हैं। तेलीबाग स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान में मंगलवार को अध्यक्ष/अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण बीएल मीणा ने अध्यक्षता में राज्य बीज उप समिति की 14वीं बैठक हुई। इसमें केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान रहमानखेड़ा की ओर से विकसित की गई आम की प्रजाति अवध अभय, अवध समृद्धि, आईसीएआर सागरिका, बेल की अवध अर्पन व अवध श्रेष्ठ प्रजाति, परवल की अवध सुचित्रा व अवध सुरेखा प्रजाति, अमरूद की अवध भूषण से अवगत कराया गया। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या की ओर से विकसित नरेंद्र बेल-17, नरेंद्र बेल-2 व नरेंद्र हल्दी-5 प्रजाति की जानकारी दी गई। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी की ओर से विकसित टमाटर की पांच व करेला, लौकी, क्लस्टर बीन, विंग्ड बीन, चौलाई, सिंघाड़ा, बेबी कार्न, कमल की एक-एक प्रजाति के साथ केंद्रीय उपोष्ण बागवनी द्वारा जामुन व बेल की एक-एक प्रजाति, सेम की दो, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय से बेर की एक प्रजाति का भी प्रस्तुतीकरण किया गया।

बिजली बाधित करने की साजिश में प्रबंधन पर लगाया जाए एस्मा

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत नियामक आयोग की सुनवाई में बताया गया कि उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 51 हजार करोड़ रुपए सरप्लस है। ऐसे में बिजली बिल की दरों मे बढ़ोत्तरी का सवाल ही पैदा नहीं होता। उधर प्रीपेड स्मार्ट मीटर रिचार्ज कराने के बाद भी लाखों उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिलने पर मुआवजा दिए जाए। साथ ही बिजली बाधित करने की साजिश का आरोप लगाते हुए विद्युत वितरण निगम के प्रबंधन के खिलाफ एस्मा लगाने की भी मांग की गई। विद्युत नियामक आयोग की सुनवाई मंगलवार को बरेली के जीआईसी आडीटोरियम में हुई। आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह के समक्ष राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश वर्मा और मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल आला अफसरों के साथ मौजूद रहीं। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक ने विभागों के कार्यों व टैरिफ पर अपना प्रस्तुतीकरण किया गया।

'पंडित' पर आपत्तिजनक प्रश्न से नाराज भगवाधारी ने किया आत्मदाह का प्रयास

दरोगा भर्ती परीक्षा

गोसेवक दीपक शर्मा।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के बाहर पुलिस ने पेट्रोल डालने से पहले पकड़ लिया
- बुलंदशहर के ब्लॉक दानपुर गांव का रहने वाला है गोसेवक दीपक शर्मा

अमृत विचार: विधानसभा मार्ग स्थित उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड मुख्यालय के बाहर भगवाधारी गो-सेवक दीपक शर्मा ने आत्मदाह का प्रयास किया। खुद पर पेट्रोल उड़ेल पाता, उससे पहले पुलिसकर्मियों ने दौड़कर उसे पकड़ लिया। हुसैनगंज पुलिस भगवाधारी को लेकर कोतवाली पहुंची। पूछताछ में बताया कि दरोगा भर्ती के पेपर में अवसर के साथ बदल जाने वाले प्रश्न में विकल्प में पंडित दिए जाने से नाराज है। इंस्पेक्टर हजरतगंज को इस संबंध में प्रार्थना पत्र भी दिया था, लेकिन अभी तक रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई। पुलिस ने बुलंदशहर पुलिस को सूचना दे दी है।

एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि दीपक शर्मा मूल रूप से बुलंदशहर के ब्लॉक दानपुर गांव के रहने वाले हैं। दीपक करीब 11 बजे बोतल में पेट्रोल लेकर पुलिस भर्ती बोर्ड मुख्यालय के पास पहुंचे थे। पुलिस पहले से वहां सक्रिय थी। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता, दीपक भर्ती बोर्ड के मेन गेट से अंदर घुसते ही बोतल निकाल ली। इससे पहले कि वह ज्वलनशील पदार्थ डाल पाता हुसैनगंज शिवमंगल सिंह व अन्य पुलिस कर्मियों ने पकड़ लिया। पुलिस दीपक को लेकर कोतवाली पहुंची। दीपक ने पूछताछ में बताया कि इन दिनों लगातार ब्राह्मणों को प्रताड़ित किया जा रहा है। ब्राह्मणों को टारगेट कर उनपर आपत्तिजनक कमेंट किए जा रहे हैं। दरोगा भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र में शनिवार को पंडित शब्द का इस्तेमाल कर अपमानित किया गया। लोगों में इससे बहुत आक्रोश है। अबतक प्रश्नपत्र बनाने वालों पर कार्रवाई नहीं हुई। जिम्मेदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। कुछ दिनों से बाह्मण देश छोड़ो, ब्राह्मण को देश मे रहने नहीं देंगे। इस तरह के कमेंट और नारेबाजी लोगों के द्वारा किया जा रहा है।

इस संबंध में कार्रवाई मांग करते हुए दो दिन पूर्व हजरतगंज कोतवाली में ज्ञापन भी दिया था। इसके बाद भी करवाई नहीं हुई। एसओ हुसैनगंज शिवमंगल सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी बुलंदशहर पुलिस को दे दी गई है। बुलंदशहर पुलिस के आने पर दीपक शर्मा को उनके सुपुर्द कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने दी बहुगुणा को श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा को लोकप्रिय राजनेता, कुशल प्रशासक और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बताते हुए कहा कि उन्होंने प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं। योगी ने कहा कि बहुगुणा जी ने सामाजिक जन-जागरूकता और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए। योगी मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में बोल रहे थे।

300 मिलियन डॉलर से सुधारी जाएगी प्रदेश की वायु गुणवत्ता

विश्व बैंक, भारत सरकार और प्रदेश सरकार के बीच नई दिल्ली में हुआ करार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 3.9 मिलियन घरों को मिलेगी स्वच्छ कुकिंग सुविधा
- 700 से अधिक ईंट भट्ठों का किया जाएगा आधुनिकीकरण
- किसानों को उर्वरकों के कुशल उपयोग के लिए प्रोत्साहित करेंगे

ट्रैक्टर, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट व फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगेंगी

- यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में निवेश की रफ्तार तेज, तीन कंपनियों को भूमि आवंटन
- 3400 करोड़ रुपये से अधिक निवेश का रास्ता साफ, 5700 से ज्यादा रोजगार सृजन

अमृत विचार: प्रदेश में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए विश्व बैंक, भारत सरकार और प्रदेश सरकार के बीच नई दिल्ली में महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस समझौते के तहत उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोग्राम को करीब 299.66 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 300 मिलियन डॉलर) की वित्तीय सहायता मिलेगी।

परिवहन, कृषि और उद्योग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में एकीकृत समाधान लागू कर वायु प्रदूषण कम करने पर केंद्रित इस कार्यक्रम से न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि आसपास के राज्यों को भी लाभ मिलेगा। एमओयू पर प्रदेश की ओर से स्वच्छ वायु प्रबंधन प्राधिकरण की सीईओ बी. चंद्रकला, भारत सरकार की ओर से आर्थिक मामलों के विभाग की संयुक्त सचिव जूही मुखर्जी और विश्व बैंक की ओर से कार्यवाहक कंट्री डायरेक्टर पॉल प्रोसी ने हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है और आर्थिक विकास के साथ पर्यावरणीय संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से विकास का आकलन केवल जीडीपी से नहीं, बल्कि स्वच्छ वातावरण और स्वस्थ नागरिकों से भी होगा। विश्व बैंक के अनुसार, इस पहल से परिवहन और एमएसएमई क्षेत्र में लगभग 150 मिलियन डॉलर की निजी पूंजी आकर्षित होगी। साथ ही इलेक्ट्रिक बसों व तीन पहिया वाहनों में निवेश, उद्योगों में उत्सर्जन निगरानी और स्वच्छ तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में औद्योगिक निवेश को गति देने की दिशा में योगी सरकार को एक और बड़ी सफलता मिली है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में तीन प्रमुख कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है, जो यहां ट्रैक्टर, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट व फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाएंगी। इन परियोजनाओं के जरिए प्रदेश में 3,400 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आएगा और 5,700 से ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

इन्वेस्ट यूपी की संस्तुति पर हुए इस आवंटन को प्रदेश में बेहतर होती निवेश नीति और उद्योग अनुकूल माहौल का परिणाम माना जा रहा है। सरकार का लक्ष्य यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र को एक बड़े औद्योगिक हब के रूप में विकसित करना है। सबसे बड़ा निवेश एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। कंपनी को सेक्टर-10 में 154 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जहां ट्रैक्टर और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट निर्माण इकाई स्थापित होगी। इस परियोजना में करीब 2,029 करोड़ रुपये का निवेश होगा और लगभग 4,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे कृषि और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को मजबूती मिलने की उम्मीद है। वहीं, सीएनएच इंडस्ट्रियल इंडिया प्रा. लि. को सेक्टर-8डी में 100 एकड़ भूमि दी गई है। कंपनी यहां ट्रैक्टर निर्माण इकाई स्थापित करेगी, जिसमें 1,219.81 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट से करीब 1,200 रोजगार सृजित होंगे और प्रदेश कृषि मशीनरी निर्माण का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। तीसरी कंपनी सन ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज प्रा. लि. को सेक्टर-8डी में 30,000 वर्गमीटर भूमि आवंटित की गई है। यहां ड्राई फ्रूट प्रोसेसिंग और पैकेजिंग यूनिट स्थापित होगी, जिसमें 225.16 करोड़ रुपये का निवेश और 569 रोजगार सृजित होंगे।

सरकार की सिंगल विंडो प्रणाली, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग अनुकूल नीतियों के चलते निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। इन परियोजनाओं से स्थानीय अर्थव्यवस्था, लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन को भी नई गति मिलेगी।

कार्यक्रम के तहत 3.9 मिलियन घरों को स्वच्छ कुकिंग सुविधा, 700 से अधिक ईंट भट्ठों का आधुनिकीकरण और किसानों को उर्वरकों के कुशल उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। 10 वर्ष की अवधि वाला यह कार्यक्रम इंडो-गंगा क्षेत्र के व्यापक वायु गुणवत्ता सुधार प्रयासों का हिस्सा है।

किस कंपनी को क्या मिला

- एस्कॉर्ट्स कुबोटा : 154 एकड़, 2029 करोड़ निवेश
- सीएनएच इंडस्ट्रियल : 100 एकड़, 1219 .81 करोड़ निवेश
- सन ऑर्गेनिक : 30,000 वर्गमीटर, 225 .16 करोड़ निवेश

यह होगा फायदा

- 5700 से अधिक रोजगार के अवसर
- कृषि व निर्माण क्षेत्र को मजबूती
- फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को बढ़ावा
- यमुना एक्सप्रेसवे बनेगा औद्योगिक हब

19 को बागपत में बेटियों का सम्मान

अमृत विचार, लखनऊ: नवरात्र के पहले दिन बागपत में बेटियों के सम्मान और सशक्तीकरण का अनूठा आयोजन 'नन्ही कली' कार्यक्रम के तहत किया जाएगा। 19 मार्च को आयोजित इस कार्यक्रम में छह बार की विश्व चैंपियन बॉक्सर मैरी कॉम बेटियों को सम्मानित करेंगी और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। इस पहल की खासियत है कि 'नन्ही कली' गुड़िया गांव की महिलाओं द्वारा रिसाइकिल प्लास्टिक और कपड़ों के टुकड़ों से तैयार की जा रही है। इसमें बेकार प्लास्टिक बोतलों से बने फाइबर का उपयोग किया गया है।

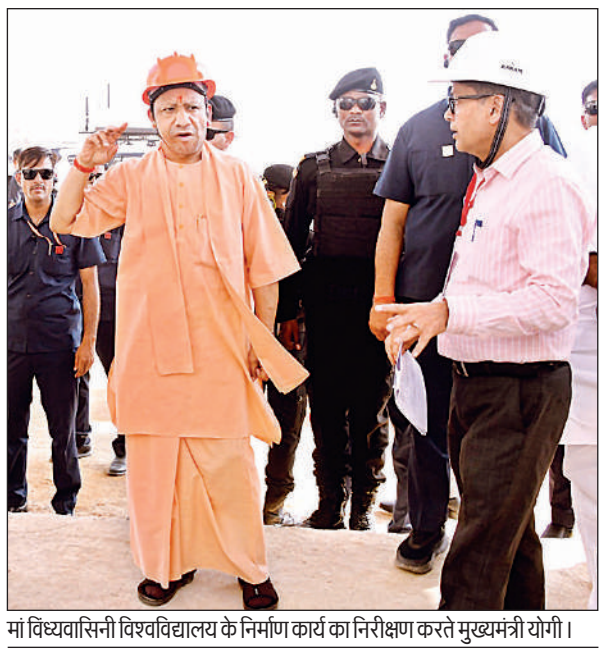

मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्य का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री ने उतारी मां विंध्यवासिनी की आरती, कॉरिडोर का कार्य भी देखा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मीरजापुर में मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन, आरती उतारी और मां को लाल चुनरी अर्पित कर मंदिर की परिक्रमा की। उन्होंने प्रदेशवासियों के सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री बच्चों के बीच पहुंचे और उनसे बातचीत कर पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। बच्चों को मोबाइल का सीमित उपयोग करने की सलाह दी और चॉकलेट वितरित की।

चैत्र नवरात्र से पहले मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवरात्र और रामनवमी के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता और व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा। दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने विंध्यवासिनी कॉरिडोर का निरीक्षण कर वहां लगे स्टाल भी देखे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं का अभिवादन भी किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, विधायक रत्नाकर मिश्र, विधान परिषद सदस्य विनीत सिंह समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।

मां विंध्यवासिनी विवि का किया निरीक्षण

- **अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने 31 मई तक निर्माण कार्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विवि परिसर में मौलिश्री का पौधा भी लगाया। निरीक्षण के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में सड़कों के निर्माण और पेयजल व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि यहां ऐसे पाठ्यक्रम संचालित किए जाएं, जो युवाओं को कौशल विकास के साथ रोजगार से भी जोड़ें। उन्होंने विशेष रूप से मीरजापुर, सोनभद्र और आसपास के क्षेत्रों के युवाओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम तैयार करने पर जोर दिया। साथ ही तृतीय श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि यह विश्वविद्यालय क्षेत्र के युवाओं की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इसे उच्च गुणवत्ता के साथ विकसित किया जाना चाहिए। कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, विधायक रमाशंकर पटेल, प्रमुख सचिव महेंद्र अग्रवाल, आयुक्त राजेश प्रकाश, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हज यात्रियों के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग, वैक्सीनेशन अनिवार्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सऊदी गाइडलाइंस के तहत आज फिटनेस प्रमाणन जरूरी

अमृत विचार: हज यात्रा 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सऊदी अरब सरकार के हज मंत्रालय की गाइडलाइंस के अनुसार सभी हज यात्रियों के लिए मेडिकल स्क्रीनिंग और वैक्सीनेशन अनिवार्य कर दिया गया है। एस.पी. तिवारी ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया के 16 मार्च 2026 के सर्कुलर के तहत यह निर्देश जारी किए गए हैं, जिनमें एनआरआई हज यात्री भी शामिल हैं।

निर्देशों के अनुसार, हज यात्रियों को अपनी मेडिकल स्क्रीनिंग और फिटनेस प्रमाणन 18 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से कराना होगा। वहीं वैक्सीनेशन यात्रा से 10 दिन पूर्व तक कराया जा सकता है। सभी यात्रियों को अपनी पूरी यात्रा के दौरान मूल हेल्थ कार्ड साथ रखना जरूरी होगा।एनआरआई हज यात्रियों को जिस देश में वे रह रहे हैं, वहीं के सरकारी या मान्यता प्राप्त निजी स्वास्थ्य केंद्रों से मेडिकल स्क्रीनिंग कराकर उसका प्रमाण पत्र संबंधित राज्य हज समिति को उपलब्ध कराना होगा। इनके मेडिकल और वैक्सीनेशन का पूरा खर्च यात्रियों को स्वयं वहन करना होगा।

सपा-कांग्रेस के महापुरुषों में दम नही इसीलिए मना रहे कांशीराम जयंती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मायावती बोलीं, बसपा को खत्म करने की रची जा रही साजिश

अमृत विचार: बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती मनाने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक बार फिर सपा-कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पहले से ही सपा-कांग्रेस द्वारा बसपा को खत्म करने की साजिश की जाती रही है।

बसपा प्रमुख ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि यूपी के विधान सभा चुनाव नजदीक आते ही दलित विरोधी पार्टियां एकाएक सक्रिय हो गई हैं। दलित वोटों के स्वार्थ में अब यह बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती सोची-समझी साजिश के तहत मना रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की जब केन्द्र में सरकार थी, तब उन्हें भारत रत्न की उपाधि नहीं दी, लेकिन अब दूसरी सरकार से देने की मांग कर रहे हैं। इससे अधिक हास्यास्पद क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने जिस बसपा की नींव रखी, उसकी एकमात्र उत्तराधिकारी वह खुद राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनके जिंदा रहते हुए कोई उनकी पार्टी को हिला नहीं सकता। ऐसा लगता है कि सपा और कांग्रेस के महापुरुषों में कोई जान नहीं रही है। अब ये हमारे महापुरुषों को भुनाने में लगे हैं। हैरत की बात तो यह है कि कांशीराम के सम्मान में किए गए विकास कार्यों के नाम भी सपा सरकार ने बदल दिए। उन्होंने सपा-कांग्रेस में शामिल अनुसूचित जाति के नेताओं से कहा कि वह कांशीराम द्वारा लिखी चमचा युग के नाम पर लिखी किताब पढ़ लें।

लघु सिंचाई विभाग में 402 पदों पर पीईटी पास को मौका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 15 अप्रैल से आवेदन शुरू, 5 मई अंतिम तिथि

अमृत विचार: प्रदेश के लघु सिंचाई विभाग में 402 सहायक बोरिंग तकनीशियन पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है। इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया 15 अप्रैल से शुरू होगी और अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) द्वारा कराई जाने वाली इस भर्ती में चयन प्रक्रिया पीईटी-2025 के स्कोर के आधार पर होगी। पीईटी में शून्य या नकारात्मक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी आवेदन के पात्र नहीं होंगे। आवेदन शुल्क जमा करने और फॉर्म सबमिट करने की अंतिम तिथि 5 मई निर्धारित की गई है।

सभी श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 25 रुपये रखा गया है। इन पदों के लिए चयनित अभ्यर्थियों को 19,900 से 63,200 रुपये तक का वेतनमान मिलेगा। भर्ती से जुड़ी विस्तृत जानकारी और आवेदन प्रक्रिया आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है, जहां अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर सकते हैं।

नई वित्तीय नीति | योगी सरकार ने तय किया है हर रुपये का उद्देश्य व पारदर्शिता

जनता के काम में सीधे खर्च हो रहा टैक्स का धन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गो कल्याण, सड़क, खेती और विरासत को मिल रहा सीधा लाभ

अमृत विचार: योगी सरकार ने सार्वजनिक वित्त प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए टैक्स व्यवस्था को सीधे जनहित से जोड़ने का नया मॉडल लागू किया है। इस नीति के तहत अब राजस्व केवल संग्रह का माध्यम नहीं, बल्कि एक तय उद्देश्य के साथ खर्च किया जा रहा है। यानी जनता से जो पैसा आता है, वह किस क्षेत्र में खर्च हो रहा है, यह पूरी तरह स्पष्ट किया जा रहा है।

सरकार की इस पहल से आम नागरिक अब आसानी से समझ सकता है कि उसका दिया गया टैक्स किस काम में उपयोग हो रहा है। यह पारदर्शिता न केवल भरोसा बढ़ा रही है, बल्कि विकास योजनाओं को भी अधिक प्रभावी बना रही है। राज्य सरकार का मानना है कि स्पष्ट नीति और लक्ष्य आधारित खर्च से समाज, अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विरासत तीनों को एक साथ मजबूती दी जा सकती है।

इस मॉडल का एक प्रमुख उदाहरण गो कल्याण सेस है। आबकारी राजस्व पर लगाए गए 0.5 प्रतिशत के इस सेस से राज्य को सैकड़ों करोड़ रुपये प्राप्त हो रहे हैं, जिन्हें सीधे निराश्रित गोवंश की देखभाल में खर्च किया जा रहा है। प्रदेश के गोवंश आश्रय स्थलों में पशुओं के लिए भोजन, आवास और उपचार की सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। इससे किसानों को भी राहत मिल रही है। सरकार ने "जिस सेक्टर से राजस्व, उसी सेक्टर में निवेश" की नीति को भी लागू किया है। इसके तहत स्टाम्प ड्यूटी से मिलने वाले राजस्व को धार्मिक और पर्यटन परियोजनाओं, खनन से प्राप्त आय को सिंचाई व जल प्रबंधन, एक्सप्रेसवे टोल को ग्रामीण सड़कों और कनेक्टिविटी तथा मंडी शुल्क को किसानों की योजनाओं में लगाया जा रहा है। इससे विकास का लाभ सीधे संबंधित क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। नई वित्तीय नीति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पारदर्शिता है। अब टैक्स का उपयोग अस्पष्ट नहीं है, बल्कि स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इससे सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है और योजनाओं के क्रियान्वयन में भी गति आई है। प्रदेश सरकार 2029-30 तक एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिए सड़क, सिंचाई, लॉजिस्टिक्स, उद्योग और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में पूंजीगत निवेश लगातार बढ़ाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का यह मॉडल अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

ऐसे काम कर रहा मॉडल

- टैक्स को तय उद्देश्य से जोड़ा गया
- जहां से राजस्व, वहीं खर्च की नीति
- गो कल्याण सेस से पशु संरक्षण
- टोल से सड़क, स्टाम्प से पर्यटन विकास
- पारदर्शिता से जनता का भरोसा बढ़ा

इन क्षेत्रों को मिला लाभ

- गोवंश संरक्षण और आश्रय स्थल
- ग्रामीण सड़क और कनेक्टिविटी
- सिंचाई व जल प्रबंधन
- धार्मिक व पर्यटन विकास
- किसान कल्याण और फसल सुरक्षा

प्रोजेक्ट अलंकार में अब जरूरत के अनुसार ही मिलेगी धनराशि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बनाई जाएगी समिति

अमृत विचार: राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में मरम्मत और रखरखाव कार्यों को तेज करने के लिए प्रदेश सरकार ने 'प्रोजेक्ट अलंकार' की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब स्कूलों को पहले की तरह तय भारांक (वेटेज) के आधार पर नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक जरूरत के अनुसार धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

नई व्यवस्था के तहत विद्यालय अब पहले से निर्धारित 35 मानकों के अलावा अपनी अन्य आवश्यक मरम्मत कार्यों को भी प्रस्ताव में शामिल कर सकेंगे। वर्तमान में प्रदेश के 1167 राजकीय माध्यमिक विद्यालय इस योजना से जुड़े हुए हैं। शासनादेश के अनुसार वर्ष 2021 और 2023 में जारी पुराने आदेशों में प्रक्रिया जटिल होने के कारण समय पर प्रस्ताव नहीं मिल पाते थे, जिससे धन आवंटन में देरी होती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए अब पुराने आदेशों को निरस्त करते हुए नई सरल व्यवस्था लागू की गई है।

नई प्रक्रिया के तहत किसी भी विद्यालय में मरम्मत की जरूरत का चिन्हांकन सबसे पहले प्रधानाचार्य या प्रधानाध्यापक करेंगे। इसके बाद प्रस्ताव जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को भेजा जाएगा। डीआईओएस निर्माण एजेंसी से लागत का एस्टीमेट तैयार कराकर प्रस्ताव को जिला स्तर की समिति के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। प्रस्तावों को स्वीकृति देने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की जाएगी। इसमें मुख्य विकास अधिकारी उपाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता तकनीकी सदस्य और डीआईओएस सदस्य सचिव होंगे। समिति से मंजूरी मिलने के बाद प्रस्ताव शिक्षा निदेशक (माध्यमिक), प्रयागराज को भेजा जाएगा।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त
एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी
बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी
के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के.
बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज
कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

माल के पीरनगर में बच्चे को डेंगू, कई ग्रामीण बीमार

गांव में जगह-जगह गंदगी, नालियां चोक होने से जलभराव

संवाददाता, माल

अमृत विचार : माल क्षेत्र के पीरनगर गांव में बुखार फैल गया है। ढाई वर्ष के एक बच्चे में डेंगू की पुष्टि हुई है जबकि उसके भाई-बहन समेत कई ग्रामीण बुखार की चपेट में हैं। सीएचसी में इलाज के बाद बच्चे को घर भेज दिया गया है, अन्य मरीज निजी क्लीनिकों में इलाज करा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में गंदगी और नालियां चोक होने से जलभराव के कारण बीमारी फैली है। सफाई कर्मी के नियमित रूप से न आने के कारण हालात और खराब हो गए हैं। लोगों ने प्रशासन से तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने की मांग की है।

पीरनगर निवासी अजीत ने बताया कि 12 मार्च को बेटे अविश (2.5 वर्ष) की तबीयत बिगड़ गई। उसे रामनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां जांच में डेंगू की पुष्टि हुई। तीन दिन में इलाज पर 13 हजार रुपये खर्च होने के बावजूद सुधार नहीं हुआ। इस दौरान प्लेटलेट्स घटकर 33 हजार तक पहुंच गईं। प्लेटलेट्स चढ़ानी पड़ीं। हालत में सुधार न होने पर सोमवार को बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया(मंगलवार को आराम मिलने पर छुट्टी दे दी गई। परिजन ने बताया कि अस्पताल में दोबारा से डेंगू की जांच नहीं की गई। अविश का भाई रचित (9), बहन आराध्या (6) के अलावा पड़ोसी नन्हकाई (65), करन (18) और सपना (7) समेत कई ग्रामीण बुखार की चपेट में हैं। सीएमओ -डॉ. एनबी सिंह ने कहा कि गांव में बीमारी फैलने की जानकारी नहीं है। टीम भेज कर अन्य बीमार लोगों की जांच कराकर इलाज कराया जाएगा।

अस्पताल में लापरवाही बरतने का आरोप

- डेंगू मरीजों के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उन्हें अलग वार्ड में मच्छरदानी के भीतर रखना अनिवार्य होता है, ताकि संक्रमण अन्य लोगों तक न फैले। हालांकि, परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में इस नियम का पालन नहीं किया गया। मंगलवार को बच्चा सामान्य वार्ड में बिना मच्छरदानी के भर्ती पाया गया।

सीएचसी में अविश को गोद में लिए मां।

रचित

आराध्या

नन्हकाई।

एमसीपी कार्ड पर डालें नंबर, खोलें हाटकुक्ड खाते

अमृत विचार, लखनऊ : विकास भवन में मंगलवार को पोषण समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन ने की। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रेयश कुमार से योजनाओं की प्रगति जानी। इस दौरान मुख्य रूप से प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति खराब मिली। पाया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी होने वाले एमसीपी कार्ड पर एएनएम द्वारा नंबर दर्ज नहीं किए जा रहे। इस वजह से ऑनलाइन आवेदन के दौरान योजना के आवेदन रिजेक्ट हो जाते हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को एमसीपी कार्ड पर नंबर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

न्यूज ब्रीफ

दोस्ती का झांसा देकर ठगे 50 लाख व जेवर

अमृत विचार, गोसाईगंज : सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में दोस्ती की आड़ में ठगी और धमकी का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि युवक ने दोस्ती की। उसके बाद जरूरत बताकर करीब 50 लाख और जेवर हड़प लिए। रुपये वापस मांगने पर आरोपी ने पीछा कर धमकाया। पीड़िता ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है। अलीगंज निवासी महिला ने बताया कि उनकी दोस्ती आशियाना के एलडीए कॉलोनी सेक्टर-एफ के रहने वाले कृष्णा उपाध्याय से थी। दोस्ती के दौरान आरोपी ने धोखा देकर 50 लाख रुपये लिए थे। जिसमें पांच लाख रुपये ऑनलाइन दिए थे। इसके साथ ही उनसे चेन, अंगूठी, लॉकेट भी लिया था। पीड़िता ने बताया कि रुपये व जेवर वापस मांगे तो टालमटोल शुरु कर दी। इंस्पेक्टर राजीव रंजन उपाध्याय ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

वित्त मंत्री से मिले टैक्सी संचालक

अमृत विचार, लखनऊ : ट्रेवल एंड ट्रांसपोर्ट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर संगठन ने मंगलवार को परिवहन विभाग द्वारा लागू वन टाइम टैक्स (ओटीटी) अध्यादेश के विरोध में प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना से मुलाकात की। संगठन ने आरोप लगाया कि इस अध्यादेश के कारण प्रदेशभर के टैक्सी मालिकों पर भारी-भरकम चालान, वाहन सीज करने जैसी कार्रवाईयों से गंभीर परेशानियां उत्पन्न हो रही हैं। वित्त मंत्री ने परिवहन मंत्री से फोन पर वार्ता की और बताया कि जब अध्यादेश में संशोधन का प्रावधान मौजूद है, तो आगामी 23 मार्च की कैबिनेट बैठक में इस पर विचार किया जाना चाहिए।

ओपीडी से चिकित्सक गायब, मरीज करते रहे इंतजार

पड़ताल

संवाददाता, माल

अमृत विचार: उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को सीएचसी चिनहट का औचक निरीक्षण किया था। जहां गंदगी देख वे भड़क गए थे। एजेंसी का सात दिन का भुगतान रोक दिया है। इसके आलावा मरीज के पंजीकरण से लेकर चिकित्सक को दिखाने, जांच के लिए नमूना लेने और औषधि वितरण में देरी होने पर भी नराजगी जताई थी। जल्द सुधार के निर्देश दिए थे। लेकिन अन्य सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भी कुछ ऐसे ही हालत हैं। जिन पर भी ध्यान देने की जरूरत है। मरीज को रोजान दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। माल सीएचसी में मंगलवार को हालात बदतर नजर आए। मुख्य गेट के पास ही गंदगी का अंबार लगा था, जिससे मरीजों और तीमारदारों को परेशानी उठानी पड़ी। दोपहर 12:46 बजे बाल रोग विशेषज्ञ अपने कक्ष में मौजूद नहीं थे और बाहर मरीज उनके इंतजार में खड़े रहे। एक अन्य कक्ष में भी डॉक्टर अनुपस्थित मिले, हालांकि डॉ. आमिर मरीजों का इलाज करते दिखाई दिए।

पंजीकरण और औषधि वितरण कक्ष के बाहर लंबी कतारें लगी रहीं, जिससे मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा। वहीं, तीमारदारों के लिए लगाया गया वाटरकूलर खराब पड़ा था और वार्ड के कई बेड बिना चादर के नजर आए। अस्पताल की एक्सरे मशीन खराब है। अल्ट्रासाउंड के लिए डॉक्टर नहीं हैं। इस संबंध में सीएचसी अधीक्षक डॉ. जेपी सिंह ने सफाई देते हुए कहा कि संबंधित डॉक्टर को शेड्यूल बनाने के लिए बुलाया गया था, जिस कारण वह कुछ देर के लिए कक्ष में मौजूद नहीं थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि वार्ड में जिस बेड पर मरीज होता है, उसी पर चादर लगाई जाती है और पेयजल व साफ-सफाई की कोई समस्या नहीं है।

माल सीएचसी की ओपीडी में चिकित्सक की खाली पड़ी कुर्सी, वॉर्ड में बिना चादर के बेड और परिसर में लगे वाटर कूलर के पास गंदगी फैली गंदगी। अमृत विचार

लंबी कतारों ने बढ़ाई मरीजों की परेशानी

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचार : गोसाईगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जहां वार्ड से निकलने वाला सामान्य और बायो मेडिकल कचरा खुले में फेंका जा रहा है। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है।

मंगलवार दोपहर पंजीकरण काउंटर और औषधि वितरण काउंटर पर मरीजों की लंबी-लंबी कतारें देखने को मिलीं। अस्पताल परिसर में करीब आधा दर्जन एम्बुलेंस कबाड़ की हालत में खड़ी हैं, जिनमें कूड़ा भरा हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश के दौरान इन एम्बुलेंस में जलभराव भी हो जाता है। अस्पताल के शौचालयों में भी भारी गंदगी पाई गई। पुरुष वार्ड में महिला मरीजों को भर्ती किया गया था। ओपीडी में मरीजों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण कई महिलाएं फर्श पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करती नजर आईं।

वार्डों में बेड पर गंदी चादरें बिछी थीं, जबकि कई बेड बिना चादर के ही पड़े थे। अल्ट्रासाउंड मशीन खराब होने के चलते संबंधित कक्ष पर ताला लटका मिला। वहीं, वाटर कूलर से लगातार पानी बहने की शिकायत भी सामने आई। इमरजेंसी में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों ने आरोप लगाया कि उन्हें एक घंटे से अधिक समय तक इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि, सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुरेश पांडे ने बताया कि अल्ट्रासाउंड मशीन के लिए शासन को पत्र भेजा गया है और अस्पताल में नियमित साफ-सफाई कराई जाती है। मरीजों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो रही।

गोसाईगंज सीएचसी के अल्ट्रासाउंड कक्ष में लटका ताला, परिसर में पड़ा बायोमेडिकल वेस्ट और शौचालय में गंदगी। अमृत विचार

रहीमाबाद में चार ग्रामीणों के रक्त के नमूने लिए गए

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार Follow UP

अमृत विचार : रहीमाबाद क्षेत्र के ग्रामीणों में हेपेटाइटिस-बी संक्रमण की आशंका को लेकर स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। अलग-अलग अस्पतालों की जांच रिपोर्टों में विरोधाभास सामने आने के बाद अब मामले की गहन जांच की जा रही है। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग ने चार और ग्रामीणों के खून के नमूने एकत्र किए हैं, जिन्हें जांच के लिए केजीएमयू भेजा जाएगा। 24 फरवरी को रहीमाबाद के चार गांवों के 19 लोगों नेरक्तदान किया था। इसके बाद संक्रमण की जांच में पहले बलरामपुर अस्पताल में तीन लोगों में हेपेटाइटिस-बी की पुष्टि हुई। इसके बाद सभी नमूनों की जांच लोहिया संस्थान में कराई गई, जहां सभी 19 नमूनों में संक्रमण मिलने की बात सामने आई, जिससे हड़कंप मच गया।

स्थिति स्पष्ट करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने दोबारा जांच कराई, जिसमें 14 लोगों के नमूने लिए गए। केजीएमयू के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की जांच में केवल एक व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि हुई, जबकि बाकी 13 की रिपोर्ट नेगेटिव आई। रिपोर्टों में लगातार अंतर आने के बाद चौथी बार केजीएमयू के ब्लड एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग में नैट तकनीक से जांच कराई गई।

इस बार 14 नमूनों में से चार में हेपेटाइटिस-बी संक्रमण की पुष्टि हुई, जबकि नौ लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई। एक नमूना जांच के योग्य नहीं पाया गया। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग ने चार और ग्रामीणों के नमूने एकत्र किए हैं। दो ग्रामीण शहर से बाहर होने के कारण सैंपल नहीं दे सके। इन नमूनों को बुधवार को केजीएमयू भेजा जाएगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग ने संक्रमित पाए गए लोगों के परिवारीजनों की भी जांच कराने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने फोन और पत्र के माध्यम से परिजनों को रक्त जांच के लिए बुलाया है। विभाग का कहना है कि अगले दो से तीन दिनों में सभी संबंधित लोगों के नमूने एकत्र कर स्थिति स्पष्ट की जाएगी।

सफाई एजेंसी से 6700 रुपये की हुई कटौती

- **अमृत विचार, लखनऊ :** चिनहट सीएचसी का सोमवार को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने निरीक्षण किया था। गंदगी देख नाराजगी जताई थी। उन्होंने सफाई एजेंसी का हफ्ते भर का भुगतान रोकने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद मंगलवार को सीएमओ ऑफिस की ओर से कंपनी को दी जाने वाली राशि में 6700 रुपये की कटौती हुई है। इसके अलावा मंगलवार को सीएचसी परिसर में खराब पड़े आरओ सिस्टम को ठीक कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। कर्मचारियों के जरिये आरओ प्लांट को ठीक किया जा रहा था ताकि मरीजों को साफ पानी मिल सके। वहीं सीएचसी परिसर में सफाई व्यवस्था भी दुरुस्त की गई। बेड पर साफ बेड शीट भी बिछाई गईं।

रोजगार सेवक के परिजन से मिले कांग्रेस अध्यक्ष

संवाददाता , मोहनलालगंज

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के फत्तेखेड़ा निवासी ग्राम रोजगार सेवक व हॉकर रमेश कुमार (39) की आत्महत्या के मामले में मंगलवार को राजनीति गरमा गई। दोपहर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, ग्राम रोजगार सेवक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अंकुर शुक्ल व कई संगठनों के लोग मृतक के घर पहुंचे। पीड़ित परिजन से मुलाकात कर ढाढस बंधाया। पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजे और मृतक आश्रित पत्नी को सरकारी नौकरी की मांग की। साथ ही दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

उत्तर प्रदेश ग्राम रोजगार सेवक संघ के ब्लाक अध्यक्ष अकुंर शुक्ल ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को ज्ञापन देकर बताया कि कई महीनों से रोजगार सेवकों का मानदेय रुका है। इस कारण रमेश कुमार ने आत्महत्या कर ली। शनिवार को रमेश कुमार का शव रायबरेली जनपद के किशुनपुर बछरांवा में शीशम के पेड़ से मफलर के सहारे फंदे पर लटका मिला था। एसीपी मोहनलालगंज .विकास पांडेय ने बताया कि रमेश ने रायबरेली में आत्महत्या की थी। उनके घरवालों ने अबतक किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है, न ही थाने में इस संबंध में कोई तहरीर दी है। उनके पास से जो सुसाइड नोट मिला है उसमें भी किसी पर कोई आरोप नहीं है। अगर घरवाले कोई तहरीर देंगे तो मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

रोजगार सेवक के परिजन से जानकरी लेते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय।

ला मार्टिनियर भूमि विवाद में अंतरिम रोक बरकरार

विधि संवाददाता, लखनऊ

- 10 मार्च को हाईकोर्ट ने निर्माण पर लगा दी थी रोक

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने ला मार्टिनियर की जमीनों पर सड़क/फ्लाईओवर बनाए जाने के मामले में पूर्व में दिये गए अंतरिम आदेश को बढ़ाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने 10 मार्च को प्रश्नगत जमीनों पर निर्माण करने से अंतरिम तौर पर रोक दिया था।

दरअसल एलडीए की ओर से कहा गया था कि बिना ट्रस्टीज की अनुमति के कोई निर्माण नहीं किया जाएगा। मामले की 16 मार्च को हुई सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि एलडीए के एक पत्र में कहा गया है कि नौ पिलर्स का निर्माण प्रगति पर है तथा आगे का निर्माण ट्रस्टीज की अनुमति से किया जाएगा। ऐसे में कोर्ट ने अंतरिम रोक बढ़ाने से इनकार कर दिया। साथ ही पक्षकारों को अपनी-अपनी दलीलें और हलफनामे दाखिल करने के लिए समय दिया है। मामले की अगली सुनवाई 25 मार्च को नियत की गई है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने ला मार्टिनियर कॉलेज की ओर से दाखिल याचिका पर पारित किया है।

मरीज की मौत पर लोहिया संस्थान में बवाल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- इलाज में लापरवाही का आरोप तीमारदारों ने की मारपीट व तोड़फोड़

अमृत विचार : गोमती नगर स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान में मंगलवार सुबह एक मरीज की मौत के बाद तीमारदारों ने जमकर हंगामा किया। गुस्साए परिजनों ने रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ मारपीट करने के साथ ही इमरजेंसी वार्ड में तोड़फोड़ भी की, जिससे अन्य मरीजों का इलाज प्रभावित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर स्थिति को नियंत्रित किया। दोनों पक्षों की ओर से थाने में तहरीर दी गई है।

गुडंबा निवासी 45 वर्षीय लाल बहादुर को सांस लेने में दिक्कत होने पर सोमवार रात करीब 1 बजे इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान मंगलवार सुबह करीब 7 बजे उनकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन आक्रोशित हो उठे और हंगामा शुरू कर दिया। मृतक के साले प्रदीप का आरोप है कि इंजेक्शन लगाने के बाद मरीज की हालत बिगड़ी और विरोध करने पर डॉक्टरों व गार्डों ने परिजनों को बाहर निकाल दिया, यहां तक कि महिलाओं के साथ भी अभद्रता की गई। वहीं, संस्थान के प्रवक्ता डॉ. भुवन चंद तिवारी ने बताया कि मरीज निमोनिया से गंभीर अवस्था में लाया गया था और डॉक्टरों ने तुरंत वेंटिलेटर पर रखने की सलाह दी थी। हालांकि, परिजनों ने सुबह 3:30 बजे तक इसकी अनुमति नहीं दी, जिससे इलाज में देरी हुई। बाद में सहमति मिलने के बाद भी मरीज को बचाया नहीं जा सका। उन्होंने लापरवाही के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि घटना की जांच कराई जा रही है।

हंगामा करते तीमारदार और टूटा पड़ा शीशा।

यातायात

ब्रिज संख्या 110 पर काम के कारण लिया गया ट्रैफिक ब्लॉक

कानपुर रेलखंड पर इंजीनियरिंग कार्य से कई ट्रेनें प्रभावित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रेलवे प्रशासन की ओर से कानपुर सेंट्रल स्टेशन और लखनऊ जंक्शन के बीच ब्रिज संख्या 110 पर इंजीनियरिंग कार्य के चलते ट्रैफिक व पावर ब्लॉक दिया गया है। इस कारण अप्रैल से मई 2026 के बीच कई ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन, आंशिक निरस्तीकरण, नियंत्रण और मार्ग परिवर्तन किया गया है।

इस अवधि में कई ट्रेनों को लखनऊ तक न चलाकर कानपुर में ही समाप्त किया जाएगा। कासगंज-लखनऊ पैसेंजर अब कानपुर अनवरगंज तक ही चलेगी, जबकि आगरा फोर्ट-लखनऊ एक्सप्रेस, पुणे-लखनऊ एक्सप्रेस और वीरांगना लक्ष्मीबाई जंक्शन-लखनऊ एक्सप्रेस जैसी प्रमुख ट्रेनें कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर ही यात्रा समाप्त करेंगी। वापसी में ये ट्रेनें लखनऊ की जगह कानपुर से ही शुरु होंगी, जिससे यात्रियों को बीच के खंड में वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सीतापुर एक्सप्रेस को विभिन्न तिथियों पर लगभग 210 मिनट (साढ़े तीन घंटे) नियंत्रित कर चलाया जाएगा। इससे इस रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त समय का ध्यान रखना होगा।

नई दिल्ली-लखनऊ एक्सप्रेस को गाजियाबाद-कानपुर मार्ग की जगह मुरादाबाद के रास्ते चलाया जाएगा, जिससे अलीगढ़, इटावा और कानपुर जैसे स्टेशनों पर इसका ठहराव समाप्त रहेगा। इसी तरह बरौनी, दरभंगा और नई दिल्ली के बीच चलने वाली विशेष गाड़ियां भी सीतापुर सिटी, शाहजहांपुर और बरेली मार्ग से संचालित होंगी, जिससे कानपुर सेंट्रल स्टेशन और ऐशबाग स्टेशन प्रभावित रहेंगे।

लंबी दूरी की ट्रेनों पर भी असर

- उदयपुर-कामाख्या, बान्द्रा-लखनऊ, सूरत-मुजफ्फरपुर, साबरमती-मुजफ्फरपुर और अहमदाबाद-दरभंगा जैसी लंबी दूरी की ट्रेनों को भी परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। इसके अलावा गोरखपुर जाने वाली कई ट्रेनें, जैसे लोकमान्य तिलक, पनवेल, ओखा, यशवंतपुर और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से चलने वाली गाड़ियां प्रयागराज और प्रतापगढ़ के रास्ते चलाई जाएंगी, जिससे लखनऊ और बाराबंकी जैसे स्टेशनों पर उनका ठहराव नहीं होगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा से पहले ट्रेन की स्थिति अवश्य जांच लें। मार्ग परिवर्तन और आंशिक निरस्तीकरण के कारण यात्रा योजनाओं में बदलाव संभव है। यह अस्थायी व्यवस्था 2 अप्रैल से 13 मई 2026 तक लागू रहेगी, जिसके बाद संचालन सामान्य होने की संभावना है।

जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू

अमृत विचार, लखनऊ: जनपद में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान की शुरुआत मंगलवार को वीरांगना अवंतीबाई जिला महिला चिकित्सालय (डफरिन) में की गई। प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ज्योति मल्होत्रा ने 14 वर्षीय किशोरी को टीका लगाकर शुरुआत की। उन्होंने बताया कि सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा प्रमुख कैंसर है। प्रति एक लाख महिलाओं में लगभग 14 से 15 मामलों की संभावना रहती है, जिसे एचपीवी टीकाकरण से काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने जानकारी दी कि 14 वर्ष की आयु वर्ग की किशोरियों को गार्डसिल वैक्सीन की सिंगल डोज दी जा रही है।

कई बार दी थी जान से मारने की धमकी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: दामाद की हत्या के मामले में पुलिस ने बताया कि पीड़ित परिजन का आरोप है कि विष्णु को ससुराल पक्ष के लोग गई बार जान से मारने की धमकी दे चुके थे।

पुलिस की छानबीन में यह भी आया है कि वह अपनी ससुराल कम ही जाता था। मंगलवार को विष्णु ससुराल क्यों आया? इस बारे में पड़ताल कर रही है। पत्नी साक्षी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक आरोपी ससुर ने पूर्व में विष्णु के खिलाफ एक केस भी दर्ज कराया था।

रिश्तों पर दाग बने ऐसे चार मामले

- **17 फरवरी 2026 :** काकोरी में ससुराल आए दामाद रामसागर की बेरहमी से हत्या।
- **03 जुलाई 2024 :** ठाकुरगंज में प्रेम विवाह के बाद युवक पर हमला, परिजनों पर आरोप लगा।
- **22 सितंबर 2023 :** मड़ियांव में अंतरजातीय विवाह को लेकर युवती के परिजन ने दामाद पर किया हमला।
- **10 अप्रैल 2022 :** चिनहट में प्रेम विवाह से नाराज परिवार ने दामाद की पिटाई कर गंभीर रूप से घायल किया।

अमृत विचार
लखनऊ, बुधवार, 18 मार्च 2026

लखनऊ समेत 13 जिलों में 6,841.85 करोड़ की 24 परियोजनाएं स्वीकृत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 7,830 आवासीय व व्यावसायिक यूनिट विकसित करेंगे बिल्डर
- गोंडा, बाराबंकी, गौतमबुद्ध नगर गोरखपुर, वाराणसी भी शामिल

अमृत विचार : उप्र भू-सम्पदा विनियामक प्राधिकरण ने रियल एस्टेट क्षेत्र में लखनऊ, बाराबंकी, बांदा, गोरखपुर, वाराणसी, गौतमबुद्ध नगर समेत 13 जिलों में 6,841.85 करोड़ की 24 परियोजनाएं मंजूर की हैं। इन जिलों में बिल्डर 7,830 आवासीय और व्यावसायिक यूनिट विकसित करेंगे। इससे घर व दुकान खरीदारों को राहत मिलेगी।

न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर मंगलवार को अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में 198वीं प्राधिकरण की बैठक हुई। इसमें कई जिलों से आवासीय व व्यावसायिक परियोजनाओं के प्रस्तावों की समीक्षा की गई। नियामकीय मानकों और आवश्यक अनुपालन शर्तों को पूरा करने पर गौतमबुद्ध नगर में 5,218.41 करोड़ की कुल पांच परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें 2,969 यूनिट में तीन व्यावसायिक, एक आवासीय और एक मिक्स्ड-यूज परियोजना विकसित की जाएंगी।

लखनऊ में 132.65 करोड़ से चार परियोजनाओं को स्वीकृति मिली। इनमें 651 यूनिट में तीन आवासीय और एक व्यावसायिक परियोजना निर्मित की जाएगी। वहीं, राजधानी से सटे बाराबंकी में 459.09 करोड़ से एक आवासीय परियोजना में 567 आवासीय यूनिट विकसित की जाएगी। इससे शहर में आवासीय जरूरतों के साथ व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

इसी तरह आगरा में 162.75 करोड़ से तीन आवासीय परियोजनाओं में 312 आवासीय यूनिट विकसित की जाएंगी। गाजियाबाद में 83.85 करोड़ से तीन परियोजनाओं विकसित होंगी। इनमें 468 यूनिट में दो व्यावसायिक और एक आवासीय परियोजना बनेगी। इसके अलावा मथुरा में 9.13 करोड़ से एक आवासीय परियोजना में 136 यूनिट, सहारनपुर में 324.95 करोड़ से एक आवासीय परियोजना में 803 आवासीय यूनिट, मेरठ में 183.63 करोड़ से एक आवासीय परियोजना में 167 यूनिट, बागपत में 11.25 करोड़ से एक व्यावसायिक परियोजना में 97 यूनिट, गोरखपुर में 30 करोड़ से एक आवासीय परियोजना में 182 यूनिट, वाराणसी में 11.20 करोड़ से एक आवासीय परियोजना में 65 यूनिट, बांदा में 86.84 करोड़ से एक आवासीय परियोजना में 501 यूनिट, हापुड़ में 128.10 करोड़ से एक व्यावसायिक परियोजना में 912 व्यावसायिक यूनिट को मंजूरी दी गई है।

न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर प्राधिकरण की बैठक करते अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी।

मानव तस्करी रोकने के लिए उठाए जाएं ठोस कदम : डीजीपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश में नौ साल में मानव तस्करी के दर्ज हुए 1010 मुकदमे

अमृत विचार: डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि तस्करी क्रूरतम संगठित अपराध तो है ही, साथ ही मानव अधिकारों का गंभीर उल्लंघन भी है। इस अपराध की जड़ें गरीबी, असमानता एवं विस्थापन जैसी परिस्थितियों में निहित हैं। प्रदेश की सीमाएं नेपाल से जुड़ी होने के कारण विशेष चौकसी की जरुरत है। उन्होंने पुलिस अफसरों से कहा कि हर हाल में मानव तस्करी को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

डीजीपी मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में मानव तस्करी की रोकथाम को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि यूपी के सभी 75 जिलों में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग थाने स्थापित किए जा चुके हैं। वर्ष 2016 से 2025 के मध्य मानव तस्करी से संबंधित 1010 मामले दर्ज हुए।

लव जिहाद हिंदू समाज के लिए खतरा : संजय सिंह

आरएसएस का सामाजिक समरसता और विस्तार पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अवध प्रांत में चल रहीं 2800 से अधिक स्थानों पर शाखाएं
- 2728 स्थानों पर हिंदू सम्मेलनों का किया गया आयोजन

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अवध प्रांत के सह प्रांत कार्यवाह संजय सिंह ने कहा कि लव जिहाद हिंदू समाज के लिए एक बड़ा खतरा है। इस विषय को लेकर संघ गंभीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने मंगलवार को जियामऊ स्थित विश्व संवाद केंद्र में प्रेस वार्ता में संगठन के विषयों पर अपनी बात रखी।

संजय सिंह ने बताया कि संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम विजयादशमी से लगातार चल रहे हैं। घर-घर संपर्क, सद्भाव बैठकों और नागरिक गोष्ठियों के जरिए समाज में सकारात्मक सोच और कर्तव्यबोध को बढ़ावा दिया जा रहा है। अवध प्रांत में संगठन के विस्तार के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि 2888 मंडल-बस्तियों में से 2860 में नियमित शाखाएं संचालित हो रही हैं। 18,993 गांवों में से 15,864 गांवों में घर-घर संपर्क पूरा हो चुका है। 2728 स्थानों पर हिंदू सम्मेलन और अनेक सामाजिक सद्भाव बैठकों का आयोजन किया गया है।

संघ ने आगामी समय में युवाओं को जोड़ने, नई शाखाएं बढ़ाने और 'पंच परिवर्तन' के विचारों को समाज में व्यापक स्तर पर लागू करने का लक्ष्य रखा है। अंत में 'राष्ट्र प्रथम' के भाव को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

पत्रकारों को जानकारी देते स्वर्ण सिंह, संजय सिंह और अन्य।

प्रमुख बातें

- "लव जिहाद" को बताया बड़ा खतरा
- सामाजिक समरसता पर विशेष जोर
- संत रविदास के विचारों को अपनाने की अपील
- शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम जारी

अवध प्रांत में विस्तार

- 2888 में से 2860 स्थानों पर शाखाएं
- 15,864 गांवों में घर-घर संपर्क
- 2728 स्थानों पर हिंदू सम्मेलन
- युवाओं को जोड़ने और नई शाखाओं पर फोकस

हरियाणा बैठक के प्रमुख निर्णयों की दी जानकारी

- प्रेस वार्ता में प्रांत संघचालक सरदार स्वर्ण सिंह ने हरियाणा के समालखा में हुई अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के प्रमुख निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में संगठन विस्तार, सामाजिक समरसता और समाज की सज्जन शक्ति को जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के संदेश का उल्लेख करते हुए बताया गया कि संत रविदास के 650वें प्राकट्य वर्ष के अवसर पर समाज को जाति और वर्ग के आधार पर बांटने की प्रवृत्तियों पर चिंता जताई गई है। संघ का मानना है कि संत रविदास के विचारों को अपनाकर ही सामाजिक एकता को मजबूत किया जा सकता है।

रीचार्ज के दो घंटे के बाद कनेक्शन नहीं जुड़े तो करें 1912 पर संपर्क

अमृत विचार, लखनऊ: पावर कारपोरेशन के वाणिज्य निदेशक प्रशांत वर्मा ने बताया कि प्रीपेड स्मार्ट उपभोक्ताओं को अब कोई दिक्कत नहीं होगी। उपभोक्ता द्वारा रिचार्ज के दो घंटे बाद तक बिजली कनेक्शन नहीं जुड़ता है तो वह 1912 पर संपर्क कर सकते हैं। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए यह व्यवस्था अलग से बनाई गई है। पिछले कई दिनों से काफी संख्या में प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं द्वारा रिचार्ज करने के बाद भी बिजली कनेक्शन नहीं जुड़ने की शिकायतों का अंबार लगा है। इसके चलते मंगलवार को यूपी पावर कारपोरेशन के वाणिज्य निदेशक सामने आए। उन्होंने कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर प्रणाली में डिस्कनेक्शन और रीकनेक्शन की प्रक्रिया पूरी तरह स्वचालित है। बैलेंस शून्य होने पर बिजली स्वतः कट जाती है और उपभोक्ता द्वारा रिचार्ज करने पर आपूर्ति बहाल हो जाती है। रीचार्ज के बाद 95 से अधिक मामलों में भुगतान प्राप्त होने के कुछ मिनटों में ही कनेक्शन जुड़ जाते हैं। यदि अपरिहार्य स्थिति में दो घंटे के बाद भी कनेक्शन न जुड़ने पर 1912 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर में एसएमएस के द्वारा उपभोक्ता को बैलेंस धनराशि के बारे में बार-बार अलर्ट किया जाता है।

ट्रॉमा सेंटरों में पांच वर्ष में बढ़ाए जाएंगे 5000 बेड

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- राज्यभर में ट्रॉमा सेंटर का नेटवर्क होगा विकसित, आईसीयू व वेंटिलेटर सुविधाओं का भी होगा विस्तार

अमृत विचार : प्रदेश में ट्रॉमा मरीजों को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए सरकार बड़े स्तर पर तैयारी कर रही है। आगामी पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में ट्रॉमा और इमरजेंसी सेवाओं के लिए कम से कम 5000 अतिरिक्त बेड विकसित किए जाएंगे। इसमें आईसीयू और वेंटिलेटर बेड भी शामिल होंगे, जिससे दुर्घटना और आपात स्थितियों में मरीजों को तुरंत इलाज मिल सकेगा।

केजीएमयू में ट्रॉमा केयर पर आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों ने राज्यभर में ट्रॉमा सेंटर का व्यापक नेटवर्क तैयार करने पर जोर दिया। केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर के सीएमएस डॉ. प्रेम राज सिंह ने कहा कि बेड की संख्या बढ़ने से गंभीर मरीजों को आसानी से भर्ती कर उनका त्वरित उपचार किया जा सकेगा। उन्होंने सड़क हादसों में कमी लाने के लिए यातायात नियमों के सख्ती से पालन की आवश्यकता बताई और हेलमेट व सीट बेल्ट के उपयोग पर जोर दिया। डॉ. वीके पॉल, सदस्य नीति आयोग ने कहा कि मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने वाले के लिए भी हेलमेट अनिवार्य किया जाना चाहिए और नियमों में किसी तरह की ढील नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रॉमा मरीजों को 'गोल्डन ऑवर' में समुचित इलाज मिलना बेहद जरूरी होता है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने बताया कि राज्य में ट्रॉमा नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए भवन निर्माण के साथ-साथ डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और नर्सिंग कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

चर्चा के प्रमुख बिंदु

- प्रदेश में ट्रॉमा और इमरजेंसी सेवाओं का राज्यव्यापी नेटवर्क विकसित करना।
- ट्रॉमा, इमरजेंसी और बर्न केयर सेवाओं का एकीकृत मॉडल तैयार करना।
- राजमार्गों के पास अस्पतालों और सीएचसी को फर्स्ट रिस्पॉन्स सेंटर बनाना।
- टेली-मेडिसिन और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए विशेषज्ञ सलाह उपलब्ध कराना।
- इमरजेंसी स्थितियों में शुरुआती 48 घंटे तक मुफ्त इलाज की व्यवस्था।

एलपीजी कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई, 5813 जगहों पर छापे

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर व्यापक अभियान चलाया गया। 12 से 17 मार्च के बीच प्रदेशभर में 5813 स्थानों पर निरीक्षण और छापेमारी की गई, जिसमें कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान 12 एलपीजी वितरकों और 74 अन्य व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। साथ ही 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 85 व्यक्तियों के विरुद्ध अभियोजन की कार्रवाई की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कालाबाजारी और अवैध बिक्री पर लगातार निगरानी बनाए रखें। सरकार की इस सख्ती के बीच प्रदेश में ईंधन आपूर्ति पूरी तरह नियंत्रण में है। 4108 एलपीजी वितरकों के माध्यम से उपभोक्ताओं को बुकिंग के अनुसार समय पर गैस रिफिल उपलब्ध कराया जा रहा है। वितरकों के पास पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और आवश्यकता के अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। वाणिज्यिक सिलेंडरों के लिए भारत सरकार द्वारा 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन की अनुमति भी दी गई है, जिससे बाजार में संतुलन बना हुआ है।

सात दिन में ईओडब्ल्यू ने 20 अपराधियों को भेजा जेल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने पूरे प्रदेश में विशेष अभियान ऑपरेशन 'शिकंजा' शुरू किया है। इसके तहत 9 से 15 मार्च के बीच में प्रदेश के 20 आर्थिक अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसमें वीडीओ भर्ती घोटाला व नलकूप घोटाले के पांच-पांच आरोपी शामिल हैं। डीजी ईओडब्ल्यू नीरा रावत के निर्देशन में अभियान जारी है। अधिकारी के मुताबिक ईओडब्ल्यू मुख्यालय व सेक्टर स्तर पर आठ टीमों का गठन किया गया है। जो सेंट्रल क्रैक टीम के सहयोग से प्रदेश में छापेमारी कर काफी समय से फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के मुताबिक अभियान आर्थिक अपराध पर लगाम लगाने की दिशा में बड़ी सफलता है। वर्ष 2018 में ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) समेत 1953 पदों की भर्ती में धांधली के मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस प्रकरण में अब तक कुल 35 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

नीट की तैयारी के समय ही आतंकी संगठन के संपर्क में था हारिस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : यूपी एटीएस ने रविवार देर रात को मुरादाबाद में छापेमारी कर सहारनपुर के रहने वाले बीडीएस छात्र हारिस अली को गिरफ्तार किया। वह आईएसआईएस के ऑन लाइन मॉड्यूल से जुड़ा है। हारिस राजस्थान में नीट की तैयारी कर रहा था। वहीं पहली बार आतंकी संगठन के संपर्क में आया। वह ''सेशन'' और ''डिस्कॉर्ड'' जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप्स पर फर्जी नामों से ग्रुप चलाकर युवाओं का ब्रेनवॉश कर रहा था। आरोपी वीपीएन का इस्तेमाल कर अपनी पहचान छिपाता था और भारत के खिलाफ साजिशें रचने वाले विदेशी हैंडलर्स के सीधे संपर्क में था। उधर एटीएस ने हारिस के रिमांड की तैयारी पूरी हो गई है। बुधवार को कोर्ट में अर्जी डालेगी।

एटीएस की जांच में हारिस के पास से क्रिप्टोकरेंसी के जरिए फंडिंग के पर्याप्त साक्ष्य मिले हैं। जिसकी जांच की जा रही है। उसने ''अल इत्तेहाद मीडिया फाउंडेशन'' नाम से अपना एक गुप्त ग्रुप बना रखा था, जहां वह आईएसआईएस की प्रोपेगेंडा मैगजीन ''दाबिक'' और ''अल-नाबा'' शेयर करता था। सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर इस समय आधा दर्जन से अधिक अन्य संदिग्ध भी हैं, जो हारिश के इस डिजिटल नेटवर्क का हिस्सा थे। यह मॉड्यूल युवाओं को फिदायीन हमलों के लिए भड़काने और शरिया कानून लागू करने की कट्टरपंथी सोच पर काम कर रहा था।एटीएस के मुताबिक, वह न केवल भारत बल्कि पाकिस्तान के आईएसआईएस हैंडलर्स से भी जुड़ा हुआ था। मुरादाबाद के कॉलेज में पढ़ाई के दौरान उसने अपने कई साथियों को भी इस दलदल में खींचने की कोशिश की थी। एटीएस अब उसके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए छापेमारी कर रही है।

आतंकी अदील अहमद से जुड़ा था

- सहारनपुर जिले का आतंकवादी संगठनों से कनेक्शन का पुराना इतिहास रहा है। इसी कारण सहारनपुर में आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के संदेह में दर्जनों लोगों को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। आतंकी संगठनों ने अब "हाई-प्रोफाइल" यानी, बेहद पढ़े-लिखे लोगों को अपने संगठन में भर्ती करना शुरू कर दिया है। मेडिकल क्षेत्र के पेशेवरों को तेजी से आसान निशाने के तौर पर देखा जा रहा है। हाल में सहारनपुर के एक अस्पताल में काम करने वाले डॉ. अदील की गिरफ्तारी के बाद उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न स्थानों पर आतंकी संगठनों से जुड़े बड़ी संख्या में डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया था। आतंकी डॉ. अदील अहमद भी सहारनपुर के उसी इलाके में किराए के मकान में रहता था, जहां मुरादाबाद में गिरफ्तार बीडीएस छात्र हारिस अली का पुश्तैनी घर है।

इलाके में परिवार की अलग पहचान

- आतंकवादी संगठन से जुड़ने के मामले में मुरादाबाद से गिरफ्तार हारिस अली की उम्र महज 19 वर्ष है। सहारनपुर के कुतुबशेर स्थिम मनकामऊ में परिवार रहता है। यहां उसकी पुश्तैनी कोठी है। हारिस के परिवार की इलाके में अलग पहचान है। दादा व परदादा देश की नामी सिगरेट बनाने वाली कंपनी आईटीसी में काम करते थे। उनकी गिनती इलाके के प्रमुख जमींदारों में होती है। हारिस के पिता आईटीसी में काम करते हैं। बड़ा भाई डॉक्टर है। उसकी बहन भी एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है।

कानपुर में दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या कर शव खेत में दफनाया

पड़ोसी प्रापर्टी डीलर, उसके तीन बेटों पर आरोप लगा ग्रामीणों ने किया बवाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

वारदात

- **आक्रोशित भीड़ ने की आरोपी का घर फूंकने की कोशिश, पुलिस अफसरों के साथ कई थानों का फोर्स व पीएसी पहुंची**

अमृत विचार : बिधनू में पांचवीं की 11 वर्षीया छात्रा की दुष्कर्म के बाद हत्या कर अर्धनग्न शव घर से 500 मीटर दूर खेत में दफना दिया गया। लापता बच्ची की तलाश में जुटे परिजनों ने संदेह पर एक खेत की नम मिट्टी खोदी तो बच्ची का शव दफन मिला। गले व सीने पर खरोंच के निशान मिले। ग्रामीणों-परिजनों ने पड़ोसी प्रापर्टी डीलर पिता-तीन पुत्रों पर वारदात करने का आरोप लगाया। आक्रोशित ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। आरोपी का घर फूंकने की कोशिश की। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस शव को कब्जे में ले सकी।

आरोपियों के पूरे परिवार को पुलिस थाने ले गई। जेसीपी लॉ एंड आर्डर के नेतृत्व में पुलिस और फोरेंसिक टीम ने आरोपी के पूरे घर को घेरकर जांच शुरू की। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया है। बच्ची के शव का पोस्टमार्टम पैनल व वीडियाग्राफी के बीच हुआ। बच्ची को गला दबा कर मारा गया है। दुष्कर्म की आशंका से दो स्लाइड बनाई गई हैं। बिधनू के एक गांव में मंगलवार सुबह हृदय विदारक घटना से हड़कंप मच गया। पेशे से मजदूर पिता के अनुसार उनकी बेटी पांचवीं की छात्रा थी। सोमवार दोपहर तीन बजे वह घर से करीब 200 मीटर दूरी पर खेत में बकरी चरा रही थी। बालिका के ताऊ का कहना है कि वह खेत के पास से निकले तो कमल बेड़िया वहां पेड़ से पत्ते तोड़ रहा था। उसने बच्ची से पत्ते अपने घर पहुंचाने को कहा था। बच्ची पत्ते लेकर उसके घर गई थी। इसके बाद उसका पता नहीं चला। मजदूरी करके देर शाम बच्ची का पिता व ताऊ घर लौटे तो उसके लापता होने की जानकारी मिली। इस पर परिजन बच्ची की तलाश में जुट गए, लेकिन कुछ पता नहीं चला। घरवाले पुलिस के साथ पूरी रात बच्ची की खोजबीन करते रहे। मंगलवार सुबह करीब छह बजे घरवाले घर से करीब 500 मीटर दूर गेहूं के खेत पर पहुंचे तो झाड़ियों के आसपास की मिट्टी खुदी हुई दिखी। खुदी मिट्टी पर संदेह हुआ। एक जगह बच्ची का पैर मिट्टी से बाहर दिखाई दिया तो मिट्टी हटाई गई। मिट्टी हटाते ही बच्ची का अर्धनग्न शव मिल गया। इसके बाद कुछ ही देर में ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। बच्ची के शव की दशा देखकर परिजनों व ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने घटनास्थल से कुछ दूरी पर रहने वाले प्रापर्टी डीलर गणेश शंकर बेड़िया व उसके ट्रक चालक बेटे कमल, आशीष व शनि पर बेटी से दुष्कर्म व हत्या करने के बाद शव खेत में गाड़ने का आरोप लगाया। भीड़ ने आरोपियों का घर घेर लिया और आग लगाने चली। बवाल बढ़ता देख पुलिस ने मशक्कत कर शव किसी तरह कब्जे में तत्काल पोस्टमार्टम भिजवाया। एसीपी घाटमपुर कृष्ण पाल सिंह ने दो हत्यारोपियों को हिरासत में लेने की बात कही। सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया, तब जाकर भीड़ शांत हुई। जेसीपी कानून व्यवस्था विपिन टाडा, डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी, एडीसीपी योगेश कुमार व कई थानों का फोर्स बल मौके पर पहुंचा। जेसीपी ने घटनास्थल पर जांच के बाद पीड़ित व हत्यारोपी के घर पहुंचकर पूछताछ की। परिजनों को सख्त सजा का भरोसा दिलाया। आरोपी के घर से मिट्टी सने और खून लगे कपड़े मिले हैं। कुछ और सबूत भी मिले हैं जिनकी जांच फोरेंसिक टीम कर रही है। गांव में कई थानों का फोर्स, पीएसी के साथ अफसर मौजूद हैं

सील गोदाम में मिला गैस सिलेंडरों का जखीरा

बाराबंकी, अमृत विचार : सोमवार को छापेमारी के दौरान सील किए गए गोदाम का शटर खुलवाए जाने पर अंदर घरेलू गैस सिलेंडरों का जखीरा मिला। यहां पर 44 सिलेंडर मिले जिनमें कुछ भरे थे। गोदाम स्वामी के खिलाफ जांच की जा रही है। उधर स्कूल से सिलेंडर चोरी मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

गैस सिलेंडर की जारी किल्लत व उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी के बीच पूर्ति विभाग ने सोमवार को आवास विकास कालोनी में छापेमारी की तो यहां पर बंद मिला एक गोदाम सील कर दिया गया। इसी क्रम में मंगलवार को टीम ने सेंट्रल एकेडमी के सामने सील किया गया नरेंद्र वर्मा का गोदाम खुलवाया तो अंदर 44 घरेलू गैस सिलेंडर मिले। इनमें पांच आंशिक भरे थे। इसी तरह तीन व्यावसायिक व एक छोटा सिलेंडर मिला। यह सारी सामग्री जब्त कर विभाग ने जांच शुरू कर दी है। टीम में एआरओ आलोक मिश्र, नायब तहसीलदार राजीव वर्मा, एसआई इमरान मंजूर, अवधेश पांडेय मौजूद रहे। डीएसओ राकेश तिवारी ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में घरेलू सिलेंडरों का एक स्थान पर मिलना कालाबाजारी की ओर इशारा करता है। कालाबाजारी रोकने के लिए छह टीमें सक्रिय हैं। उधर थाना दरियाबाद पुलिस ने ग्यास निवासी ग्राम सरायशाह व लवकुश वर्मा को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी का एक सिलेंडर बरामद किया।

राष्ट्रपति के अयोध्या आगमन को लेकर18 घंटे बंद रहेगा हाईवे

अयोध्या, अमृत विचार : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगामी 19 मार्च के अयोध्या दौरे को लेकर यातायात पुलिस ने अयोध्या जिले से जुड़ने वाले सभी राष्ट्रीय व प्रादेशिक राजमार्ग को 18 घंटे बंद रखने का निर्णय लिया है। इस दौरान भारी वाहन जैसे मालवाहक वाहन, ट्रक, ट्रैक्टर, डीसीएम आदि को अन्य मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा। यह डायवर्जन 18 मार्च की रात 11 से 19 मार्च की शाम पांच बजे या कार्यक्रम समाप्ति तक लागू रहेगा। वहीं 19 मार्च की सुबह से रामपथ पर उदया चौराहे से लता चौक तक व धर्मपथ पर साकेत पेट्रोल पंप बैरियर से लता चौक तक के मार्ग पर किसी प्रकार के वाहनों के चलने पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही बाहरी वाहनों को भी अयोध्या धाम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। वहीं शहर के अंदर भी पूर्व में तय डायवर्जन लागू रहेगा। इस दौरान श्रद्धालुओं को पैदल ही राम मंदिर या अन्य स्थानों पर दर्शन पूजन के लिए जाना होगा।

सूचना

मैने अपना नाम ALIMA BANO से बदलकर ALIYA BANO रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **C/O-FARIYAD HUSAIN ADD-537 E/295E,YASH NAGAR, FAIZULLAGANJ-2, NIRALA NAGAR DIST-LUCKNOW -226020 (U.P)**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 02–02–2026 को मूल बैनामा संख्या 3450 जिसका पंजीकरण उप निबंधक कार्यालय सदर फैजाबाद दिनांक 17–07–2003, जो श्रीमती मुन्नन बानो पत्नी मोअज्जम के नाम से है, दर्शननगर अयोध्या में कही खो गया है। **संतोष कुमारी पत्नी राज कुमार निवासी–ग्राम/पोस्ट–दर्शननगर अयोध्या।**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, सुलतानपुर-अमेठी वृत्त, लोक निर्माण विभाग, सुलतानपुर

पत्रांकः- 931/1काम-सु0अ0वृ0/2025-26 दिनाँकः- 10-03-2026

अल्पकालीन निविदा ई-निविदा सूचना (प्रथमबार आमंत्रण)
स्वीकृति की प्रत्याशा में

राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, सुलतानपुर-अमेठी वृत्त, उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिशत दर पर उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्य हेतु रजिस्टर्ड अर्ह एवं अनुमोदित ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता को सलाह दी जाती है कि यह न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में निविदादाता निर्देश पुस्तिका में वर्णित ठेका प्राप्त करने के नियमों से अवगत हो लें।

क्र0 सं0	जिला	कार्य का नाम	आंकलित धनराशि (रु0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रु0 लाख में)	निविदा शुल्क प्रपत्र का मूल्य+स्टेशनरी +जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण कराने की अवधि	अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1.	सुलतानपुर	जनपद सुलतानपुर के अन्तर्गत तहसील/ब्लाक मुख्यालय लम्भुआ में स्थायी हेलीपैड का निर्माण कार्य।	43.00	4.15	Rs.2714.00	03 माह	निर्माण खण्ड-3, लो0नि0वि0 सुलतानपुर	सुलतानपुर-अमेठी वृत्त लो0नि0वि0 सुलतानपुर	अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0 अयोध्या

➢ बिल आफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुए लगाई गयी है।

निविदा आनलाइन दिनाँक 19.03.2026 की पूर्वाहन 9:00 बजे से दिनाँक 24.03.2026 की अपराह्न 12.00 बजे तक डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 24.03.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनाँक 24.03.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोली जायेगी। शासनादेश संख्या 1/2018/3070/78-2-2018-42 आई0टी0/2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रुप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेक प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरुप कार्यवाही की जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डाक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें https://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

UP - 248329 दिनांक: 16/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-3,लो0नि0वि0, सुलतानपुर

अधीक्षण अभियन्ता, सुलतानपुर-अमेठी वृत्तलो0नि0वि0, सुलतानपुर

बस स्टेशन विकास का हिस्सा लोगों को मिलेगा लाभ:दयाशंकर

रामसनेहीघाट, बाराबंकी

- **नवनिर्मित बस स्टेशन का परिवहन राज्यमंत्री ने किया लोकार्पण**

अमृत विचार : भिटरिया में नवनिर्मित बस स्टेशन का लोकार्पण मंगलवार को प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह और राज्य मंत्री सतीश शर्मा ने फीता काटकर किया।

लगभग 3 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से बने इस आधुनिक बस स्टेशन से क्षेत्र में विकास की नई उम्मीदें जाग उठीं। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंदिर के ट्रस्टी डॉ. शिवाकांत त्रिवेदी द्वारा पूजा-अर्चना से हुई।

इसके बाद मंत्री दया शंकर सिंह ने परिवहन विभाग की पांच बसों को हरी झंडी दिखाकर रायबरेली, चित्रकूट, अयोध्या, जौनपुर, वाराणसी, प्रयागराज, कौशांबी, दिल्ली और हैदरगढ़ सहित विभिन्न शहरों के लिए रवाना किया।

मुख्य अतिथि दया शंकर सिंह ने कहा कि यह बस स्टेशन विधानसभा दरियाबाद क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास कार्यों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा और परिवहन व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि रामसनेहीघाट क्षेत्र के लोगों को लंबे समय से बस स्टैंड की कमी का सामना करना पड़ रहा था। यात्रियों को बस पकड़ने के लिए इधर उधर भटकना पड़ता था, लेकिन अब इस बस स्टेशन के निर्माण से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। इस दौरान उपजिलाधिकारी अनुराग सिंह, क्षेत्राधिकारी जटाशंकर मिश्र, परिवहन निगम लखनऊ क्षेत्रीय प्रबंधक अमरनाथ, बाराबंकी की सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक जमीला खातून, केंद्र प्रभारी एके अवस्थी, प्रभारी लाल बहादुर श्रीवास्तव, भाजपा जिलाध्यक्ष राम भुल्लन वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

पेड़ पर लटका मिला अधेड़ का शव

बीकापुर, अयोध्या, अमृत विचार: बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के राजौरा ग्राम पंचायत में मंगलवार की सुबह एक अधेड़ का शव आम के पेड़ से लटका हुआ मिला। मृतक की पहचान गांव निवासी राजबली (55) के रूप में हुई है, जो गांव के बाहर अपने खेत की रखवाली करते थे और वहीं छप्पर डालकर रहते थे।

परिवारीजनों के अनुसार वह सोमवार रात रोज की तरह खेत पर ही रखवाली करने के लिए रुके थे। मंगलवार की सुबह जब उनकी पत्नी जगपता घर से खेत की ओर पहुंचीं तो उन्होंने अपने पति का शव गमछे के सहारे आम के पेड़ से लटकता देखा। उन्होंने परिवारवालों को घटना की सूचना दी।

इस संबंध में कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट होंगे।

किसान एवं वितरक संवाद आयोजित

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

लखनऊ, अमृत विचार : ज्ञानधारा इंडस्ट्रीज द्वारा संडीला स्थित प्लांट में मंगलवार को किसान एवं वितरक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. एमआर गर्ग (पूर्व एनडीडीबी, वरिष्ठ न्यूट्रिशन साइंटिस्ट) ने पशु पोषण के वैज्ञानिक पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ज्ञानधारा का हर उत्पाद वैज्ञानिक तरीके से तैयार किया जाता है। डॉ. जेएन पांडेय (पूर्व संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग) ने किसानों को ज्ञान धारा पशु आहार की गुणवत्ता के बारे में समझाया। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के ऑपरेशनल हेड दुर्गेश अवस्थी ने कहा कि कंपनी की एमडी रितु अग्रवाल द्वारा शुरू की गयी फार्मर फर्स्ट की संकल्पना के तहत कंपनी किसानों की आय बढ़ाने को प्रतिबद्ध है। इस मौके पर कंपनी के प्रोडक्शन जीएम हितेंद्रपाल सिंह, सेल्स हेड रेजा मोहम्मद खान, राघवेंद्र सेंगर आदि मौजूद रहे।

AIR FORCE STATION MEMAURA
Post-Banthara, Lucknow (U.P.)-226401

TENDER NOTICE

For Portacabin-based Exercise Room and Expansion of Aqua Park at Officers' Mess, Air Force Station Memaura, Post-Banthara Lucknow, UP-226401. Detailed Tender will be available at Officers' Mess office on payment of **Rs. 1500/-** (Non-Refundable) **Between 1100-1700 hrs. (Mon to Sat).** Pre-bid meeting **at 0900 Hrs on 20 Mar 26** at Officer's Mess, Tender to be submitted **before 1100 Hrs. on 06 Apr 26**. For any query contact :
Mess Office, Officers Mess,
Air Force Station Memaura. Mob: 9455193263

गायों के अवशेष मिलने से तनाव

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : घर के बाहर बंधी गायों के जगह जगह अवशेष मिलने से तनाव फैल गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गई हैं। गांव में पुलिस बल तैनात किया गया है। सुल्तानपुर निवासी राकेश ने सोमवार शाम अपनी दो गायों को घर के सामने बांध दिया था। रात में अज्ञात चोर दोनों गायों को खोलकर ले गए और घर से करीब सौ मीटर दूर उनका वध कर मांस लेकर फरार हो गए। मंगलवार भोर रोशन चक मोड़ के पास दोनों गायों के अवशेष मिले।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम ASHISH KUMAR SHUKLA था से बदलकर ASHISH SHUKLA रख लिया है। अब मुझे ASHISH SHUKLA के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SANKATA PRASAD SHUKLA ADD-JALSANSTHAN AWAS MOTIJHEEL COLONY AISHBAGH DIST-LUCKNOW-226004 (U.P.)

सूचना

मैं मन्तसा बेगम पुत्री अफरोज हुसैन निवासी सलोन जिला रायबरेली ने अपनी शादी आशीष मौर्य निवासी मानिकपुर रोड सलोन के साथ कर ली है। इसीलिए अब मुझे **नेहा मौर्य पत्नी आशीष मौर्य निवासी सलोन** के नाम से जाना पहचाना जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा ड्राइविंग लाइसेंस (LMV) कहीं खो गया है। लाइसेंस न तो किसी को दिया गया और न ही कहीं जमा किया गया है। **व्रिकम कुमार पुत्र शिव बहादुर निवासी – ग्राम व पोस्ट मलके गांव,थाना सरेनी,तहसील लालगंज जिला रायबरेली**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मै SHIV BHAJAN से अपना नाम बदल कर SHIV BHAJAN BHARTI रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वा पहचाना जाए पुत्र RAM TEJ निवासी जफरपुर पोस्ट पुरे शिवदायल गंज गोंडा का रहने वाला हूं।

सूचना

मैं **हजारी लाल पुत्र स्व. भूखन निवासी सत्तिन पुरवा सिधौली सीतापुर**, मेरा सही नाम हजारी लाल पुत्र भूखन निवासी उपरोक्त है जबकि आधार कार्ड में महेन्द्र कुमार पुत्र महेश प्रसाद अंकित हो गया है इसलिए खतौनी के अनुसार सही नाम हजारी लाल पुत्र भूखन निवासी उपरोक्त अतः समस्त दस्तावेजों पर मेरा नाम हजारी पुत्र भूखन निवासी उपरोक्त ही दर्ज है दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है जबकि सही नाम हजारी लाल पुत्र भूखन है व भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जायेगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, मिर्ज़ा शफीक हुसैन के पुत्र का नाम अली अरहान आयु लगभग 10 वर्ष है। वह उसकी माता का नाम सबा ज़हरा है। अली अरहान की माता का नाम भविष्य में सबा ज़हरा ही जाना वह पहचाना जाए। **मिर्ज़ा शफीक हुसैन, 5 यूनिटी अपार्टमेंट 55 जगत नारायण रोड, लखनऊ।**

सूचना

मैं **अली अब्बास पुत्र जुल्फेकार हैदर निवासी– ग्राम नगपुर, करीमपुर थाना महसी जलालपुर, अम्बेडकरनगर** , मेरा यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा 2019 अनुक्रमांक 1988371 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2021 अनुक्रमांक 216606761 प्रमाण पत्र व सह अंकपत्र वास्तव में खो गया है।

सूचना

मैं **मोहम्मद रहबर पुत्र रमजान अली निवासी– मोहल्ला जाफराबाद जलालपुर, अम्बेडकरनगर** , मेरा यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा 2005 अनुक्रमांक 1787915 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2007 अनुक्रमांक 1055739 प्रमाण पत्र व सह अंकपत्र वास्तव में खो गया है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम अश्मिता के सिंह पुत्री अरुण शिखा पत्नी स्व0 अनूप सिंह है, जो कि उसके शैक्षणिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड सं0–608967204281 में उसका नाम इवान्या सिंह अंकित हो गया है, जो कि गलत है, भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम अश्मिता के सिंह (Asmita K Singh) पुत्री अरुण शिखा के नाम से जाना व पहचाना जाये। एतद्द द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में सभी औपचारिकताये मेरे स्वयं द्वारा पूर्ण की गई है। नि0 – 656 ज, उत्तरी गौतम नगर G.G.I.C पूर्वी गली I.T.I रोड फतेहपुर उ.प्र.

सूचना

मैं श्रीमती उमा लालवानी पत्नी श्री नरेश लालवानी निवासिनी–ई0डी0–1–849, पराग डेरी, एल0डी0ए0 कॉलोनी, कानपुर रोड, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, मेरे पुत्र आशुतोष लालवानी (Ashutosh Lalwani) के चाल–चलन ठीक न होने के कारण उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि उक्त पुत्र या उनका परिवार कोई ऐसा कृत्य कार्य करता है जो सभ्य समाज के हित में न हो तो ऐसी सूरत में आशुतोष लालवानी (Ashutosh Lalwani) व उनके परिवार द्वारा किये गये कृत्य से मेरा अथवा मेरे अन्य उत्तराधिकारियों से कोई वास्ता व सरोकार न होगा।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट / जोन:	Lucknow-NR-Division-Commercial/ Northern Railway
नीलामी सूची सं0 / लॉट सं0	Ctg-KHNM-2026
कार्य का विवरण:	Allotment of catering Stall at various stations of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	12-03-2026
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30-03-2026 at 10:00 hrs.
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	30-03-2026 at 10:30 hrs.
वेबसाइट विवरण जहां पंजीकृत बोलिदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under :-

SN	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date/ Time	Quota	Sub Quota
1	KUNDA HARNAMGANJ	Catg-LKO-KHNM-GMU-74-24-1	KHNM/ PF-1/ 31/ADDL	30-03-2026 at 10:30 hrs	GMU	

892/2026 कृते वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, लखनऊ

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
नलकूप खण्ड बहराइच

पत्रांक – 230 / न0ख0ब0 / अवैध कब्जा / दिनांक 11.03.26

अन्तिम नोटिस

श्री देवेन्द्र पुत्र हितलाल, ग्राम–बभनियॉवा,
थाना पयागपुर पोस्ट–खजुरार,
जनपद–बहराइच।

रिट याचिका संख्या– 256 / पी0आई0एल0 / 2023 में मा0 उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ द्वारा पारित निर्णय दिनांक 27.04.2023 के अनुपालन मे नलकूप खण्ड–बहराइच के स्वामित्व ग्राम–बभनियॉवा, विकास खण्ड–पयागपुर जनपद–बहराइच नलकूप संख्या–48बी0जी0 की भूमि गाटा संख्या–1525 / 0.057 हे0 सिंचाई विभाग की भूमि पर 0.0113 / 113वर्ग मी0 में अनाधिकृत कब्जा करके भूमि का उपयोग दुकान के रुप में कर रखा है / रहे है, कब्जा हटाने हेतु इस कार्यालय के पत्रांक–22जे0 / दिनांक 27.03.2023 एवं पत्रांक–35जे0 / दिनांक 15.04.2023 एवं इस कार्यालय के पत्रांक–458 / न0ख0ब0 / अवैध कब्जा / दिनांक 29.04.2023 द्वारा अपना पक्ष रखने का अवसर देते हुए 10 दिन के अन्दर कब्जा हटाने हेतु नोटिस जारी की गयी, परन्तु आप द्वारा राजकीय नलकूप की भूमि को कब्जा मुक्त नही किया गया। तत्पश्चात इस कार्यालय के पत्रांक 634 / न0ख0ब0 / अवैध कब्जा / दिनांक 16.06.2023 द्वारा पुनः एक सप्ताह का अवसर देते हुए अंतिम नोटिस जारी कर अवैध दुकान पर चस्पा करा दिया गया परन्तु अभी तक आप द्वारा कब्जा मुक्त नहीं किया गया है।

अतः आपको अंतिम अवसर देते हुए ''जरिये नोटिस''सूचित किया जाता है कि राजकीय नलकूप संख्या 48 बी0जी0 की भूमिपर क्षेत्रफल 113 वर्ग मीटर में अनाधिकृत दुकान के रूप में किये गये कब्जे को 15 दिवस के अन्दर हटाकर लिखित रूप में सूचित करे अन्यथा दिनांक 28.03.2026 को आपके विरूद्व भारतीय दण्ड संहिता 1860 के अधिनियम 45 धारा 441–442 एवं नार्दन इण्डिया कैनाल एण्ड ड्रेनेज एक्ट–08,1873 की धारा–70 / 04 तथा पी0पी0 एक्ट 1972 के अन्तर्गत कार्यवाही कर बतौर बल प्रयोग कर कब्जा हटा दिया जायेगा तथा उपरोक्त कार्यवाही में विभाग का जो भी हर्जा खर्चा होगा उसके लिए आपको जिम्मेदार मानते हुए वह आपसे वज़रिये राजस्व वसूल किया जायेगा, जिसके लिए आप स्वंय जिम्मेदार होंगे।

आज दिनांक 11.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर से अन्तिम नोटिस जारी की गयी ।

UP - 248339 दिनांक: 16/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(सलिल कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
नलकूप खण्ड–बहराइच

फार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बलरामपुर।

पत्रांक : मु0चि0अ0/चि0अ0/विज्ञापन / 2025–26/25611–01 दिनांक: 16.03.2026

प्रेस विज्ञप्ति (वाक इन इन्टरव्यू)

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश लखनऊ के पत्रांक 179/ एसपीएमयू/एन0एच0एम0/ डिस्ट्रिक्ट वॉक–इन/2023–24/4150 दिनांक 18.08.2023 एवं पत्रांक 179/ एसपीएमयू / एनएचएम / डिस्ट्रिक्ट वॉक–इन/2023–24/6132 दिनांक 30.10.2023 के द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों में संविदा पर चिकित्साधिकारियों (एम0बी0बी0एस0) के पदों पर भर्ती प्रक्रिया हेतु संविदा के आधार पर चयन वॉक इन इन्टरव्यू के माध्यम से किये जाने के निर्देश के क्रम में जनपद में विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत वर्तमान में रिक्त तथा नवीन स्वीकृत पदों पर एम0बी0बी0एस0 चिकित्सा अधिकारियों की तैनाती किये जाने एवं अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद बलरामपुर के अनुमोदन दिनांक 15.03.2026 के क्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत चिकित्साधिकारियों (एम0वी0बी0एस0) के रिक्त संविदा पदों पर नियुक्ति वॉक इन इन्टरव्यू के माध्यम से किया जाना है जिसका विवरण निम्नवत है: –

S. No.	Programme Name	Position Name	Educational Qualification	Total Vacancies				Approved Honoraria for Vacant Position per month (In Rs.)
				UR	OBC	SC	EWS	
1	Maternal Health	LMO	MBBS	0	0	1	0	1,00,000.00
2	District Hospital Strengthening	EMO	MBBS	0	0	3	1	1,00,000.00
3	Child Health (SNCU)	MO	MBBS	2	0	1	0	1,00,000.00
4	NUHM-UPHC	MO	MBBS	1	0	0	0	Rs. 80,000.00+20,000.00 performance based incentive
5	U-AAM (NUHM)	MO	MBBS	2	1	2	0	Rs. 80,000.00+20,000.00 performance based incentive
6	NPCDCS	MO	MBBS	0	0	2	0	1,00,000.00
7	Telemedicine	MO	MBBS	1	0	0	0	1,00,000.00
8	Blood Bank	MO	MBBS	1	0	0	0	1,00,000.00

आवेदन हेतु निर्देश :–

- उपरोक्त समस्त पदों पर वाक–इन–इन्टरव्यू दिनांक 27 मार्च, 2026 को प्रातः 10: 00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, बलरामपुर में सम्पन्न कराया जायेगा।
- माह मार्च, 2026 के उपरान्त रिक्ति पूर्ण होने तक प्रत्येक शुक्रवार को प्रातः 10: 00 बजे से वाक इन इन्टरव्यू आयोजित की जायेगी।
- समस्त अभ्यर्थियों को पंजीकरण एवं डाकूमेन्ट वेरीफिकेशन के लिये कलेक्ट्रेट सभागार, बलरामपुर में निर्धारित दिवस व समय प्रातः 10: 00 बजे तक उपस्थित होना होगा।
- इच्छुक अभ्यार्थी को वाक–इन–इन्टरव्यू में नवीनतम बायोडाटा, समस्त वांछित मूल अभिलेख, रजिस्ट्रेशन, दो नवीनतम कलर फोटोग्राफ तथा वांछित प्रमाण प्रत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियों के 01 सेट के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हों सकते है।
- यह पद पूर्णतयाः नियत मानदेय पर संविदा शर्तो के अधीन है तथा इस पर स्थायीकरण कोई दावा नही होगा। भर्ती प्रक्रिया के किसी भी स्तर पर रिक्त पदों की संख्या में परिवर्तन हो सकता है।
- उपरोक्त पदों पर नियुक्ति एक वित्तीय वर्ष तक के लिये मान्य होगी, जिसे भारत सरकार से अनुमोदनोपरान्त आगे बढ़ाया जा सकता है।
- साक्षात्कार हेतु किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।
- इच्छुक अभ्यार्थी की आयु विज्ञापन प्रकाशित होने की तिथि पर 65 वर्ष से अधिक न हो।
- चयन प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा लागू आरक्षण नीति का पालन करते हुए भर्ती प्रक्रिया की जायेगी।
- कोई भी प्रतिकूल तथ्य पाये जाने पर जिला स्वास्थ्य समिति / राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तर प्रदेश द्वारा एक महीने का नोटिस या नोटिस के बदले एक महीने के वेतन के बराबर राशि देकर चयनित अभ्यर्थी की संविदा/सेवा समाप्त करने का अधिकार होगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बलरामपुर। **जिलाधिकारी बलरामपुर।**

प्रथम काल

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर।
पताः–विकास भवन, निकट कलक्ट्रेट अम्बेडकरनगर।

पत्रांक 1695 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा पत्राली / अनु0सहायक / 2025–26 / दिनांक 11.03.2026

–: ई–प्रोक्योरमेण्ट नोटिस कॉल निविदा :–

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अम्बेडकरनगर विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि निधियोजनान्तर्गत निर्माण कार्यो की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति की प्रत्याशा मे ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। विड डाक्युमेण्ट के साथ संलग्न बिल आफ क्वांटिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं, जी0 सी0टी0 का भुगतना सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार पृथक से किया जायेगा । निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधिते विवरण निम्नवत् हैः–

क्र0सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	बिड सिकुरिटि (इ0एम0डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य या निविदा फीस जी.एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
1	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत भुजगी में इण्टरलाकिगं रोड से अवनीश तिवारी के घर होते हुए सरयू प्रसाद तिवारी के घर तक सी0सी0 कार्य,भियांव।	10.58	0.22	500.00+225.00+42.00=767.00	3 माह
2	अम्बेडकर नगर	ग्राम अजमलपुर नसीराबाद में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे के सविर्स लेन से प्रजापति वस्ती होकर विबेक जी के घर तक तक इ0ला0 कार्य, भियांव।	14.88	0.30	500.00+225.00+42.00=767.00	3 माह
3	अम्बेडकर नगर	ग्राम पंचायत किशुनदासपुर मे मुख्य मार्ग से मोनू के घर होकर सोनू पाठक के घर के आगे तक ख0 कार्य, भियांव।	6.15	0.13	500.00+225.00+42.00=767.00	3 माह
4	अम्बेडकर नगर	ग्राम सल्लाहपुर में गुड्डू प्रजापति के चक से पेठिया गांव तक मि0ख0 कार्य, भियांव।	16.20	0.33	500.00+300.00+54.00=854.00	3 माह

2. वेवसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथिः–19.03.2026 से 18.04.2026 तक
3. विड् डाक्यूमेण्ट डाउनलोडिंग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समयः 20.03.2026 को प्रातः 11.00 बजे से ।
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ की तिथि एवं समयः 20.03.2026 को प्रातः 11.00 बजे से ।
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि एवं समयः 18.04.2026 को अपरान्ह 12.00 बजे तक ।
6. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 18.04.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे ।
7. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ–पत्र मान्य नही होगा ।
8. निविदा आनलाइन वैब साइट http//etnder.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा ।
9. निविदा आमंत्रण कर्त्ता को आई0टी0बी0 के क्लाज 09 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धि–पत्र जारी करने का अधिकार है । जो किसी भी समाचार–पत्र मे प्रकाशित नही किया जायेगा । सभी सम्भावित निविदा दाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें । अधिक जानकारी हेतु कृपया वैब साइट http//etnder.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा विड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें ।सभी सम्भावित निविदा–दाताओं को सलाह दी जाती है कि विड् सम्मिट करने से पूर्व विड् डाक्यूमेण्ट को भली–भॉति पढ़ लें ।

UP - 248297 दिनांक: 16/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
प्रखण्ड–अम्बेडकरनगर ।
श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की अम्बेडकरनगर

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 18 मार्च 2026

पूर्वांचल

न्यूज ब्रीफ

रोजा इफ्तार पार्टी का किया गया आयोजन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सदर तहसील क्षेत्र में गौहनिया मोहाना चौक पर फात्मा हॉस्पिटल एण्ड मैटरनिटी सेन्टर की तरफ से रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस रोज़ा इफ्तार पार्टी में सैकड़ो की संख्या में रोज़ेदारों ने शिरकत की और मगरिब की आजान होने के साथ रोज़ा इफ्तार किया। रोजा इफ्तार के बाद आए हुए रोज़ेदारों ने मुल्क और मिल्लत के लिए परवरदिगार से दुआ की इस रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन फातिमा हॉस्पिटल एण्ड मैटरनिटी सेन्टर के प्रबन्धक मोहम्मद समीर की तरफ से किया गया था। मोहम्मद समीर ने कहा की रोजेदारों को इफ्तार कराना सवाब का काम है। आज रोज़ेदारों को इफ्तार कराकर वह बहुत खुश है। उन्होंने कहा कि वह हर वर्ष यह नेक काम करते है और आगे भी करते रहेंगे उन्होंने मुल्क में हिन्दू और मुसलमान के बीच यकजहती कायम रखना के बात पर बल देते हुए हर किसी के त्यौहार को शान्तिपूर्वक मनाने की भी अपील की। इस दौरान आस-पास क्षेत्र के तमाम रोजेदार शामिल रहे।

खलिहान की भूमि को कराया कब्जा मुक्त

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर अमृत विचार। विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत बसन्तपुर के निकट खलिहान भूमि पर शमीमा खातून ने चार वर्षों से अतिक्रमण कर मकान बनावा रहे भूमि पर कब्जा जमाये थी। जिसको लेकर बसन्तपुर गांव निवासिनी गीता देवी ने खलिहान की भूमि कब्जा मुक्त कराने के लिए उप जिलाधिकारी शोहरतगढ़ से लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। सोमवार को एसडीएम शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्रा की अगुवाई में राजस्व की टीम ने उक्त खलिहान की भूमि को खाली कराया। तहसीलदार शोहरतगढ़ प्रकाश सिंह यादव ने टीम के साथ निशान देही कराई और खलिहान की भूमि ग्रामीणों को सौंप दी। अब ग्रामीणों की निगरानी में खलिहान की भूमि इस भूमि पर सुरक्षित रहेगी।

सहायक आचार्य लिखित परीक्षा परिणाम रद्द करना उचित

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के निर्णय को ठहराया सही, कहा कि परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता और निष्पक्षता सर्वोपरि

विधि संवाददाता,प्रयागराज।

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य के सहायता प्राप्त गैर-सरकारी स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में 910 सहायक आचार्य पदों की भर्ती के लिए आयोजित लिखित परीक्षा का परिणाम निरस्त करने के राज्य सरकार और उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के निर्णय को वैध ठहराया। कोर्ट ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया की शुचिता और निष्पक्षता सर्वोपरि है। यदि जांच में व्यापक अनियमितताओं की संभावना सामने आती है तो पूरी चयन प्रक्रिया को रद्द करना न्यायोचित है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखना राज्य का दायित्व है। अगर जांच से प्रश्न पत्र लीक होने और अभ्यर्थियों को अनुचित लाभ मिलने की संभावना बनती है तो ऐसी स्थिति में परिणाम निरस्त करना कहीं से भी गलत नहीं है।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने कुमारी लक्ष्मी व अन्य सहित संबंधित याचिकाओं के समूह को निस्तारित करते हुए पारित किया। मामले के अनुसार याचियों ने वर्ष 2022 के विज्ञापन संख्या-51 में विज्ञापित सहायक आचार्य के 910 पदों के लिए आयोजित भर्ती प्रक्रिया में भाग लिया था। लिखित परीक्षा 16-17 अप्रैल 2025 को राज्य के छह जिलों में स्थित 52 परीक्षा केंद्रों पर 33 विषयों के लिए आयोजित हुई थी। परीक्षा के तुरंत बाद लखनऊ के विभूति खंड और चिनहट थानों में दो एफआईआर दर्ज हुईं। जिनमें आरोप था कि कुछ व्यक्तियों ने भारी रकम लेकर अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए। जांच के दौरान एसटीएफ ने मोबाइल डेटा के विश्लेषण के आधार पर 21 संदिग्ध नंबर चिन्हित किए, जिनमें से 19 अभ्यर्थियों के परीक्षा में सफल होने की पुष्टि हुई। इसके बाद आयोग ने पूर्व में घोषित परिणाम को 20 जनवरी 2026 के नोटिस के माध्यम से निरस्त कर पुनः परीक्षा कराने का निर्णय लिया, जिसे याचियों ने वर्तमान याचिकाओं के माध्यम से हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

हाईकोर्ट के अधिकांश फैसले अब हिंदी में भी होंगे उपलब्ध

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट के स्थापना दिवस के अवसर पर न्यायिक कार्यवाही को आम लोगों के लिए अधिक सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 17 मार्च 2026 से अदालतों द्वारा दिए जाने वाले सभी नॉन-एएफआर अंतिम निर्णयों एवं आदेशों का हिंदी अनुवाद शुरू करने का निर्णय लिया है। यह अनुवाद हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर डिजिटल रूप से उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वादकारियों, अधिवक्ताओं तथा आम नागरिकों को निर्णयों को समझने में सुविधा होगी। यह जानकारी यह जानकारी संयुक्त निबंधक (मीडिया सेल) विवेकानंद शर्मा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई है। जानकारी के अनुसार यह पहल 17 मार्च को न्यायालय के स्थापना दिवस (1866) के ऐतिहासिक अवसर से जोड़ते हुए की गई है। कोर्ट ने इस दिन को एक महत्वपूर्ण संस्थागत 'मील का पत्थर' बताते हुए इसी तिथि से अनुवाद परियोजना का औपचारिक शुभारंभ किया है। विज्ञप्ति में यह भी बताया गया है कि 17 मार्च 2026 से इलाहाबाद स्थित प्रधान पीठ तथा लखनऊ खंडपीठ के सभी न्यायालय द्वारा दिए जाने वाले तीन या उससे अधिक वाले नॉन-एएफआर अंतिम निर्णय एवं आदेशों का हिंदी में अनुवाद कराया जाएगा।

ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग से जवाब-तलब

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में होने वाले पंचायत चुनाव को टालने के मामले में राज्य निर्वाचन आयोग से पूछा कि पंचायत चुनाव समय-सीमा के भीतर क्यों नहीं करवाए जा रहे हैं? इसके साथ ही चुनाव की तैयारी से संबंधित वस्तुस्थिति भी स्पष्ट करने का निर्देश दिया। उपरोक्त जवाब तलब न्यायमूर्ति अतुल श्रीधर और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने इम्तियाज हुसैन की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए किया। याचिका में जिला पंचायत का कार्यकाल समाप्त होने से पहले पंचायत चुनाव की पूरी प्रक्रिया के लिए विस्तृत और समयबद्ध कार्यक्रम कोर्ट के सामने प्रस्तुत करने की मांग की गई थी। याची ने कोर्ट को बताया कि संविधान के अनुच्छेद 243ई के अनुसार पंचायत का कार्यकाल उसकी पहली बैठक की तारीख से अधिकतम 5 वर्ष तक का ही होता है, इसलिए समय पर पंचायत चुनाव कराना जरूरी है। इस पर राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से तर्क दिया गया कि यूपी पंचायत राज अधिनियम, 1947 की धारा 12- बीबी के अनुसार प्रधान के सामान्य चुनाव या उपचुनाव की तिथि तय करने की अधिसूचना जारी करना राज्य सरकार का दायित्व है। यह अधिसूचना राज्य निर्वाचन आयोग के परामर्श से जारी की जाती है। सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद कोर्ट ने आयोग से पूछा कि 19 फरवरी 2026 की मौजूदा अधिसूचना के हिसाब से क्या वह पंचायत चुनाव कराने की स्थिति में है। कोर्ट ने यह भी कहा कि पंचायत चुनाव 26 मई 2026 तक या उससे पहले संभव हो जाने चाहिए। बता दें कि उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव 2021 में हुए थे।

साक्ष्य के अभाव में गैंगस्टर की संपत्ति मानकर कुर्की मनमानी

विधि संवाददाता,प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई संपत्ति कुर्की को निरस्त करते हुए कहा है कि केवल आशंका या रिश्तेदारी के आधार पर किसी व्यक्ति की संपत्ति कुर्क नहीं की जा सकती। जब तक यह ठोस रूप से सिद्ध न हो कि संपत्ति अपराध से अर्जित धन से खरीदी गई है, तब तक जिला मजिस्ट्रेट द्वारा कुर्की का आदेश पारित करना विधि सम्मत नहीं माना जा सकता। उक्त आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह की एकलपीठ ने मंसूर अंसारी की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए गाजीपुर के विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) द्वारा 2 सितंबर 2025 को पारित आदेश को निरस्त कर दिया और जिला मजिस्ट्रेट द्वारा की गई संपत्ति कुर्की को भी रद्द कर संपत्ति तत्काल मुक्त करने का निर्देश दिया। दरअसल गाजीपुर के जिला मजिस्ट्रेट ने छह मार्च 2023 को पुलिस रिपोर्ट के आधार पर यह मानते हुए अपीलकर्ता की अचल संपत्ति (दुकान/भवन) कुर्क कर दी थी कि यह संपत्ति गैंगस्टर गतिविधियों से अर्जित धन से बनाई गई है। पुलिस रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि अपीलकर्ता कुख्यात अपराधी मुख्तार अंसारी के गैंग में शामिल था और विवादित संपत्ति उसी के आपराधिक संसाधनों से निर्मित है। इस आदेश के विरुद्ध मंसूर अंसारी ने आपत्ति दाखिल की, जिसे जिला मजिस्ट्रेट ने 26 दिसंबर 2023 को खारिज कर दिया। इसके बाद मामला गैंगस्टर एक्ट की धारा 16 के तहत विशेष न्यायालय में गया, जहां उनकी अर्जी खारिज कर दी गई। इसके विरुद्ध उन्होंने हाईकोर्ट में वर्तमान अपील दाखिल की।

वसूली के आरोप में धनघटा थाने के दो हेड कांस्टेबल हुए निलंबित

संतकबीरनगर, अमृत विचार। सोशल मीडिया पर वसूली के आरोप से जुड़े वायरल वीडियो के आधार पर एसपी संदीप कुमार मीना ने धनघटा थाने पर तैनात दो हेड कांस्टेबल को मंगलवार को निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में दोनों को पुलिस लाइन से संबद्ध किया गया है और बिना अनुमति मुख्यालय न छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। कटहा उर्फ भिटहा गांव निवासी श्रीनाथ प्रजापति ने आरोप लगाया है कि एक प्रार्थना पत्र के मामले में हेड कांस्टेबल मोहन कुमार ने पहले 10 हजार रुपये लिए। बाद में सुलह-समझौते के नाम पर मोहन कुमार और एक अन्य पुलिसकर्मी ने 7 हजार रुपये और वसूले। आरोप है कि इसमें 5 हजार रुपये ऑनलाइन और 2 हजार रुपये नकद लिए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए हेड कांस्टेबल मोहन कुमार और राणा प्रताप यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। प्रकरण की जांच सीओ मेंहदावल को सौंपी गई है, जिन्हें एक सप्ताह में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

पुलिस ने बालिकाओं को किया जागरुक

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार प्रसाद व क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़. मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक शोहरतगढ़. नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में मंगलवार को थाना क्षेत्र के बोरा पेट्रोल पम्प के निकट शारदा पब्लिक स्कूल शोहरतगढ़ में मिशन शक्ति/साइबर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भाजपा ने मनोनीत सभासदों को किया सम्मानित

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

मनोनीत सभासदों को सम्मानित करते भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य।

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जनपद के समस्त नगर पालिका, पंचायतों मनोनीत सभासदों के घोषणा होने के उपरांत भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर के नवनियुक्त सभासद गण महेश प्रसाद, भानु सिसोदिया, राजेश जायसवाल, पूनम मित्तल के पति श्याम सुन्दर मित्तल, बबलू श्रीवास्तव व नगर पंचायत कपिलवस्तु से नितेश पाण्डेय, विजय कश्यप का मिठाई खिला कर अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ निवर्तमान जिलाध्यक्ष कन्हैया पासवान, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव, विधायक प्रतिनिधि सत्य प्रकाश राही ने भी सबका स्वागत अभिनंदन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा में एक-एक कार्यकर्ता का सम्मान है। आज पार्टी ने कार्यकर्ताओं का समायोजन करके अन्य कार्यकताओं के ऊर्जा को बढ़ाया है। इस मौके पर जिला मंत्री फतेबहादुर सिंह, जिला मिडिया प्रभारी निशांत पाण्डेय, जिला संयोजक निर्वाचन सच्चिदानंद चतुर्वेदी, पिछड़ा मोर्चा के पूर्व संयोजक फूलचंद जायसवाल, नगर महामंत्री अनुराग श्रीवास्तव, आशीष त्रिपाठी, सभासद राजाराम लोधी, सतीश रस्तोगी आदि उपस्थित रहे।

कानपुर पुल पर मरम्मत कार्य के चलते बदला रहेगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा कानपुर सेंट्रल-कानपुर पुल पर इंजीनियरिंग कार्य के चलते ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक दिये जाने के कारण गाड़ियों का शॉर्ट टर्मिनेशन/ओरिजिनेशन, नियंत्रण एवं मार्ग परिवर्तन किया जायेगा। कासगंज से 01 अप्रैल से 13 मई तक चलने वाली 55346 कासगंज-लखनऊ जं. सवारी गाड़ी लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर अनवरगंज में यात्रा समाप्त करगी। यह गाड़ी कानपुर अनवरगंज से लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी और लखनऊ जं. से 02 अप्रैल से 14 मई तक चलने वाली 55345 लखनऊ जं.-कासगंज सवारी गाड़ी लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर अनवरगंज से चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं. से कानपुर अनवरगंज के मध्य निरस्त रहेगी। आगरा फोर्ट से 02 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल में 10.50 बजे यात्रा समाप्त करगी। यह गाड़ी कानपुर सेंट्रल से लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी और लखनऊ जं. से 02 अप्रैल से 14 मई, 2026 तक चलने वाली 12179 लखनऊ जं.-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल से 17.25 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं. से कानपुर सेंट्रल के मध्य निरस्त रहेगी। पुणे से 07, 14, 21 एवं 28 अप्रैल तथा 05 एवं 12 मई, 2026 को चलने वाली 12103 पुणे-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल में 11.42 बजे यात्रा समाप्त करगी। यह गाड़ी कानपुर सेंट्रल से लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी और लखनऊ जं. से 08, 15, 22 एवं 29 अप्रैल तथा 06 एवं 13 मई, 2026 को चलने वाली 12104 लखनऊ जं.-पुणे एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल से 18.00 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं. से कानपुर सेंट्रल के मध्य निरस्त रहेगी। वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. से 02 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई जं.-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल से 10.25 बजे यात्रा समाप्त करगी। यह गाड़ी कानपुर सेंट्रल से लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी और लखनऊ जं. से 02 अप्रैल से 13 मई, 2026 तक चलने वाली 11110 लखनऊ जं.-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं. के स्थान पर कानपुर सेंट्रल से 18.20 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं. से कानपुर सेंट्रल के मध्य निरस्त रहेगी। वहीं लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 01, 04, 06, 08, 11, 13, 15, 18, 20, 22, 25, 27 एवं 29 अप्रैल तथा 02, 04, 06, 09 एवं 11 मई, 2026 को चलने वाली 12107 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-सीतापुर एक्सप्रेस कानपुर सेंट्रल/उत्तर मध्य रेलवे से 210 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

तेजी से किया जा रहा रेल खंडों का नवीनीकरण

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा सवारी एवं माल गाड़ियों के संरक्षित, सुरक्षित एवं तीव्रगामी संचालन हेतु इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार तीव्र गति से किया जा रहा है।

इसके अन्तर्गत रेल खंडों के दोहरीकरण, तीसरी लाइन, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग तथा रेल खंडों के नवीनीकरण का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। संरक्षित ट्रेन संचलन के लिये पुराने रेल एवं स्लीपरों को नई रेल एवं ज्यादा क्षमता के मजबूत कंक्रीट स्लीपर से बदले जाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। संरक्षा के दृष्टिकोण से ट्रेनों की गति बढ़ाने तथा यात्रा समय में कमी लाने हेतु ट्रैक, रेल, स्लीपर, टर्नआउट एवं थ्रू फिटिंग का नवीनीकरण तथा ट्रैक एवं टर्नआउट की डीप स्क्रीनिंग इत्यादि का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ तीव्र गति से किया जा रहा है। रेलपथ के बेहतर अनुरक्षण हेतु अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से मेंटेनेंस पर फोकस किया जा रहा है, फलस्वरूप संरक्षा, सुरक्षा एवं राइडिंग कम्फर्ट में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 में, माह फरवरी, 2026 तक 308 किमी. ट्रैक, 398 किमी. रेल, 211 किमी. स्लीपर एवं 265 टर्नआउट के नवीनीकरण का कार्य पूरा किया गया। इसके अतिरिक्त 271 किमी. प्लेन ट्रैक एवं 275 टर्नआउट की डीप स्क्रीनिंग का कार्य भी गत वर्ष के दौरान किया गया। 297 थिक वेब स्विच का प्रावधान, 142 किमी. थ्रू फिटिंग का नवीनीकरण तथा पुलों पर 6105 चैनल स्लीपर का एच-बीम स्लीपर से नवीनीकरण कर सुरक्षित और तेज ट्रेनों के संचालन को सुनिश्चित किया गया। इन कार्यों के पूरा होने के फलस्वरूप अनेक रेल खंडों में सेक्शनल स्पीड बढ़ाई गई है तथा यात्रा सुगम एवं आरामदायक हुई है।

एसआईआर के कार्य में न बरतें लापरवाही

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते मंडलायुक्त अखिलेश सिंह।

अमृत विचार। मण्डलायुक्त बस्ती अखिलेश सिंह ने मंगलवार को शोहरतगढ़ तहसील पर पहुंचकर (एसआईआर) विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से जुड़े कार्यों की गहनता से समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देश के तहत एसआईआर के कार्य में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। 27 मार्च तक प्राप्त फॉर्म 6, 7 व 8 की जांच करते हुए नियमानुसार एप्प पर फीडिंग का कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित किया जायें। बीएलओ किसी भी दशा में कार्य में लापरवाही न बरतें। किसी भी दिशा में कार्य अधूरा न रहे। उन्होंने कहा कि एसआईआर के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर समय से पूर्ण किया जाना है। मण्डलायुक्त ने एसआईआर के तहत मतदाताओं को प्राप्त नोटिस के सापेक्ष सुनवाई के आंकड़े को शत-प्रतिशत पाये जाने पर सन्तोष जताया। उन्होंने एसडीएम शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्रा को निर्देश देते हुए कहा कि एसआईआर कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जायें। समय से सभी कार्य नियमानुसार पूर्ण किये जाएं। किसी प्रकार की गड़बड़ी पर जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी।

गंगा में नाव पर इफ्तार पार्टी पड़ी महंगी 14 युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया

वाराणसी, अमृत विचार। गंगा नदी के बीच नाव पर इफ्तार पार्टी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने नाव पर बैठकर इफ्तार के दौरान चिकन बिरयानी खाई और उसका बचा हुआ हिस्सा गंगा में फेंक दिया। इस घटना के बाद मामला विवाद का विषय बन गया और पुलिस तक पहुंच गया।

इस मामले को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के महानगर अध्यक्ष रजत जायसवाल ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ युवकों ने गंगा नदी के बीच नाव पर बैठकर इफ्तार किया और भोजन के अवशेष नदी में फेंक दिए, जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। शिकायत के साथ घटना से जुड़ा एक वीडियो भी पुलिस को साक्ष्य के रूप में दिया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है और इस पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने 14 युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सभी के खिलाफ कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है। शिकायत में यह भी मांग की गई है कि जिस नाव पर यह घटना हुई, उसके चालक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए और उसका लाइसेंस रद्द किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और हिरासत में लिए गए युवकों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कंटेनर की टक्कर से महिला की हुई मौत, भतीजा घायल

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। गोरखपुर-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर डीघा बाईपास स्थित एक होटल के समीप मंगलवार शाम हुए भीषण सड़क हादसे में 30 वर्षीय महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों गोरखपुर से दवा कराकर बाइक से घर लौट रहे थे। पुलिस ने महिला के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

महुली थाना क्षेत्र के भिनखीनी गांव निवासी श्यामा त्रिपाठी (30) पत्नी अंगद त्रिपाठी का गोरखपुर में इलाज चल रहा था। मंगलवार को वह अपनी बहन के बेटे विशाल त्रिपाठी (22) निवासी बरडांड, थाना खजनी (गोरखपुर) के साथ दवा कराकर बाइक से घर लौट रही थीं। शाम करीब पांच बजे जैसे ही वे दीघा बाईपास के पास पहुंचे, गोरखपुर से लखनऊ की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार कंटेनर ने लापरवाहीपूर्वक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चला रहा विशाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि पीछे बैठी श्यामा त्रिपाठी कंटेनर के पिछले पहिए के नीचे आ गईं।

विरोध | मनरेगा कर्मियों व सरकारी विभागों में कार्यरत छोटे कर्मचारियों को नहीं मिल रहा मानदेय

कांग्रेस ने विकास भवन का घेराव कर सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

विकास भवन पर प्रदर्शन कर ज्ञापन देते कांग्रेस कार्यकर्ता।

अमृत विचार। जनपद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना (मनरेगा) के अन्तर्गत कार्य करने वाले मजदूरों की मजदूरी लम्बे समय से लम्बित है, जिसके कारण गरीब मजदूरों एवं उनके परिवारों को गम्भीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके अतिरिक्त जनपद में कार्यरत ग्राम रोजगार सेवकों एवं अन्य संविदा कर्मियों को भी कई महीनों से उनका मानदेय प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे उनकी स्थिति अत्यन्त दयनीय हो गई है। जिसके क्रम में मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद की अगुवाई में कांग्रेसियों ने जनपद मुख्यालय स्थित विकास भवन का घेराव/प्रदर्शन कर मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह को ज्ञापन दिया। जिलाध्यक्ष काजी सुहेल अहमद ने सीडीओ को ज्ञापन देने के दौरान कहा कि जनपद सिद्धार्थनगर में मनरेगा मजदूरों की लम्बित मजदूरी एवं सम्बन्धित कर्मियों के बकाया मानदेय का अधिकतम 15 दिनों के भीतर भुगतान कराया जायें, ताकि प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत मिल सकें। यदि उपरोक्त समय सीमा के भीतर भुगतान सुनिश्चित नहीं किया जाता है, तो सभी कांग्रेसीजन बाध्य होकर आन्दोलन करने के लिए विवश होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। वहीं सीडीओ को ज्ञापन देने के अवसर पर सतीश चन्द्र त्रिपाठी, रंजना मिश्रा, ओमप्रकाश दूबे, रितेश त्रिपाठी, कृष्ण बहादुर सिंह, रिजवान, शौकत अली, पन्नालाल सहानी, रुखमीना सहानी, राजन श्रीवास्तव, मुकेश कुमार, देवेन्द्र कुमार गुड्डू, अनिल सिंह अन्नू, ऋषिकेश मिश्रा, मैनुद्दीन प्रधान, सिरपत गौड़, सुनील कुमार, जोखन प्रजापति सहित तमाम कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

रेल मंत्री ने संसद में चर्चा का दिया जवाब

नई दिल्ली, अमृत विचार। भारतीय रेलवे में अभूतपूर्व विस्तार और आधुनिकीकरण देखने को मिल रहा है, जिसे केंद्रीय बजट 2026-27 में लगभग 2.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड बजटीय आवंटन से समर्थन मिला है। रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2026-27) पर संसद में हुई चर्चा का जवाब देते हुए, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि रेलवे में एक प्रमुख संरचनात्मक सुधार रेल बजट का आम बजट के साथ विलय था, जिससे तीन बड़े लाभ हुए हैं। उन्होंने भारतीय रेलवे में चल रहे इस बदलाव को धीमी गति से विकास से अति-तीव्र बदलाव की ओर एक बदलाव के रूप में वर्णित किया, जो इस राष्ट्रीय परिवहन सेवा के लिए एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

कूड़े में फंसी डीसीएम में लगी आग

संवाददाता, संतकबीरनगर

डीसीएम में लगी बुझाते फॉयर ब्रिगेड कर्मी। अमृत विचार

अमृत विचार। लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रसूलाबाद के पास मंगलवार को कूड़े के ढेर में धंसी एक डीसीएम में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और वाहन धू-धू कर जलने लगा। सूचना मिलते ही मगहर चौकी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक डीसीएम पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो चुकी थी।

बता दें कि 16 मार्च की सुबह में गोरखपुर से लखनऊ जा रही डीसीएम अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में चली गई थी और सामने से आ रही कार में टक्कर मार दी थी, हादसे में कुशीनगर जिले के खड्डा थाना क्षेत्र निवासी पत्रकार शंभू मिश्रा और नेबुआ-नौरंगिया क्षेत्र के रामनगर पांडेय टोला निवासी यूट्यूबर धनंजय पांडेय की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि रमन कुमार और सुदेश मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे के बाद डीसीएम घटनास्थल के पास ही खड़ी थी। मगहर चौकी इंचार्ज विनोद यादव ने बताया कि वाहन में लीची की शीशी लदी थी और उसकी निगरानी की जा रही थी। मंगलवार करीब 2:50 बजे कूड़े के ढेर से अचानक उठी आग ने डीसीएम को अपनी चपेट में ले लिया।

हरियाणा रास चुनाव : भाजपा के भाटिया, कांग्रेस के बौद्ध निर्वाचित

क्रॉस-वोटिंग होने के चलते बहुत मुश्किल से जीते कांग्रेस प्रत्याशी करमवीर बौद्ध

चंडीगढ़, एजेंसी

भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के करमवीर सिंह बौद्ध को हरियाणा से राज्यसभा के लिए निर्वाचित घोषित किया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रतिष्ठा का सवाल बनी इन दोनों सीटों के लिए मतगणना, गोपनीयता के उल्लंघन के आरोपों के चलते दोनों दलों के बीच विवाद के कारण सोमवार आधी रात के बाद तक हुई। निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल (63) के खिलाफ बौद्ध की जीत आसान नहीं रही क्योंकि क्रॉस-वोटिंग ने कांग्रेस की विजय की आरामदायक स्थिति को झटका दिया।

भाजपा के भाटिया (58) करनाल से पूर्व लोकसभा सदस्य हैं, वहीं बौद्ध (61) हरियाणा सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारी और एक प्रमुख दलित कार्यकर्ता हैं जो वर्तमान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अनुसूचित जाति विभाग के समन्वयक के रूप में सेवा दे रहे हैं। इंडियन नेशनल लोक दल (इनेलो) के दो विधायकों ने मतदान नहीं किया जिससे 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में वैध मतों की संख्या घटकर 88 रह गई। अधिकारियों ने बताया कि पांच वोट अमान्य घोषित किए गए जिनमें चार कांग्रेस के और एक भाजपा का है। इनेलो के नेता अभय सिंह चौटाला और आदित्य देवी लाल ने कहा कि पार्टी ने जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मतदान से दूर रहने का फैसला किया। कांग्रेस और भाजपा द्वारा मतदान की गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग से संपर्क करने के बाद, आयोग ने कांग्रेस विधायक परमवीर सिंह के वोट को अमान्य घोषित कर दिया। भाटिया ने पहली सीट पर आसानी से जीत हासिल की, उन्हें 39 प्रथम वरीयता वोट मिले। दूसरी सीट के लिए हुए मुकाबले में बौद्ध को 28 वोट मिले जबकि निर्दलीय उम्मीदवार नांदल को 16 वोट मिले।

कांग्रेस ने तीन विधायकों को निलंबित किया

भुवनेश्वर। ओडिशा में विपक्षी दल कांग्रेस ने भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार दिलीप राय के पक्ष में मतदान करने और उन्हें राज्यसभा चुनाव जीतने में मदद करने के लिए अपने तीन विधायकों को मंगलवार को निलंबित कर दिया। इन विधायकों में सनाखेमुंडी के रमेश चंद्र जेना, मोहना के दशरथी गोमांगो और बाराबती-कटक की सोफिया फिरदौस शामिल हैं। पार्टी के अनुसार, इन विधायकों ने सोमवार को राज्यसभा चुनाव के दौरान राय के पक्ष में वोट दिया था। उनके निलंबन की घोषणा करते हुए कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, जो लोग कांग्रेस के साथ विश्वासघात करते हैं, वे राष्ट्र के साथ विश्वासघात करते हैं। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अरबिंद दास ने कहा कि उनके कृत्यों की सावधानीपूर्वक समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया और इन कृत्यों को पार्टी के हितों के लिए हानिकारक माना गया। उन्होंने बताया कि पार्टी की इस कार्रवाई की सूचना अध्यक्ष को दी जाएगी।

पुरी की बेटी को एप्स्टीन से जोड़ने वाली सामग्री हटाएं

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी को दोषी अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री को 24 घंटे के भीतर हटाने का मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा ने उपयोगकर्ताओं को सोशल मीडिया मंचों पर ऐसी सामग्री प्रसारित करने से भी रोका। हिमायनी पुरी द्वारा दायर मुकदमे की सुनवाई कर रहीं न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि यदि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता पोस्ट नहीं हटाते हैं, तो मंच ऐसी सामग्री को हटा देंगे या उस (सामग्री) तक पहुंच को अवरुद्ध कर देंगे। अदालत ने कहा कि हिमायनी पुरी के पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला बनता है और यदि अंतरिम राहत नहीं दी गई तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी। उच्च न्यायालय ने कहा कि परिणामस्वरूप, अगली सुनवाई की तारीख तक निम्नलिखित निर्देश जारी किए जाते हैं।

रतन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया

वाराणसी में रतन कुमार गुप्ता स्मृति राष्ट्रीय सेवा सम्मान के तहत 18 प्रतिभाएं सम्मानित

वाराणसी, अमृत विचार। बाबा गणिनाथ भक्त मण्डल की ओर से आयोजित एक भव्य और गरिमामय समारोह में "रतन कुमार गुप्ता स्मृति राष्ट्रीय सेवा सम्मान" के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 18 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मण्डल के राष्ट्रीय संरक्षक राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने चयनित व्यक्तियों को सम्मान प्रदान किया। इस मौके पर वक्ताओं ने स्वर्गीय रतन कुमार गुप्ता के व्यक्तित्व और समाज सेवा में उनके योगदान को याद किया।

समारोह में प्रतिभाओं को सम्मानित करते अतिथिगण।

उन्होंने कहा कि रतन कुमार ने बिना किसी पद या प्रतिष्ठा की चाह के समाज सेवा को अपना जीवन बना लिया था। यही कारण है कि उनकी स्मृति में शुरू किया गया यह सम्मान अब समाज के लिए प्रेरणा बनता जा रहा है। समारोह में उपस्थित गणमान्य अतिथियों ने रतन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। इस सम्मान की शुरुआत वर्ष 2024 में की गई। इस दौरान समारोह में रक्तदान करने वाले लोगों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसमें राजेश गुप्ता "सेंचुरियन" (वाराणसी) ने 115 बार, संतोष मद्धेशिया (देवरिया) ने 24 बार, आशुतोष गुप्ता (वाराणसी) ने 41 बार, मनोज मद्धेशिया (मुंबई) ने 49 बार, अंगद गुप्ता (कसया) ने 51 बार और राकेश गुप्ता (गाजीपुर) ने 60 बार रक्तदान कर समाज सेवा की मिसाल पेश की। वक्ताओं ने कहा कि ये आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि अनगिनत जिंदगियां बचाने का प्रतीक हैं। वहीं सम्मान के लिए तीन सदस्यीय चयन समिति बनाई गई थी, जिसमें डॉ. मनोज कुमार गुप्ता (वरिष्ठ ईएनटी सर्जन, वाराणसी), अर्चना गुप्ता (पूर्व राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष, रांची) और अमरजीत कुमार शाह (प्रदेश अध्यक्ष, गुजरात) शामिल थे। अंत में वक्ताओं ने स्वर्गीय रतन कुमार गुप्ता की पुण्य स्मृति को शत-शत नमन करते हुए समाज सेवा के इस पवित्र अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया गया।

त्यागी ने जनता दल यूनाइटेड से नाता तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) के वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पार्टी छोड़ दी है और अपने भविष्य के कदम को लेकर जल्द फैसला करेंगे। त्यागी समता पार्टी और जनता दल के विलय से अक्टूबर 2003 में अस्तित्व में आई पार्टी जदयू से जुड़े हुए थे। उन्होंने जदयू में मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया था। त्यागी (75) ने कहा कि मैंने पार्टी छोड़ दी है। पूर्व राज्यसभा सदस्य ने कहा कि पार्टी का सदस्यता अभियान समाप्त हो गया है। इस बार मैंने पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण नहीं कराया है।

कार्यालय – उप कृषि निदेशक, सिद्धार्थनगर।

पत्रांक: 3656/कृषि/फार्मर रजिस्ट्री/एग्रीस्टैक योजना/2025–26/ दिनांक: 17.03.2026

फार्मर रजिस्ट्री कराएं अपनी खेती को डिजिटल पहचान दिलाएं

उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जनपद के समस्त किसान भाईयों के लिए फार्मर रजिस्ट्री अभियान चलाया ज रहा है। कृषक बंधु अपनी खतौनी और आधार के माध्यम से डिजिटल पहचान (फार्मर रजिस्ट्री) अवश्य बनवाएं। यह पंजीकरण आपके नजदीकी जनसेवा केंद्र, राजकीय कृषि बीज भंडार या ग्राम पंचायत स्तर पर नियुक्त कर्मचारियों अथवा स्वयं के माध्यम से कराया जा सकता है।

क्र.सं.	फार्मर रजिस्ट्री के फायदे	फार्मर रजिस्ट्री के न होने के नुकसान
1	**पी0एम0 किसान सम्मान निधि योजना** – अगली किस्त का लाभ बिना किसी बाधा के सीधे बैंक खाते में प्राप्त होगा	**योजना के लाभ में बाधा** – भविष्य में पी0एम0 किसान सम्मान निधि की किस्तों पर रोक लग सकती है।
2	**पारदर्शी सब्सिडी** – खाद, बीज और कृषि यंत्रों पर मिलने वाली सब्सिडी सीधे आपके बैंक खाते (डी0बी0टी0) में आएगी।	**सरकारी खरीद में दिक्कत** – धान व गेंहू की सरकारी केन्द्रों पर बिक्री में असुविधा हो सकती है।
3	**आसान कृषि ऋण** – के0सी0सी0 (किसान क्रेडिट कार्ड) बनवाने और बैंक ऋण लेने की प्रक्रिया अत्यन्त सरल हो जाएंगी।	**मुआवजा प्राप्ति में देरी** – दैवीय आपदा या फसल नुकसान की स्थिति में राहत राशि मिलने में कठिनाई होगी।
4	**डिजिटल पहचान** – बार–बार खतौनी या पहचान पत्र देने की जरूरत नही पड़ेगी एक यूनिक आई0डी0 की काफी होगी।	**सत्यापन का झंझट** – प्रत्येक योजना में लिए बार– बार भौतिक सत्यापन (फिजिकल बैरीफिकेशन) कराना होगा।

विशेष नोट– पंजीकरण के लिए अपना आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर और भूमि की खतौनी साथ रखें। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य किसानों को बिचौलियों से बचाना और सरकारी लाभ को सीधे उन तक पहुंचाना है।

(राजेश कुमार) उप कृषि निदेशक सिद्धार्थनगर

(बलराम सिंह) मुख्य विकास अधिकारी सिद्धार्थनगर

(शिवशरणप्पा जी0एन0) जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर

जिला परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, सिद्धार्थनगर।

पृ.सं./13897/2025–26 दिनांक: 17 मार्च, 2026

6–14 वर्ष बर्ग के बच्चों को शिक्षा सुलभ कराने एवं बच्चों का ठहराव विद्यालय पर सुनिश्चित कराने हेतु बेसिक शिक्षा प्रगति के पथ पर अग्रसर

- महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय के पत्र संख्या–आर0टी0ई0/ न0प्र0–02/8056/2025–26 दिनांक 17 जनवरी, 2026 द्वारा प्रदत्त निर्देश द्वारा नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अन्तर्गत अलाभित समूह एवं दुर्बल वर्ग के बच्चों को कक्षा 1/पूर्व प्राथमिक कक्षा में नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12 (1) (ग) के अन्तर्गत गैर सहायतित मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत के अन्तर्गत प्रवेश दिया जाना है जिसके अन्तर्गत–
- आनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये थे जिसमें प्रथम चरण में कुल 557 एवं द्वितीय चरण में 292 छात्रों को विद्यालय आवंटन हुआ है तथा तृतीय चरण में दिनांक 12 मार्च, 2026 से 25 मार्च, 2026 तक आनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है जिसके सापेक्ष लाटरी के माध्यम से रिक्त 25 प्रतिशत सीटों के सापेक्ष विद्यालय आवंटन की कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी ।
- जनपद के 14 विकास खण्डों में मेडिकल कैम्प का आयोजन कराया गया जिसमें चिकित्सकों द्वारा दिव्यांग छात्र–छात्राओं का परीक्षण के उपरान्त दिब्यांगता प्रमाण पत्र निर्गत किया गया ।

(शैलेश कुमार)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सिद्धार्थनगर।

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर।

पत्रांक: बेसिक /अधि0–29334/11117–27/2025–26 दिनांक 16 मार्च, 2026

विज्ञप्ति/सूचना

शासनादेश संख्या: 2651(1)/79–5–12–1 (04)/13, शिक्षा अनुभाग–5 लखनऊ, दिनांक 11.07.2013, शासनादेश संख्या: आई0/1030985/2025, 68–5005(0002)/72/2024 दिनांक 19.07.2025 के क्रम में सचिव, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के पत्र संख्या: बे0शि0प0/22801–896 दिनांक 09.03.2026 के माध्यम से माननीय उच्चतम् न्यायालय नई दिल्ली में योजित डायरी संख्या: 18516/2019 उ0प्र0 राज्य व अन्य बनाम् नीरज कुमार पाण्डेय व अन्य में माननीय न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 29.01.2025 के अनुपालन में जनपद सिद्धार्थनगर को आवंटित अभ्यर्थियों को उच्च प्राथमिक विद्यालयों में गणित / विज्ञान विषय के सहायक अध्यापक के पदों पर चयन/नियुक्ति की कार्यवाही प्रारम्भ किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं। शासनादेश संख्या: 2651 (1)/79–5–12–1 (04)/13, शिक्षा अनुभाग–5 लखनऊ, दिनांक 11.07.2013 में निहित व्यवस्थानुसार गठित समिति के माध्यम से नियुक्ति–पत्र /पदस्थापन की कार्यवाही की जानी है जिस हेतु अध्यक्ष / प्राचार्य, डायट की अनुमोदनोपरान्त दिनांक 18. 03.2026 को जनपद सिद्धार्थनगर को आवंटित अभ्यर्थियों की काउन्सिलिंग/विद्यालय आवंटन का आयोजन किया जायेगा।

माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या–18516/2019 में पारित आदेश दिनांक 29.01.2025 एवं शासनादेश दिनांक 19.07.2025 के अनुपालन में काउन्सिलिंग / अभिलेख परीक्षण हेतु शपथ पत्र का प्रारूप :–

माननीय उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या–18516/2019 में पारित आदेश दिनांक 29.01.2025 एवं शासनादेश दिनांक 19.07.2025 के अनुपालन में मैं ..... पुत्र/पुत्री श्री ..... टी0ई0टी0 रोल नम्बर ..... रजिस्ट्रेशन संख्या ..... (जनपद सिद्धार्थनगर का), मा0 उच्च न्यायालय में योजित रिट याचिका संख्या व नाम ..... वर्ष ..... रिट याचिका में याची क्रमांक ..... विशेष अपील संख्या व नाम ..... वर्ष ..... विशेष अपील में याची क्रमांक ..... मा0 उच्चतम न्यायालय में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या/आई0ए0 संख्या/रिट संख्या व नाम ..... वर्ष ..... विशेष अनुज्ञा याचिका संख्या/आई0ए0 संख्या/रिट संख्या में याची कमांक..... द्वारा द्वारा दिनांक 15.12.2025 के अपरान्ह से दिनांक 24.12.2025 तक ऑनलाइन आमंत्रित निर्धारित प्रारूप पर वांछित सूचना भरी गयी है।

मैं ..... वर्तमान में विभाग/कार्यालय का नाम ..... पदनाम पर दिनांक ..... से अद्यतन कार्यरत हूँ तथा मेरे द्वारा निर्धारित प्रक्रियानुसार सम्बन्धित विभाग से एन0ओ0सी0 (अनापत्ति प्रमाण पत्र) प्राप्त किया गया है। मेरे द्वारा सूचना प्रपत्र में भरी गयी समस्त सूचनाएं मेरे संज्ञान में सही एवं सत्य हैं। मेरे पास समस्त शैक्षिक/प्रशिक्षण व अन्य अभिलेख शासनादेश संख्या–2651 (1)/79–5–12–1(04)/13 दिनांक 11 जुलाई, 2013 के क्रम में उपलब्ध है।

काउन्सिलिंग/अभिलेख परीक्षण में प्रस्तुत किये जाने वाले अभिलेख (हार्ड फाइल कवर में संरक्षित करते हुए, जिस पर याची का नाम, पिता का नाम, टी0ई0टी0 अनुक्रमांक, मोबाइल नम्बर एवं याचिका संख्या व याची क्रमांक अंकित किया जाना है) निम्नलिखित है–

1. दिनांक 15.12.2025 के अपरान्ह से दिनांक 24.12.2025 तक ऑनलाइन आमंत्रित निर्धारित प्रारूप पर सचिव, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज को प्राप्त करायी गयी वांछित सूचना प्रपत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति।
2. रजिस्ट्रेशन / आवेदन पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति (शासनादेश दिनांक 11 जुलाई 2013 के क्रम में)।
3. शुल्क जमा करने का साक्ष्य।
4. समस्त शैक्षिक/प्रशिक्षण अभिलेख की स्वप्रमाणित छायाप्रति एवं मूल प्रति। (शासनादेश दिनांक 11 जुलाई 2013 के क्रम में)
5. जाति प्रमाण पत्र / निवास प्रमाण पत्र / विशेष आरक्षण से सम्बन्धित सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति। (शासनादेश दिनांक 11 जुलाई 2013 के क्रम में)
6. मा0 उच्च न्यायालय में योजित रिट याचिका / विशेष अपील / मा0 उच्चतम न्यायालय में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका/आई0ए0/रिट याचिका की प्रमाणित प्रति की स्वप्रमाणित छायाप्रति ।
7. वर्तमान में जिस विभाग में कार्यरत है से निर्गत / प्राप्त एन0ओ0सी0 (अनापत्ति प्रमाण पत्र) की स्वप्रमाणित छायाप्रति।

उपरोक्त पत्र दिनांक 09.03.2026 के माध्यम से जनपद सिद्धार्थनगर को आवंटित अभ्यर्थियों की सूची निम्नवत् है–

S.NO.	REGISTRATION NO.	APPLICANT'S NAME	FATHER'S NAME	ALLOTED DISTRICT
45	4500004739	AKHILESH KUMAR YADAV	RAM DULAR YADAV	SIDDHARTHANAGAR
99	5700143170	ANIL KUMAR YADAV	RAM BUJHARAT YADAV	SIDDHARTHANAGAR
273	5300161668	DHARMENDRA KUMAR	RAM KALESH	SIDDHARTHANAGAR
316	5800019059	GYAN DEV MAURYA	RAM DIN MAURYA	SIDDHARTHANAGAR
525	5800206723	MOHD BILAL AHMAD	KALIM AHMAD	SIDDHARTHANAGAR
780	0900100400	RAMKUMAR	GAJADHAR PRASAD	SIDDHARTHANAGAR

उपरोक्त सत्यापन प्रक्रिया / काउन्सिलिंग को सम्पन्न कराने हेतु श्री महेन्द्र प्रसाद, खण्ड शिक्षा अधिकारी, भनवापुर, श्री संजय कुमार, खण्ड शिक्षा अधिकारी शोहरतगढ़ एवं पटल सहायक / वरिष्ठ सहायक श्री मुकुल मिश्र को नामित करते हुए निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त अभ्यर्थियों की काउन्सिलिंग कराते हुए आख्या अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे, जिससे अग्रेत्तर कार्यवाही की जा सके।

(शैलेश कुमार)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सिद्धार्थनगर।

अमृत विचार

बुधवार, 18 मार्च 2026

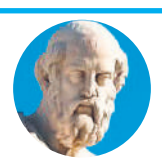

मैं वास्तव में केवल अपनी अज्ञानता की सीमा को ही जानता हूं।
–प्लेटो, दार्शनिक

विपक्ष का बिखराव

बिहार, ओडिशा और हरियाणा में हुए हालिया राज्यसभा चुनावों ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि विपक्षी एकजुटता अभी भी कागज़ी ज्यादा और ज़मीनी कम है। महागठबंधन और व्यापक विपक्षी मोर्चे की जो छवि प्रस्तुत की जाती रही है, उसमें दरारें खुलकर सामने आ गईं। विपक्ष अगर एकजुट रहता तो उसे एक-दो अतिरिक्त सीटें अवश्य मिल सकती थीं। क्रॉस वोटिंग और रणनीतिक चूक ने विपक्ष को नुकसान पहुंचाया। विशेषकर ओडिशा में कांग्रेस के विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग और बीजद के भीतर भी अनुशासनहीनता यह दिखाती है कि विपक्षी दलों के भीतर संगठनात्मक कमजोरी गहरी है।

कांग्रेस की रणनीति में शिथिलता के पीछे कई कारण दिखाई देते हैं- स्थानीय नेतृत्व की कमजोरी, विधायकों पर नियंत्रण की कमी और चुनावी गणित का सही आकलन न कर पाना। इसके विपरीत भाजपा ने महीनों पहले से तैयारी कर, अपने उम्मीदवारों की संख्या, समर्थन और संभावित क्रॉस वोटिंग की संभावनाओं का सूक्ष्म आकलन किया। यही कारण है कि सीमित संख्या में विधायकों के बावजूद उसने अपेक्षा से अधिक सफलता प्राप्त की। ओडिशा में इस चुनाव ने संकेत दिया कि बीजद के भीतर दरारें उभर रही हैं, हालांकि पटनायक का हार्स ट्रेडिंग का आरोप राजनीतिक बयानबाजी ज्यादा है, परंतु क्रॉस वोटिंग की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि दलों के भीतर अनुशासन पूर्ववत नहीं रहा। एनडीए के खाते में 22 सीटों का जाना और विपक्ष के हिस्से में सात सीटों की कमी राज्यसभा की गणित को स्पष्ट रूप से सत्ता पक्ष के पक्ष में झुका देता है। इससे सरकार को विधायी कार्यों में अपेक्षाकृत कम बाधा का सामना करना पड़ेगा। महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने में अब विपक्ष की भूमिका सीमित होती दिखेगी। भाजपा की यह सफलता केवल चुनावी प्रबंधन का परिणाम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति का संकेत भी है। इन परिणामों को आगामी चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों से जोड़ा कर भी देखा जाना उचित होगा। राज्यसभा के चुनावों ने यह संकेत दिया है कि विपक्ष की अंदरूनी कमजोरी अभी भी बनी हुई है, जबकि सत्तापक्ष अपनी रणनीतियों में पर्याप्त सफलता पा रहा है। इससे चुनावों में सत्ता पक्ष का मनोबल बढ़ेगा, लेकिन विधानसभा चुनावों में अंतिम निर्णय मतदाता स्थानीय मुद्दों के आधार पर ही करेंगे। साढ़े सत्रह करोड़ मतदाताओं के इस चुनावी महासमर में जो दल बेहतर संगठन, स्पष्ट नेतृत्व और ठोस मुद्दों के साथ मैदान में उतरेंगे, वही सफलता प्राप्त करेंगे। इन राज्यों से लोकसभा और राज्यसभा के पर्याप्त सदस्य आते हैं, इसलिए यहां की जीत भविष्य के राष्ट्रीय समीकरणों को भी प्रभावित कर सकती है। जहां तक उपचुनावों का प्रश्न है, गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा की आठ सीटों के परिणाम सीमित प्रभाव वाले होंगे, परंतु वे राजनीतिक रुझानों का संकेत अवश्य देंगे।

कुल मिलाकर राज्यसभा चुनावों ने विपक्ष के लिए यह स्पष्ट संदेश दिया है कि सिर्फ गठबंधन बना लेना पर्याप्त नहीं, उसे जमीन पर प्रभावी भी बनाना होगा। वहीं सत्ता पक्ष के लिए यह अवसर है, लेकिन उसे भी यह समझना होगा कि लोकतंत्र में अंतिम और कारसाज निर्णय हमेशा जनता के हाथ में होता है।

प्रसंगवश

कृषि देश में बीज का इंतजार करती महिला किसान

भारत को कृषि प्रधान देश के रूप में ही देखा जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि यहां सबसे अधिक कठिनाई किसानों को ही होती है। कभी सूखा तो कभी बाढ़ और कभी बीज तो कभी मार्केट की समस्या उनके साथ लगी ही रहती है। बात जब महिला किसानों की आती है, तो यह समस्या और भी अधिक बढ़ जाती है। देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं, जहां महिला किसानों को सबसे अधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गांव की लगभग हर महिला किसान की कहानी ऐसी ही है। खेत तैयार होने के बाद अगर बीज समय पर न मिले, तो पूरा खेती का चक्र बिगड़ जाता है।

बिहार में कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। राज्य की लगभग 76 प्रतिशत आबादी किसी न किसी रूप में खेती पर निर्भर है। राज्य में करीब 56 लाख हेक्टेयर भूमि पर खेती होती है और धान, गेहूं और मक्का प्रमुख फसलें हैं। बिहार में धान का उत्पादन लगभग 99.34 लाख टन, गेहूं 78.27 लाख टन और मक्का 66.03 लाख टन के आसपास है। खेती का यह मजबूत ढांचा छोटे किसानों विशेषकर महिला किसानों की परेशानियों को हमेशा हल नहीं कर पाता। उत्तर बिहार के इलाके हर साल बाढ़ से भी प्रभावित होते हैं। मौसम की अनिश्चितता भी खेती के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में बारिश का पैटर्न भी बदल रहा है, जिससे खरीफ फसलों पर असर पड़ता है।

साक्षी कुमारी
एक्टिविस्ट

बिहार की प्रति व्यक्ति आय देश के औसत से काफी कम रही है, जिससे ग्रामीण इलाकों में रहने वाले किसानों की आय सीमित बनी रहती है। जब खेती पर निर्भर परिवारों की आय कम होती है और खेती से जुड़े संसाधन समय पर नहीं मिलते, तब सबसे अधिक बोझ महिलाओं पर पड़ता है। वे खेत में काम करती हैं, घर संभालती हैं और परिवार की जिम्मेदारी भी उठाती हैं, लेकिन खेती से जुड़ी योजनाओं और संसाधनों तक उनकी पहुंच अभी भी सीमित है। ऐसे में अगर इन महिला किसानों की स्थिति को बेहतर बनाना है, तो कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

सबसे पहले गांव स्तर पर बीज वितरण की ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे किसानों को समय पर और उचित कीमत पर बीज मिल सके। पंचायत स्तर पर बीज बैंक बनाए जा सकते हैं, जहां किसान जरूरत के समय बीज प्राप्त कर सकें। दूसरा, महिला किसानों के लिए स्वयं सहायता समूहों और किसान उत्पादक संगठनों को मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि वे सामूहिक रूप से बीज और अन्य कृषि संसाधन खरीद सकें। इससे लागत कम होगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। तीसरा, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए ऐसी फसल किस्मों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जो कम समय में तैयार हो जाएं और मौसम की अनिश्चितता को सहन कर सकें। इसके साथ ही कृषि विभाग को गांवों में नियमित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम चलाने चाहिए ताकि महिला किसान आधुनिक खेती के तरीकों से जुड़ सकें।

महिलाएं हर साल अपने खेतों में उम्मीद बोती हैं, लेकिन यह उम्मीद तभी हकीकत बन सकती है जब उन्हें सही समय पर सही संसाधन मिलें। समय पर बीज मिलना सिर्फ खेती की जरूरत नहीं है, बल्कि उन परिवारों के जीवन को स्थिर करने का रास्ता भी है जिनकी दुनिया खेत की मेड़ों से शुरू होकर वहीं खत्म होती है। अगर नीति और व्यवस्था इन महिलाओं की मेहनत के साथ खड़ी हो जाए, तो मुजफ्फरपुर की मिट्टी सिर्फ फसल ही नहीं बल्कि हजारों परिवारों की बेहतर जिंदगी भी उगा सकती है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं)

पश्चिम एशिया की तबाही का जिम्मेदार कौन!

अरविंद जयतिलक
लेखक

ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध ने एक बार फिर पश्चिम एशिया को संकट में डाल दिया है। सच कहें तो पश्चिम एशिया ही नहीं बल्कि आज पूरी दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर आ गई है। इस युद्ध में हजारों लोग काल-कवलित हो चुके हैं और खरबों की संपत्ति नष्ट हो चुकी है। हर दिन युद्ध की आग बढ़ती जा रही है। खाड़ी के सभी 17 देश युद्ध की आग की ताप से हलकान हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से दुनिया भर में तेल का संकट गहरा गया है। सवाल यह है कि पश्चिम एशिया को आग में झोंकने वाला खलनायक कौन है?

समझ से परे है कि जब ईरान समझौते के मुताबिक वर्ष 2025 तक अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत अधिक सीमित करने की दिशा में लगातार अग्रसर था, फिर उसे उकसाने की जरुरत क्यों आन पड़ी? किसी से छिपा नहीं है कि ईरान और बाइडन सरकार ने 2015 के समझौते को नए सिरे से आकार देने की कोशिश की थी। क्या डोनाल्ड ट्रंप उस समझौते को आगे नहीं बढ़ा सकते थे? लेकिन उन्होंने ऐसा न कर वार्ता को बर्फखाने में डाल दिया। आज की तारीख में ऐसा कोई कारण नहीं था कि ईरान पर हमला बोलकर युद्ध को निमंत्रण दिया जाए। जिस तरह डोनाल्ड ट्रप ने इजरायल का साथ देते हुए ईरान पर हमला बोलकर वहां के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खोमनेई समेत शीर्ष नेताओं को खत्म किया है, उससे फिर जंग की आग को रोक पाना कहां तक संभव था।

गौर करें तो इजरायल कतई नहीं चाहता था कि अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु समझौते पर कोई सहमति बने। याद होगा 2015 से पहले जब ईरान का अमेरिका समेत अन्य शक्तिशाली देशों के साथ परमाणु समझौता हुआ था, तब भी इजरायल ने इसे ऐतिहासिक गलती करार दिया था। दरअसल इजरायल इस नतीजे पर था कि ईरान के साथ पुराने समझौते को अमलीजामा पहनाना एक किस्म से तेहरान को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने जैसा होगा। इजरायल वार्ता के विरोध में नहीं था, लेकिन वह चाहता था कि मौजूदा समझौता 2015 के समझौते से बेहतर हो। 2015 के समझौते के मुताबिक अगले डेढ़ दशक में ईरान की परमाणु गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध समाप्त हो जाने का प्रावधान था, जिसे लेकर इजरायल, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने नाखुशी जाहिर की थी, लेकिन अब वार्ता ठंडे बस्ते में है और उसकी जगह गोले और बम बरस रहे हैं। एक-दूसरे को खत्म करने के इरादे बुलंद किए जा रहे हैं। जिस तरह ईरान द्वारा अमेरिका-इजरायल के अलावा खाड़ी के अमेरिकी समर्थन वाले देशों को निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि हालात और बदतर होंगे।

ऐसा नहीं है कि इस युद्ध को रोका नहीं जा सकता था। अगर ईरान और अमेरिका वार्ता जारी रखते तो इस युद्ध को आसानी से टाला जा सकता था। थोड़ा अतीत में जाएं, तो पहले भी कई बार जंग की स्थिति बन चुकी थी, लेकिन पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के आखिरी कार्यकाल में अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु डील होने के बाद स्थिति संभल गई। तब परमाणु डील के बाद अमेरिका ने ईरान को खाद्य और फर्मास्युटिकल क्षेत्र में व्यापार की अनुमति दे दी थी। प्रतिबंध हटते ही ईरान को वैश्विक क्षितिज पर उड़ान भरने का मौका मिल गया था। अपने पुनर्निर्माण के लिए खुलकर कच्चा तेल बेचने के साथ विदेशी बैंकों में जमा 100 अरब डॉलर की जब्त संपत्तियों का भी उपभोग करने लगा, हालांकि एक नए घटनाक्रम में अमेरिका ने ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण को लेकर उसके विरुद्ध कड़ा कदम उठाते हुए इस कार्यक्रम से जुड़ी 11 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अमेरिका ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के साथ लगातार आंख-मिचौली करता रहा है। 1950 में आइजन हावर प्रशासन के 'एटम फॉर पीस' कार्यक्रम के तहत पहली बार ईरान को सहायता मिली, लेकिन 1979 में अयातुल्ला खुमैनी द्वारा शाह शासन द्वारा प्रारंभ किए गए सभी नाभिकीय उर्जा संयंत्रों एवं परियाजनाओं को निरस्त कर दिया गया। यह वह समय था जब ईरान की इस्लामिक क्रांति उफान पर थी और शहरों में तेल के पैसों से समृद्धि थी, लेकिन गांवों में गरीबी दहाड़ मार रही थी।

आधुनिकीकरण के हिमायती शाह को ईरान की जनता पश्चिमी देशों की पिठ्ठू के रूप में देखने लगी। 1979 में अभूतपूर्व हिंसक प्रदर्शन हुए और अमेरिकी दूतावास को घेर लिया गया। शाह के समर्थकों और जनता के बीच संघर्ष चलता रहा और अंततः ईरान एक इस्लामिक गणराज्य बन गया। इराक युद्ध एवं सद्दाम हुसैन के दृष्टिकोण के कारण ईरान अपने नाभिकीय कार्यक्रम पर विचार के लिए बाध्य हुआ और वे 4500 नाभिकीय वैज्ञानिक जो इस्लामिक क्रांति के दौरान देश छोड़कर जा चुके थे, में से 80 फीसद को वापस बुला लिया गया।

1986 में तेहरान द्वारा नाभिकीय सुविधाएं स्थापित करने में सहायता के अनुरोध पर पाकिस्तान के अणु बम के जनक और बदनाम वैज्ञानिक एक्यू खान का ईरान दौरा हुआ और 1991 में इराक की पराजय ने ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के संकल्प को और मजबूती दे दी। अमेरिका की ईरान पर भौंहे तब तनीं जब 1995 में ईरान ने रूस के साथ क्रांति के उपरांत रद्द हुए बुशेर नाभिकीय रिएक्टर को स्थापित करने के लिए 800 मिलियन डॉलर का समझौता किया।

यह समझौता अमेरिका को बेहद नागवार गुजरा। ईरान के लिए संकट तब खड़ा हुआ जब ईरान विरोधी मुजाहिदीन खल्क संगठन ने दुनिया को यह जानकारी दी कि ईरान नातांज में यूरेनियम संवर्धन संयंत्र एवं अराक में भारी जल उत्पाद संयंत्र बिना अंतर्राष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (आईएईए) की जानकारी के स्थापित कर चुका है। 2003 में 'ऑपरेशन इराक फ्रीडम' से ठीक पहले आईएईए द्वारा उसके नाभिकीय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। दबाव स्वरूप ईरान ने यूरोपीय यूनियन के साथ परमाणु ईंधन चक्र गतिविधियों को निलंबित करने का समझौता किया फिर भी बात नहीं बनी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

जब ईरान समझौते के मुताबिक वर्ष 2025 तक अपने परमाणु कार्यक्रम को बहुत अधिक सीमित करने की दिशा में लगातार अग्रसर था, फिर उसे उकसाने की जरूरत क्यों आन पड़ी?

आमने

यह कांग्रेस के लिए आसान चुनाव नहीं था, लेकिन पार्टी ने बड़ी चुनौती को पार कर लिया है। बीजेपी ने चुनाव में 'वोट चोरी' की कोशिश की, लेकिन वह कांग्रेस उम्मीदवार को हराने में सफल नहीं हो पाई। क्रॉस वोटिंग वाले विधायक अब जनता के सामने उजागर हो चुके हैं।

–भूपेंद्र सिंह हुड्डा
नेता विपक्ष, हरियाणा

सामने

कांग्रेस को अपने ही विधायकों पर भरोसा नहीं है, इसलिए उन्हें एक तरह से 'बंधक' बनाकर रखा गया। कांग्रेस के बड़े नेता खुद पोलिंग एजेंट बने, जो यह दिखाता है कि पार्टी के अंदर विश्वास की कमी है। इस चुनाव में INLD ने अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस का समर्थन किया।

–नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा

कैसा होगा भविष्य का ऊर्जा परिदृश्य

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

विश्व परमाणु उद्योग स्थिति रिपोर्ट के ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की ऊर्जा दिशा निर्णायक रूप से बदल चुकी है। बीते पच्चीस वर्षों से परमाणु ऊर्जा उद्योग लगभग ठहराव की स्थिति में है, वहीं नवीकरणीय ऊर्जा उसी अवधि में तेज़ी से आगे बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में पूरी दुनिया में, जहां केवल 4.4 गीगावॉट नई परमाणु क्षमता का विस्तार हुआ है, वहीं सौर और पवन ऊर्जा में लगभग 793 गीगावॉट की वृद्धि हुई। ये आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक ऊर्जा नीति और निवेश की दिशा अब किस ओर मुड़ चुकी है। परमाणु ऊर्जा, जिसे कभी आधुनिकता और प्रगति का प्रतीक माना गया था, अब धीरे-धीरे हाशिये पर जा रही है। इसके उलट अक्षय ऊर्जा न केवल ऊर्जा उत्पादन का प्रमुख स्रोत बनती जा रही है, बल्कि वह एक नई सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक दिशा का प्रतिनिधित्व कर रही है।

रिपोर्ट यह भी इंगित करती है कि परमाणु रिएक्टर बनाने वाले देशों की संख्या तेज़ी से घट रही है। पिछले दो वर्षों में यह संख्या 16 से घटकर 11 रह गई है। कई देशों ने या तो अपने अंतिम निर्माण परियोजना पूरी कर ली हैं या फिर नई परियोजनाओं को स्थगित कर दिया है। फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका जैसे देशों ने अपने आख़िरी निर्माण प्रोजेक्ट पूरे कर लिए हैं। वहीं अर्जेंटीना, ब्राज़ील और जापान ने निर्माण कार्यों को या तो रोक दिया है, या पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इन सबके बीच केवल पाकिस्तान ऐसा देश है, जो हाल के वर्षों में इस सूची में नया नाम बनकर उभरा है।

आज दुनिया में 31 देश ऐसे हैं, जहां व्यावसायिक रूप से परमाणु बिजलीघर संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनमें से भी केवल आठ देश ही नए रिएक्टर बना रहे हैं। इसके अलावा तीन देश बांग्लादेश, मिस्र और तुर्किये पहली बार अपने यहां परमाणु रिएक्टर बना रहे हैं। गौरतलब है कि इन तीनों देशों में यह काम रूसी परमाणु उद्योग की सहायता से हो रहा है।

शोधकर्ताओं का विश्लेषण बताता है कि वर्ष 2025 परमाणु उद्योग के लिए एक और निराशाजनक वर्ष रहा। जिस समय दुनिया जलवायु संकट से जूझ रही है और स्वच्छ ऊर्जा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है, उस समय परमाणु ऊर्जा अपेक्षित भूमिका निभाने में असफल रही है। वर्ष में दुनिया भर में केवल चार नए रिएक्टर चालू हुए, जबकि सात रिएक्टर स्थायी रूप से बंद कर दिए गए।

आज वैश्विक स्तर पर केवल 404 परमाणु रिएक्टर ही संचालित हैं, जो 2002 के 438 से काफी कम हैं। परमाणु ऊर्जा की हिस्सेदारी वैश्विक बिजली उत्पादन में घटकर नौ फीसद रह गई है, जबकि 1996 में यह 17.5 प्रतिशत थी। यह गिरावट बताती है कि परमाणु ऊर्जा न केवल विस्तार में पीछे छूट रही है, बल्कि अपने ऐतिहासिक प्रभुत्व को भी खोती जा रही है। आमतौर पर परमाणु संयंत्र को बनने में दस से पंद्रह साल लगते हैं और लागत अक्सर शुरुआती अनुमान से दोगुनी-तिगुनी हो जाती है।

परमाणु ऊर्जा केवल ऊर्जा उत्पादन का प्रश्न नहीं है, वह हमेशा से वैश्विक राजनीति, सैन्य शक्ति और सुरक्षा चिंताओं से भी जुड़ी रही है। यही कारण है कि जब भी किसी क्षेत्र में युद्ध या तनाव की स्थिति बनती है, तो परमाणु संयंत्र सबसे अधिक जोखिम वाले ठिकानों में गिने जाते हैं। वे स्थिर लक्ष्य होते हैं, जिन पर हमला केवल एक देश ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है।

चेर्नोबिल और फुकुशिमा जैसी आपदाएँ बताती हैं कि एक दुर्घटना पूरे देश और कई पीढ़ियों को प्रभावित कर सकती है। लेकिन आज यह खतरा केवल तकनीकी या प्राकृतिक आपदा तक सीमित नहीं रह गया है। इतिहास गवाह है कि परमाणु संयंत्रों पर सैन्य हमले कोई नई बात नहीं हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध ने इस खतरे को अभूतपूर्व रूप से उजागर कर दिया है। इज़राइल द्वारा इराक और सीरिया के परमाणु ठिकानों पर हमले, ईरान-इराक युद्ध में परमाणु सुविधाओं को निशाना बनाना और अमेरिका द्वारा इराक के शोध रिएक्टर को नष्ट करना, वहीं यूक्रेन का ज़ापोरिज़्झिया परमाणु संयंत्र, जो यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र है, आज भीषण सैन्य तनाव के बीच खड़ा है। ये सभी उदाहरण बताते हैं कि शांतिपूर्ण परमाणु हमेशा सैन्य राजनीति की छाया में रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने इस स्थिति को अत्यंत नाजुक और अस्थिर बताया है। वर्ष 2025 में चेर्नोबिल के क्षतिग्रस्त चौथे रिएक्टर के ऊपर बने सुरक्षा गुंबद पर एक ड्रोन हमले ने गंभीर नुकसान पहुंचाया था। यह घटना बताती है कि दशकों पुरानी परमाणु आपदाएं भी आज के युद्धों में दोबारा खतरे में पड़ सकती हैं। इसके अलावा यूक्रेन में कम से कम 10 बार ऐसे सब-स्टेशनों पर हमले हुए, जो परमाणु संयंत्रों को बिजली आपूर्ति करते हैं। उर्जा एंजेसी के अनुसार ये सब-स्टेशन परमाणु सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से रिएक्टरों को ठंडा रखने और अन्य सुरक्षा प्रणालियां चलाने के लिए बिजली मिलती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

ताज़ा आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की ऊर्जा दिशा निर्णायक रूप से बदल चुकी है। बीते 25 वर्षों से परमाणु ऊर्जा उद्योग लगभग ठहराव की स्थिति में है।

सोशल फोरम

खुश होने में भी लगे डर

क्या आपको कभी ऐसा महसूस हुआ है कि किसी बहुत अच्छी खबर के मिलते ही मन में एक अजीब सा डर बैठ गया हो? जैसे ही आप खुलकर हंसते हैं, वैसे ही अचानक ख्याल आता है कि कहीं अब कुछ बुरा न हो जाए। विज्ञान की दुनिया में इस स्थिति को 'चेरोफोबिया' कहा जाता है। यह कोई साधारण वहम नहीं, बल्कि एक गहरा मनोवैज्ञानिक डर है।

ब्रह्मांड ज्ञान
ब्लॉगर

इसके पीछे का असली विज्ञान हमारे दिमाग के 'कंडीशनिंग' पैटर्न में छिपा है। जब किसी व्यक्ति के अतीत में खुशी के ठीक बाद कोई दुखद घटना घटी होती है, तो उसका मस्तिष्क खुशी और दर्द के बीच एक गलत संबंध बना लेता है। दिमाग को लगने लगता है कि खुशी दरअसल आने वाली किसी मुसीबत का संकेत है। मनोवैज्ञानिक इसे एक सुरक्षा तंत्र की तरह देखते हैं, जहां इंसान खुद को आने वाले संभावित दुख से बचाने के लिए खुश होने से ही कतराने लगता है।

यह डर अक्सर उन लोगों में ज्यादा देखा जाता है, जो स्वभाव से बहुत पूर्णतावादी होते हैं या जिन्हें लगता है कि वे खुशी के हकदार नहीं हैं, हालांकि विज्ञान कहता है कि ब्रह्मांड की घटनाओं का आपके हंसने या खुश होने से कोई सीधा संबंध नहीं है। खुश रहना आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही जरूरी है, जितना शरीर के लिए ऑक्सीजन। इस डर को सही थेरेपी और सकारात्मक सोच के जरिए बदला जा सकता है, ताकि आप बिना किसी अपराधबोध के अपने खूबसूरत पलों का आनंद ले सकें।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

जंग खुद ही एक मसला है वो क्या मसलों का हल देगी

साहिर लुधियानवी का शेर है-

जंग तो ख़ुद ही एक मसअला है
जंग क्या मसअलों का हल देगी,
इस लिए ऐ शरीफ़ इंसानो
जंग टलती रहे तो बेहतर है
आप और हम सभी के आंगन में
शमअ जलती रहे तो बेहतर है

इन पंक्तियों में छिपा संदेश आज की दुनिया के लिए बेहद प्रासंगिक है। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं बन पाया। आज जब दुनिया के कई हिस्सों में तनाव और संघर्ष की स्थिति बनती दिखाई देती है, तब यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या युद्ध सचमुच समस्याओं का हल है?

निज़ाम जिलानी
लेखक

सच्चाई यह है कि युद्ध में जीतने वाला भी अंततः हार ही जाता है, क्योंकि उसमें इंसानियत हारती है। युद्ध केवल विनाश, पीड़ा और अस्थिरता को जन्म देता है। मानव सभ्यता ने जितनी तरक्की विज्ञान, शिक्षा और संवाद के माध्यम से हासिल की है, उससे कहीं अधिक नुकसान युद्धों ने पहुंचाया है। उल्टा, वह अपने साथ नई समस्याओं का ऐसा सिलसिला छोड़ जाती है, जो पीढ़ियों तक समाज को ज़ख्म देता रहता है।

इंसानों ने जो कुछ भी बनाया है शहर, संस्कृतियां, ज्ञान और मानवीय रिश्ते उन्हें नष्ट करने के लिए युद्ध का एक दौर ही काफी होता है। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि हर युद्ध के बाद लोगों के टूटे हुए घर, बिखरे हुए परिवार और अधूरे सपने ही पीछे रह जाते हैं। जीत और हार के आंकड़े भले ही कागजों में दर्ज हो जाते हैं, लेकिन असली हार इंसानियत की होती है। विडंबना यह है कि हर युद्ध किसी न किसी बड़े आदर्श, सुरक्षा या सम्मान के नाम पर शुरू होता है। राष्ट्रवाद, सीमा सुरक्षा या राजनीतिक वर्चस्व के नाम पर युद्ध की आग भड़काई जाती है, लेकिन जब धूल बैठती है, तब सामने आता है- विनाश का वह भयावह सच, जिससे लाखों लोग विस्थापित हो चुके होते हैं, अनगिनत परिवार अपने परिवारों को खो चुके होते हैं और समाज में नफरत और अविश्वास की गहरी दरारें बन चुकी होती हैं।

आज का समय पहले से कहीं अधिक संवेदनशील है। तकनीक और हथियारों की शक्ति इतनी बढ़ चुकी है कि एक बड़े युद्ध की कल्पना ही मानव सभ्यता के लिए खतरा बन सकती है। परमाणु हथियारों और अत्याधुनिक सैन्य तकनीकों के इस दौर में कोई भी बड़ा संघर्ष, सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया को उसकी कीमत चुकानी पड़ सकती है। दुनिया पहले ही अनेकों गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है। गरीबी, बेरोजगारी, जलवायु परिवर्तन, महामारी और सामाजिक असमानता जैसी तमाम समस्याएं बहुत से देशों के सामने खड़ी हैं। इन समस्याओं के समाधान के लिए सहयोग और संसाधनों की जरूरत है, लेकिन जब राष्ट्र युद्ध और टकराव की राह पकड़ लेते हैं, तब वही संसाधन हथियारों और सैन्य तैयारियों में खर्च होने लगते हैं, जिसका परिणाम यह होता है कि असली समस्याएं पीछे छूट जाती हैं और दुनिया एक नए संकट की ओर बढ़ने लगती है।

इतिहास यह भी सिखाता है कि जिन समाजों ने संवाद और कूटनीति को अपनाया, उन्होंने स्थायी शांति और विकास हासिल किया। युद्ध की तुलना में बातचीत और समझौता हमेशा अधिक कठिन रास्ता लगता है, क्योंकि उसमें धैर्य, संयम और दूरदर्शिता की जरूरत होती है, लेकिन यही रास्ता अंततः टिकाऊ समाधान देता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

डिजिटल और ग्लोबल हुआ लोक गीत-संगीत

भले ही आज की युवा पीढ़ी के बड़े हिस्से को लोक गीत और संगीत उबाऊ, बेमानी और उसके प्रशंसक दिखावटी लगते हों, लेकिन यह भी सच है कि युवाओं की ही तमाम टोलियां लोक गीत-संगीत को सांस्कृतिक धरोहर मानकर आधुनिकता का नया आयाम देने में जुटी हैं। उनके इन प्रयास से पारंपरिक धुनें, डिजिटल तकनीक और फ्यूजन के साथ मिलकर नए-नए रूप में सामने आ रही हैं। गिटार, ड्रम तथा सिंथेसाइजर जैसे वाद्ययंत्रों का इस्तेमाल करके युवाओं की यह कोशिश देशज गीत-संगीत को क्षेत्रीय संस्कृति से आगे बढ़ाकर वैश्विक मंच प्रदान कर रही है। *-मनोज त्रिपाठी, कानपुर*

नवाचार के मिलन की प्रक्रिया

लोक गीत-संगीत किसी भी क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान में विशिष्ट भूमिका निभाते हैं। वास्तव में यह उस इलाके में रहने वाले आम लोगों के रीति-रिवाजों, परंपराओं और दैनिक जीवन की कहानियों को भावनाओं और संवेदनाओं के सुरों में पिरोकर अप्रतिम झांकी प्रस्तुत करते हैं। इस तरह समय के साथ अधिकतर लोकगीत युद्ध, समुदाय, रीति-रिवाज, परंपरा, संस्कार और अनुष्ठान की पिछली घटनाओं के न सिर्फ साक्ष्य जैसे हैं, बल्कि उस क्षेत्र की जलवायु, भौगोलिक स्वरूप, लोगों के मिजाज, बोली और रहन-सहन जैसे पहलुओं को समझने का दस्तावेज भी हैं। वर्तमान में भारत का लोक संगीत समय के बदलाव के साथ लोक गीत और नवाचार के मिलन की प्रक्रिया से गुजर रहा है। इसमें पारंपरिक लोक संगीत को आधुनिकता, तकनीक और नए वाद्ययंत्रों जैसे गिटार, सिंथेसाइजर के साथ जोड़कर प्रस्तुत करने के प्रयोग देखे जा रहे हैं। इस मिश्रण ने लोक परंपराओं को युवा पीढ़ी से जोड़ने के साथ सुफियाना लोक रॉक जैसे नए रूपों को विकसित किया है।

पारंपरिक लोक धुनों की नई विधा रॉक या इलेक्ट्रो

पारंपरिक लोक धुनों को आधुनिक वाद्ययंत्रों और रॉक, पॉप या जैज जैसी पश्चिमी शैलियों के साथ मिलाकर 'फोल्क-रॉक' या 'इलेक्ट्रो-फोल्क' जैसी नई विधाएं तैयार की जा रही हैं। उदाहरण के लिए सूफी फोल्क रॉक भारत और पाकिस्तान में काफी लोकप्रिय हुआ है। बॉलीवुड ने भी तमाम पारंपरिक लोक गीतों को आधुनिक संगीत व्यवस्था के साथ पेश करके लोकप्रियता का नए शिखर पर पहुंचाया है। 'घूमर' या 'नगाड़ा के साथ ढोल' जैसे प्रयोग इसी का उदाहरण हैं। यही नहीं, तकनीक के माध्यम से लोक गीतों को रिकॉर्ड कर आर्काइव किया जा रहा है और सोशल मीडिया एवं स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के जरिए तेजी से युवाओं तक पहुंचाया जा रहा है।

राजस्थानी लोक संगीत में बढ़ी फ्यूजन और बॉलीवुड की धमक

लोक गीत और नवाचार के माध्यम से परंपरा की जड़ों को आधुनिकता के साथ जोड़कर किस तरह नया स्वरूप प्रदान किया जा रहा है, इसकी एक झलक राजस्थान के संगीत में देखी जा सकती है, जो अपनी विशिष्ट विशेषताओं के कारण निरंतर ऊंचाइयों की ओर अग्रसर तो है, लेकिन उसने आधुनिकता के लिए दरवाजे भी खोल रखे हैं। संगीतकारों के डिजिटल प्लेटफॉर्म, पारंपरिक संगीत के फ्यूजन और बॉलीवुड में हुए प्रयोग इसी बात की पुष्टि करते नजर आते हैं। वहां तमाम लोक कलाकारों ने अपने पारंपरिक संगीत को फ्यूजन और बॉलीवुड की शैली में ढालकर नए दर्शकों तक पहुंचाया है। इससे न केवल संगीत की लोकप्रियता बढ़ी है, बल्कि युवा वर्ग में इसे लेकर रुचि भी जगी है। इस तरह वैश्विक संस्कृति से संपर्क, उन्नत तकनीक और लोगों की पसंद में आ रहे बदलाव से राजस्थान का संगीत धीरे-धीरे परिवर्तन की सीढ़ियां चढ़ रहा है।

गांवों की चौपालों तक सीमित नहीं रहे लोक गीत

देशज गीत-संगीत की एक झलक इस बार फागुन में नजर आई, जिसमें होली के मौके पर गाए जाने वाले फाग गीतों को नए अंदाज में पेश करके युवा टोलियों ने लोक संस्कृति को बड़े शहरों में जीवंत कर दिया। पारंपरिक ढोल-मंजीरे की जगह उन्होंने फास्ट बीट और फ्यूजन म्यूजिक का इस्तेमाल किया। उनकी इस कोशिश ने यह साबित कर दिखाया कि लोक गीत-संगीत सांस्कृतिक धरोहर होने के साथ ही गंगा की उस धारा की तरह है, जो समय, समाज और सभ्यता के हर परिवर्तन को अपने भीतर समेटते हुए निरंतर गतिशील है। ऐसे प्रयासों से लोक गीत अब गांवों की चौखट या चौपाल तक सीमित नहीं रहे हैं। गायन मंडलियां और आधुनिक बैंड नई शैलियों का निर्माण करके इन्हें डिजिटल और ग्लोबल मंचों तक पहुंचाने में जुटी हैं, जो नई पीढ़ी को खासा पसंद आ रहा है।

विरासत की लहरियों को नए आयाम दे रहे बैंड

पद्म अनूप रंजन पांडे का लोकप्रिय बस्तर बैंड आदिवासी कलाकारों का ऐसा समूह है, जिसने पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य को विदेशों तक पहुंचाया है। अपनी अनूठी स्वर लहरियों के साथ यह बैंड अलग छाप छोड़ता है। हालांकि बस्तर बैंड का कहना है कि वह अपनी मिट्टी से जुड़ा है और उसने लोक कलाओं में न तो कोई संशोधन किया है और न ही आधुनिकता का तड़का लगाया है। इसी तरह सादिक, असिन और जाकिर का साज बैंड रजस्थानी गीत-संगीत की परंपरा को नए आयाम देने के साथ अपनी विरासत को संरक्षित कर रहा है। ऐसे ही लुप्त होती पारंपरिक संगीत संस्कृति को संरक्षित करने के लिए ओडिशा ने पहला लोक संगीत बैंड 'आदि धुन' बनाया है।

पंजाब में 'फोक टर्बेनेटर्स' मेलों में जमा रहे नया रंग

पंजाब की लोक गायकी को भी वहां के युवाओं ने नए रंग भरकर फिर से जिंदा कर दिया है। पारंपरिक परिधानों में युवाओं की टोलियां आज वहां मेलों और पर्वों के मौके पर लोक गीतों को नए स्वर देती नजर आती हैं, जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। ऐसे युवाओं के म्यूजिक ग्रुप 'फोक टर्बेनेटर्स' के नाम से जाने जाते हैं। लाइव शो करने के साथ मेलों और प्रदर्शनियों में गाना-बजाना अब लोक संस्कृति की पहचान बन चुका है।

अनोखी परंपरा

दापा प्रथा: बिना शादी के दांपत्य जीवन की शुरुआत

दुनियाभर में अनेक ऐसी परंपराएं देखने को मिलती हैं, जिनके बारे में जानकर आश्चर्य होता है। भारत अपनी विविध संस्कृति और परंपराओं के कारण विशेष पहचान रखता है। यहां अलग-अलग क्षेत्रों और समुदायों में जीवन के अपने-अपने नियम और सामाजिक व्यवस्थाएं विकसित हुई हैं। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा राजस्थान के उदयपुर, सिरोही और पाली जिलों में रहने वाली गरासिया जनजाति में देखने को मिलती है।

गरासिया समाज अपनी विशिष्ट सामाजिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। इस समुदाय में दांपत्य जीवन की शुरुआत एक अनोखे तरीके से होती है, जो आधुनिक समय में प्रचलित 'लिव-इन रिलेशन' की तरह दिखाई देती है। सामान्य भारतीय समाज में जहां विवाह को दांपत्य जीवन की अनिवार्य शर्त माना जाता है, वहीं गरासिया समाज में युवक और युवती पहले साथ रहने लगते हैं और बाद में आवश्यकता या इच्छा के अनुसार विवाह करते हैं।

इस परंपरा की शुरुआत 'दापा प्रथा' से होती है। जब किसी युवक और युवती के बीच आपसी सहमति बन जाती है, तो लड़के पक्ष की ओर से लड़की के परिवार को सामाजिक मान्यता के रूप में कुछ धनराशि दी जाती है। यह राशि पंचायत और समाज की सहमति से तय होती है। इसके बाद दोनों बिना औपचारिक विवाह के ही पति-पत्नी की तरह साथ रहने लगते हैं। समाज भी इस संबंध को स्वीकार करता है और उन्हें परिवार के रूप में मान्यता देता है।

इस व्यवस्था में एक और विशेष बात यह है कि दंपति पर तुरंत विवाह करने का कोई दबाव नहीं होता। कई बार ऐसा भी होता है कि युवक-युवती वर्षों तक साथ रहते हैं और जब उनके बच्चे हो जाते हैं या उन्हें उचित लगता है, तब वे पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह कर लेते हैं।

गरासिया समाज में इस परंपरा के पीछे एक पुरानी लोककथा भी सुनाई जाती है। कहा जाता है कि बहुत समय पहले इस समाज के चार भाई अलग-अलग स्थानों पर जाकर बस गए थे। उनमें से तीन भाइयों ने विवाह किया, जबकि चौथा भाई बिना विवाह के ही अपनी साथी के साथ रहने लगा। संयोग से विवाह करने वाले तीनों भाइयों की कोई संतान नहीं हुई, जबकि चौथे भाई के वंश से ही परिवार और समाज आगे बढ़ा। इस घटना के बाद से यह मान्यता बन गई कि साथ रहकर संबंधों की सच्चाई और सामंजस्य को समझना भी जरूरी है। हालांकि इस परंपरा में कुछ सामाजिक नियम भी हैं। यदि युवक और युवती लंबे समय तक साथ रहने के बावजूद संतान प्राप्त नहीं कर पाते, तो वे आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। इसके बाद दोनों किसी अन्य साथी के साथ नया संबंध बना सकते हैं और परिवार बसाने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार गरासिया समाज की यह परंपरा भारतीय समाज की विविधता को दर्शाती है, जहां हर समुदाय ने अपनी परिस्थितियों और अनुभवों के आधार पर अलग-अलग सामाजिक व्यवस्थाएं विकसित की हैं।

आर्ट गैलरी

पियरे-अगस्त रेनॉयर की पेंटिंग 'वोमेन वेयरिंग ए रोज एंड्री'

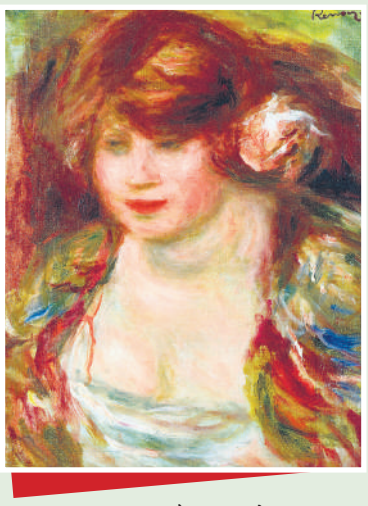

यह कलाकृति, प्रसिद्ध इंप्रेशनिस्ट चित्रकार पियरे-अगस्त रेनॉयर ने 1919 में बनाई थी। यह कैनवस पर तैल रंगों से बना एक चित्र है, जो इंप्रेशनिस्ट आंदोलन की विशिष्ट तकनीकों और सौंदर्यशास्त्र को दर्शाता है। वर्तमान में, यह पेंटिंग एक निजी संग्रह में रखी हुई है। यह कलाकृति एक महिला का जीवंत और अंतरंग चित्रण है, उसके रंग-रूप को गर्म और चमकदार रंगों के मिश्रण से उकेरा गया है, जो इंप्रेशनिज़्म की खासियत- प्रकाश और छाया के मिश्रण को बखूबी पकड़ता है। उसकी नजर थोड़ी हटकर है, जो आत्म-चिंतन के एक गहन क्षण को दर्शाती है। उसके बालों में एक गुलाब सजा है, जिसे बड़ी कलात्मकता से लगाया गया है। ब्रश स्ट्रोक ढीला और अभिव्यंजक है, जिससे रंग सीधे कैनवस पर ही आपस में घुल-मिल जाते हैं।

पियरे के बारे में

पियरे-अगस्त रेनॉयर एक फ्रांसीसी चित्रकार थे, जिनका जन्म 25 फरवरी, 1841 को लिमोजेस, फ्रांस में हुआ था। तीन दिसंबर, 1919 को 78 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। पियरे का बचपन गरीबी में बीता, लेकिन उनमें चित्रकला की प्रतिभा बचपन से ही दिखाई देने लगी थी। पेरिस के एक कला विद्यालय में दाखिला लेने से पहले, उन्होंने चीनी-मिट्टी (porcelain) पर चित्रकारी करने वाले आर्टिस्ट के रूप में काम करना शुरू किया। वहीं उनकी मुलाकात अन्य कलाकारों से हुई, जो आगे चलकर इंप्रेशनिस्ट आंदोलन का हिस्सा बने। जैसे- क्लाउड मोनेट और एडगर डेगास।

लोकायन

साल के फूलों संग खिलता सरहुल का उल्लास

झारखंड और उसके आसपास के क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सरहुल पर्व आदिवासी समाज के सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र त्योहारों में से एक है। यह पर्व केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति गहरी आस्था और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। सरहुल के माध्यम से आदिवासी समुदाय प्रकृति, पृथ्वी और सूर्य के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हैं। इस अवसर पर साल वृक्ष की पूजा, पारंपरिक गीत-नृत्य और सामूहिक भोज का विशेष महत्व होता है।

झारखंड के उरांव, मुंडा तथा अन्य आदिवासी समुदाय इस पर्व को बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं, जिससे गांवों में आनंद और उत्सव का वातावरण बन जाता है। 'सरहुल' शब्द की उत्पत्ति भी प्रकृति से ही जुड़ी है। यह दो शब्दों- 'सर' या 'सराय' और 'हुल' से मिलकर बना है। 'सर' या 'सराय' का अर्थ साल का पेड़ (शोरिया रोबस्टा) होता है, जबकि 'हुल' का मतलब होता है सामूहिक उत्सव या आनंद का अवसर। इस प्रकार सरहुल का अर्थ है साल वृक्ष के माध्यम से प्रकृति का सामूहिक उत्सव मनाना।

लोकमान्यताओं के अनुसार यह पर्व पृथ्वी और सूर्य के प्रतीकात्मक विवाह का भी संकेत देता है। इसी कारण इस दिन लोग सरना स्थल या पवित्र वृक्ष के नीचे पूजा-अर्चना करते हुए प्रकृति से सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। सरहुल पर्व अलग-अलग जनजातीय समुदायों में अलग नामों से भी जाना जाता है। उरांव सरना समाज में इसे 'खद्दी' या 'खेखेल बेंजा' कहा जाता है। हालांकि विभिन्न समुदायों में

इसकी परंपराओं और अनुष्ठानों में थोड़ी भिन्नता दिखाई देती है, लेकिन प्रकृति की पूजा और सामूहिक उत्सव इसकी मूल भावना बनी रहती है।

इस पर्व की तैयारियां लगभग एक सप्ताह पहले से ही शुरू हो जाती हैं। गांव के पाहन यानी पुजारी इस अवसर से पहले उपवास रखते हैं। पर्व के दिन सुबह सूर्योदय से पहले दो नए घड़ों में पवित्र जल भरकर सरना स्थल पर अर्पित किया जाता है। इसके बाद साल के वृक्ष की पूजा की जाती है और गांव की खुशहाली के लिए प्रार्थना की जाती है। इस पूजा में मां सरना, सूर्य देवता, ग्राम देवताओं और पूर्वजों को स्मरण किया जाता है।

पूजा के बाद उत्सव का रंग और भी गहरा हो जाता है। आदिवासी समुदाय के लोग रंग-बिरंगे पारंपरिक वस्त्र पहनते हैं और गांव के अखड़ा में सामूहिक नृत्य करते हैं। महिलाएं और पुरुष साल के फूलों से स्वयं को सजाते हैं और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर नृत्य-गीत का आनंद लेते हैं। इस दौरान चावल से बने पारंपरिक पेय 'हांडिया' का सेवन भी किया जाता है। दरअसल, सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिकता की भावना और आदिवासी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने का प्रतीक है। यही कारण है कि झारखंड में यह त्योहार पूरे उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

केवल देखने तक सीमित नहीं कला का अनुभव

एक प्रचलित कहावत है 'सावन के अंधे को हरा ही हरा दिखता है'। स्पष्ट है यह कहावत दृष्टिबाधितों द्वारा रंगों की समझ और अनुभूति पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। दूसरी तरफ विज्ञान उन चुनौतियों को भी स्वीकारता चला आ रहा है, जिसे सामान्य व्यक्ति लगभग असंभव मान लेते हैं। ऐसे में खबर है कि एम्स्टर्डम स्थित वान गॉग म्यूजियम ने कला को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसके तहत यह संग्रहालय अब दृष्टिहीन और कम दृष्टि वाले दर्शक को भी महान डच चित्रकार विन्सेंट वान गॉग की कलाकृतियों की अनुभूति का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। आमतौर पर चित्रकला को देखने की कला माना जाता है, इसलिए दृष्टिबाधित लोगों के लिए इसे समझना या अनुभूत करना कठिन माना जाता है। ऐसे में एम्स्टर्डम स्थित इस संग्रहालय ने कई अभिनव उपायों के माध्यम से इस चुनौती को अवसर में बदल दिया है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

संग्रहालय ने विशेष रूप से तैयार की गई स्पर्शनीय (टैक्टाइल) प्रतिकृतियां विकसित की हैं, जिनकी सहायता से दृष्टिहीन आगंतुक चित्रों की संरचना और आकृतियों को हाथों से महसूस कर सकते हैं। इन प्रतिकृतियों में चित्र की मुख्य रेखाओं, बनावट और रूपों को उभरे हुए रूप में तैयार किया गया है, जिससे दर्शक स्पर्श के माध्यम से यह समझ सकें कि चित्र में कौन-कौन से तत्व मौजूद हैं और उनका आपसी संबंध क्या है। इसके साथ ही संग्रहालय में ऑडियो गाइड और विशेष वर्णनात्मक व्याख्याएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। इन विवरणों में चित्रों के रंगों, प्रकाश, भावनाओं और संरचना का विस्तार से वर्णन किया जाता है, ताकि दृष्टिबाधित दर्शक भी कल्पना के माध्यम से चित्र की दुनिया में प्रवेश कर सकें। उदाहरण के लिए, वान गॉग की प्रसिद्ध कृतियों में दिखाई देने वाले तीव्र रंगों, गतिशील ब्रश स्ट्रोक और प्रकृति के जीवंत दृश्यों को शब्दों के माध्यम से इस तरह प्रस्तुत किया जाता है कि श्रोता उनके भावात्मक प्रभाव को महसूस कर सके।

इसके अतिरिक्त संग्रहालय समय-समय पर विशेष समावेशी कार्यशालाएं और मार्गदर्शित भ्रमण भी आयोजित करता है, जिनमें प्रशिक्षित विशेषज्ञ आगंतुकों को कला के अनुभव से जोड़ते हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य यह दिखाना है कि कला केवल आंखों से देखने की वस्तु नहीं है, बल्कि उसे स्पर्श, ध्वनि और कल्पना के माध्यम से भी महसूस किया जा सकता है।

इस पहल के पीछे एक व्यापक विचार यह है कि संग्रहालय केवल वस्तुओं को प्रदर्शित करने का स्थान न होकर समाज के सभी वर्गों के लिए खुला सांस्कृतिक मंच बने। वान गॉग म्यूज़ियम की यह पहल दुनियाभर के

संग्रहालयों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। यह दिखाती है कि यदि रचनात्मक सोच और संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जाए, तो कला का अनुभव हर व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है- चाहे वह देख सकता हो या नहीं। इस प्रकार यह संग्रहालय न केवल महान कलाकार वान गॉग की कला को संरक्षित कर रहा है, बल्कि यह भी साबित कर रहा है कि कला की दुनिया वास्तव में सबके लिए है यानी उनके लिए भी जो देखने में सक्षम नहीं हैं। वैसे दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए चित्रकला को सुलभ बनाने का प्रयास केवल हाल के वर्षों की पहल नहीं है। दुनिया के कई संग्रहालयों और कला संस्थानों ने लंबे समय से ऐसे प्रयोग किए हैं, जिनके माध्यम से दृष्टिबाधित दर्शक भी कला का अनुभव कर सकें। आज वान गॉग म्यूजियम द्वारा किए जा रहे प्रयास इसी व्यापक परंपरा की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

दरअसल 20 वीं सदी के उत्तरार्ध में यूरोप और अमेरिका के कई संग्रहालयों ने 'टैक्टाइल आर्ट' यानी स्पर्श आधारित कला अनुभव की अवधारणा पर काम करना शुरू किया। लंदन के टेट गैलरी में 1980 के दशक में ऐसी प्रदर्शनियां आयोजित की गईं, जिनमें दर्शकों को मूर्तियों को छूकर समझने की अनुमति दी गई। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य यह बताना था कि कला का अनुभव केवल देखने तक सीमित नहीं है, उसे स्पर्श और कल्पना के माध्यम से भी समझा जा सकता है। इसी प्रकार भारत में भी संग्रहालयों ने इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में 'अनुभवः ए टैक्टाइल एक्सपीरियंस' नामक विशेष गैलरी बनाई गई है, जहां प्राचीन मूर्तियों और कलाकृतियों की स्पर्शनीय प्रतिकृतियां रखी गई हैं। इन प्रतिकृतियों के साथ ब्रेल लिपि में जानकारी और ऑडियो विवरण भी उपलब्ध कराया गया है, जिससे दृष्टिबाधित दर्शक कला को बेहतर ढंग से समझ सकें।

आजकल नई तकनीकों के माध्यम से चित्रों और मूर्तियों को 3-डी टैक्टाइल मॉडल में बदलने के प्रयोग भी किए जा रहे हैं। इन मॉडलों में चित्र की रेखाओं और आकृतियों को उभरे हुए रूप में बनाया जाता है, ताकि दर्शक उन्हें हाथों के स्पर्श से महसूस कर सकें। वास्तव में इन सभी प्रयासों का मूल उद्देश्य यह है कि संग्रहालय और कला संस्थान समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी साबित हों। जाहिर है कि इस प्रकार की पहल का मुख्य उद्देश्य यह साबित करना है कि कला केवल आंखों से देखने की वस्तु नहीं, बल्कि संवेदनाओं और अनुभवों की एक व्यापक दुनिया है, जिसे हर व्यक्ति अपने तरीके से महसूस कर सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	76,070.84	23,581.15
बढ़त	567.99	172.35
प्रतिशत में	0.75	0.74

सोना 1,61,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,62,500 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 18 मार्च 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

मालाबार गोल्ड 1,580 करोड़ के निवेश से 20 नए शोरूम खोलेगी

नई दिल्ली। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स इस माह के अंत तक 1,580 करोड़ रुपये के निवेश से 20 नए शोरूम खोलेगी। नए शोरूम झांसी, कल्लाकुरीची, ग्वालियर, चित्तूर, हल्द्वानी, थेनी, जामनगर, रांची, वीआईपी रोड कोलकाता, अलीगढ़, केआर पुरम (बेंगलुरु), इनऑर्बिट मॉल विशाखापत्तनम, कांचरापाड़ा, श्रीरामपुर, गोकुल रोड हुबली, मणिनगर, गुरुग्राम सेक्टर 14, जुबली हिल्स (हैदराबाद), सांगारेड्डी और गुवाहाटी में खोले जाएंगे। कंपनी के बयान के अनुसार, इस विस्तार में कुल 1,580 करोड़ का निवेश किया जा रहा है और इससे 725 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

मारुति सुजुकी 7 नए एसयूवी मॉडल उतारेगी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने तेजी से बढ़ते एसयूवी खंड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए अगले पांच-छह साल में सात नए एसयूवी मॉडल पेश करने की योजना बनाई है। एमएसआईएल के सीईओ हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी पहली बार कार खरीदने वाले ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए शुरुआती स्तर वाली सुजुकी की विशिष्ट कार भी पेश करेगी।

मारुति सुजुकी को आयकर का नोटिस

मुंबई। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी को आयकर विभाग से 5,786.4 करोड़ रुपये का नोटिस प्राप्त हुआ है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे 16 मार्च 2026 को आयकर विभाग से वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रारूप आकलन आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें संबंधित वित्त वर्ष के लिए कंपनी द्वारा घोषित आय में विभाग ने कुछ और आय जोड़ी है जबकि कुछ छूटों को खारिज कर दिया है।

मृतकों के बैंक खातों का ब्योरा उनके वारिसों को क्यों न मुहैया कराया जाए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से यह जानना चाहा कि मृत खाताधारकों के बैंक खातों की जानकारी उनके वैध उत्तराधिकारियों को उपलब्ध कराने में क्या बाधा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट नीति तैयार करने की भी जरूरत बताई। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने पत्रकार सुचेता दलाल की तरफ से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। इस याचिका में मृत खाताधारकों के निष्क्रिय पड़े हुए जमा की जानकारी उनके उत्तराधिकारियों तक पहुंचाने के लिए एक व्यवस्था बनाने का निर्देश देने की अपील की गई है।

युद्ध से आपूर्ति संकट... देश में एलपीजी की खपत में हुई 17 प्रतिशत की गिरावट

पिछले साल मार्च में 13.87 लाख टन थी खपत, इस साल 15 दिन में ही घटकर 11.47 लाख टन

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने से देश में रसोई गैस (एलपीजी) की खपत मार्च के पहले पखवाड़े में 17.7 प्रतिशत घट गई। प्रारंभिक उद्योग आंकड़ों के अनुसार मार्च के पहले पंद्रह दिन में एलपीजी खपत घटकर 11.47 लाख टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 13.87 लाख टन के मुकाबले 17.3 प्रतिशत कम है। यह फरवरी के पहले पखवाड़े की 15.57 लाख टन मांग से 26.3 प्रतिशत कम है।

भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है जिसमें से अधिकतर होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद यह मार्ग बाधित हो गया है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से आपूर्ति प्रभावित होने के कारण सरकार ने घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए होटल जैसे वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को एलपीजी आपूर्ति में कटौती की है। सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों के प्रारंभिक बिक्री आंकड़ों के अनुसार एक से 15 मार्च के दौरान एलपीजी खपत 2024 की समान अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत और 2023 की समान अवधि की तुलना में 10.6 प्रतिशत कम रही।

तीन वितरण पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की बाजार में करीब 90 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एलपीजी खपत में पिछले कुछ वर्ष में सालाना आधार पर तीन से चार प्रतिशत की स्थिर वृद्धि देखी गई थी, जिसका कारण सरकार की ओर से लकड़ी एवं अन्य प्रदूषणकारी ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा दिया जाना है।

एलपीजी की अनुपलब्धता के कारण मुंबई में मंगलवार को बंद पड़ा एक रेस्टोरेंट।

विमान ईंधन की खपत भी 12 प्रतिशत कम हुई

युद्ध के कारण खाड़ी देशों में हवाई क्षेत्र बंद होने और उड़ानों के निलंबन से विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत भी प्रभावित हुई है। मार्च के पहले पखवाड़े में यह चार प्रतिशत घटकर 3,27,900 टन रह गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम है। वहीं मासिक आधार पर इसमें 12.3 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इन दो युद्धप्रभावित ईंधनों के अलावा पेट्रोल और डीजल की मांग में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। पेट्रोल की बिक्री 13.2 प्रतिशत बढ़कर लगभग 15 लाख टन हो गई जबकि डीजल की खपत 8.2 प्रतिशत बढ़कर 33.84 लाख टन रही।

पंजाब में एलपीजी वितरकों ने खारिज किया केंद्र का पर्याप्त उपलब्धता का दावा

चंडीगढ़। केंद्र सरकार और पेट्रोलियम विपणन कंपनियों की ओर से पर्याप्त उपलब्धता का दावा खारिज करते हुए पंजाब के एलपीजी वितरकों ने मंगलवार को कहा कि एलपीजी की आपूर्ति 'अपर्याप्त' है। उन्होंने बकाया आपूर्ति को पूरा करने के लिए रसोई गैस की आपूर्ति बढ़ाने की मांग की। मीडियाकर्मियों के बीच फेडरेशन ऑफ एलपीजी डिस्ट्रिब्यूटर्स ऑफ पंजाब के अध्यक्ष गुरपाल सिंह मान ने दावा किया कि एलपीजी की कीमतों में अचानक हुई वृद्धि ने उपभोक्ताओं में घबराहट पैदा कर दी है, जिन्हें आपूर्ति में संभावित कमी की आशंका है। स्थिति को स्थिर करने के बजाय बाद में उठाए गए कदमों ने भ्रम और चिंता को और बढ़ा दिया। इसके साथ शहरी क्षेत्र में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्र में 45 दिन का भेदभावपूर्ण और प्रतिबंधात्मक बुकिंग अंतराल लागू करने से गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। मान ने कहा कि यदि कोई कमी नहीं है, जैसा कि आधिकारिक तौर पर कहा जा रहा है, तो ऐसे उपायों को सही ठहराना मुश्किल है। 3-4 दिन के लिए एलपीजी बुकिंग चैनल को अस्थायी रूप से निलंबित करने से स्थिति और बिगड़ गई है, जिससे वितरकों को बिना किसी स्पष्टता या समर्थन के जनता के दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

- **कहा- कोई कमी नहीं तो क्यों लागू किए जा रहे हैं प्रतिबंधात्मक उपाय**

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी तेजी

राहत... सेंसेक्स 568 अंक चढ़ा और निफ्टी ने भी ली 172 अंकों की बढ़त

मुंबई। वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख और धातु एवं वाहन शेयरों में खरीदारी के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन मजबूती रही। सेंसेक्स 568 अंक चढ़कर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में 172 अंक की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 567.99 अंक यानी 0.75 प्रतिशत चढ़कर 76,070.84 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 801.41 अंक बढ़कर 76,304.26 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 172.35 अंक यानी 0.74 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,581.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से इटर्नल का शेयर सबसे अधिक 5.70 प्रतिशत चढ़ा। इसके अलावा टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और मारुति सुजुकी के शेयरों में भी तेजी में रहे। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचसीएल टेक के शेयरों में गिरावट का रुख देखा गया।

रुपया 12 पैसे टूटकर 92.40 डॉलर के सर्वकालिक निचले स्तर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया मंगलवार को 12 पैसे टूटकर अपने सबसे निचले स्तर 92.40 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया संकट के बीच कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार पूंजी निकासी के कारण रुपये में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुझान भी रुपये को कमजोर स्तर पर सहारा देने में मदद कर रहा है। हालांकि, निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर नजर रखे हुए हैं।

चांदी 6,000 रुपये चढ़ी, सोना भी हुआ 1,050 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को कीमती धातुओं की कीमतों में दो प्रतिशत तक का उछाल आया। चांदी 6,000 रुपये बढ़कर 2.62 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गई जबकि सोना बढ़कर 1.61 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक चांदी की कीमत 6,000 रुपये या 2.34 प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 2,62,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने में लगातार तीन दिन की गिरावट का सिलसिला टूट गया और इसकी कीमत 1,050 रुपये या लगभग एक प्रतिशत बढ़कर सभी करों सहित 1,61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। विश्लेषकों ने कहा कि सर्राफा की कीमतों में यह उछाल भू-राजनीतिक तनाव के बीच सुरक्षित निवेश वाली आस्तियों की मांग से प्रेरित था, भले ही वैश्विक संकेतक कमजोर बने रहे।

डाक विभाग ने शुरू कीं 24-48 घंटे में डिलीवरी वाली प्रीमियम सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- **दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद में शुरुआत**
- **मार्च, 2027 तक इन सेवाओं को देश भर में शुरू करने का लक्ष्य**

डाक विभाग ने को त्वरित एवं समयबद्ध पार्सल के लिए 24 घंटे और 48 घंटे में डिलीवरी की गारंटी वाली तीन प्रीमियम सेवाओं की मंगलवार को शुरुआत की। विभाग उन कूरियर सेवाओं के बढ़ते बाजार के मुकाबले खुद को नए सिरे से स्थापित करने की कोशिश कर रहा है जो कुछ ही घंटों में डिलीवरी का वादा करती हैं।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यहां '24 स्पीड पोस्ट', '24 स्पीड पोस्ट पार्सल' और '48 स्पीड पोस्ट' की शुरुआत की। प्रारंभिक चरण में ये सेवाएं दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में शुरू की गई हैं। मार्च, 2027 तक इसे देशभर में शुरू करने का लक्ष्य है। निर्धारित समयसीमा का पालन करने के लिए विभाग प्राथमिकता आधारित हवाई परिवहन का उपयोग करेगा। सिंधिया ने कहा कि यह पहल इंडिया पोस्ट के लिए नए दौर की शुरुआत है और इसमें व्यापक संभावनाएं निहित हैं।

आधिकारिक बयान के अनुसार, नई सेवाओं में ओटीपी आधारित सत्यापन के साथ डिलीवरी, शुरू से अंत तक 'ट्रैकिंग' सुविधा और वास्तविक समय में 'एसएमएस अलर्ट' शामिल होंगे। व्यवसायों के लिए 'अभी बुक करें, बाद में भुगतान करें' सुविधा, केंद्रीकृत बिलिंग तथा एपीआई एकीकरण के विकल्प भी उपलब्ध होंगे। इसके अलावा, थोक खेप के लिए मुफ्त पिकअप और निर्धारित समय में डिलीवरी न होने पर धनवापसी की गारंटी भी दी जाएगी।

सम्मानजनक हो ईपीएफ पेंशन, 1,000 रुपये पर्याप्त नहीं

संसदीय समिति ने की सिफारिश, 7,500 रुपये मासिक पेंशन की मांग कर रहे हैं पेंशनधारक

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद की एक समिति ने मंगलवार को ईपीएफओ की कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत 1,000 रुपये की न्यूनतम मासिक पेंशन की तत्काल और व्यापक समीक्षा की सिफारिश की। समिति ने कहा कि इसे सम्मानजनक स्तर तक बढ़ाने की जरूरत है। यह सिफारिश ऐसे समय की गई है जब पेंशनधारक यह कहते हुए पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये प्रति माह करने की मांग कर रहे हैं कि 1,000 रुपये से गुजर-बसर करना मुश्किल है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की ओर से संचालित

कर्मचारी पेंशन योजना 1995 (ईपीएस-95) के तहत पेंशनधारकों ने न्यूनतम मासिक पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये करने की मांग को लेकर नौ मार्च से जंतर-मंतर पर तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन भी किया था। श्रम, वस्त्र एवं कौशल विकास से जुड़ी संसद की स्थायी समिति ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की 'अनुदान मांगों (2026-27)' पर अपनी 15वीं रिपोर्ट में कहा कि महंगाई बढ़ने के बावजूद कर्मचारी पेंशन योजना के तहत न्यूनतम पेंशन 1,000 रुपये प्रति माह काफी समय से अपरिवर्तित है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अनुबंध पर काम करने वाले कई श्रमिक नियमित श्रमिकों के समान कार्य करते हैं, लेकिन कार्यस्थल दुर्घटनाओं के बाद राहत और मुआवजा देने में अक्सर देरी होती है। समिति ने सिफारिश की है कि ऐसे श्रमिकों को कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) और कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत समय पर कवरेज सुनिश्चित किया जाए।

तेल संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए बने रणनीति

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने मंगलवार को सुझाव दिया कि आर्थिक मामलों के विभाग को कच्चे तेल के संकट से अर्थव्यवस्था को बचाने और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक ऊर्जा रूपरेखा विकसित करनी चाहिए। वित्त संबंधी स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया कि सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा प्रौद्योगिकियों और वैकल्पिक ईंधन के विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ खनिज तत्वों के लिए तेजी से विकसित हो रही वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति की आवश्यकता है।

आरबीआई ने वीआरआर नीलामी के जरिए 48,014 करोड़ रुपये की नकदी डाली

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को बैंकिंग प्रणाली में सात दिन की वैरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 48,014 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली।

केंद्रीय बैंक ने एक बयान में कहा कि यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कटऑफ और भारित औसत दर पर उपलब्ध कराई गई। हालांकि, यह राशि 1.50 लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही, जबकि अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है। वीआरआर नीलामी के तहत केंद्रीय बैंक अल्पावधि के लिए परिवर्तनीय ब्याज दरों पर बैंकों को धन उपलब्ध कराता है जिसमें बैंक तय राशि के लिए बोली लगाते हैं। इस सप्ताह जीएसटी भुगतान के चलते बैंकिंग प्रणाली से और धन निकलने की संभावना है, जिससे तरलता पर दबाव बढ़ सकता है। फिलहाल 16 मार्च तक बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता करीब 75,483.63 करोड़ रुपये आंकी गई है, जो 15 मार्च को अग्रिम कर भुगतान से पहले के 2.08 लाख करोड़ रुपये से काफी कम है।

ईस्टमैन ऑटो के खिलाफ दिवाला अपील खारिज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ईस्टमैन ऑटो एंड पावर के खिलाफ दायर दिवाला अपील को खारिज करते हुए एनसीएलटी का आदेश बरकरार रखा।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि परिचालन लेनदार वेव इंडिया एनर्जी सॉल्यूशंस के साथ ईस्टमैन ऑटो का विवाद दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता की धारा आठ के तहत नोटिस जारी होने से पहले ही मौजूद था। यह भी स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को विवाद के गुण-दोष में जाने या किसी पक्ष की सफलता की संभावना का आकलन करने की आवश्यकता नहीं होती है।

टीओआई स्पोर्ट्स अवार्ड्स अपने आठवें संस्करण के लिए तैयार

लखनऊ। टीओआई स्पोर्ट्स अवार्ड्स अपने आठवें संस्करण टीओआईएसए 2025 के साथ वापसी कर रहा है। यह समारोह 21 मार्च 2026 को राजधानी के एक होटल में आयोजित किया जाएगा। टीओआई के मुख्य परिचालन अधिकारी पुनीत गुप्त ने बताया कि 1 जनवरी से 31 दिसंबर 2025 तक के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शनों को मान्यता देते हुए यह समारोह 45 से अधिक खेल श्रेणियों में भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धियों को सम्मानित करेगा। टीओआईएसए का आयोजन एक व्यापक सच्चाई को दर्शाता है। टीओआईएसए 2025 की जूरी इस मंच के इतिहास में सबसे प्रतिष्ठित जूरी में से एक है। इसमें लिएंडर पेस (टेनिस), मिताली राज (क्रिकेट), अभिनव बिंद्रा (निशानेबाजी), देवेंद्र झाझरिया (पैरा एथलेटिक्स), शरत कमल (टेबल टेनिस) और पी.आर. श्रीजेश (हॉकी) शामिल हैं। टीओआईएसए विश्वास की नींव पर बना है, और आठ संस्करणों के बाद भी यह खेल जगत में हमारे द्वारा किया गया सम्मान सबसे सार्थक कार्य बना हुआ है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

बअदालत न्यायालय श्रीमान् विशेष न्यायाधीश आयुर्वेद घोटाला प्रकरण सी0बी0आई0, लखनऊ

एम0सी0ए0 वाद सं0-183/92 ता0पेशी-19.03.2026

1-श्रीमती कालिका देवी विधवा स्व0 पं0 कन्हैया लाल निवासी-आर-83, पार्वती भवन, बाराबंकी व अन्य

-अपीलान्ट्स

बनाम्

1-श्यामाचरण तिवारी पुत्र अज्ञात निवासी-2, हैवलक रोड, जिला-लखनऊ-2-विजय कुमार त्रिपाठी निवासी-मेजर बैंक रोड, लखनऊ (मृतक) 2/1-श्री अजय कुमार त्रिपाठी वयस्क पुत्र स्व0 विजय कुमार त्रिपाठी निवासी-1, मेजर बैंक रोड, लखनऊ-2/2-श्री संजय कुमार त्रिपाठी वयस्क पुत्र स्व0 विजय कुमार त्रिपाठी निवासी-1, मेजर बैंक रोड, लखनऊ -विपक्षीगण

हरगाह-अपीलान्ट्स ने आपके नाम से एक नालिस बावत दावा वास्ते प्रथम अपील अंतर्गत ऑर्डर-43, रूल-1(डी) सिविल प्रक्रिया हेतु के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 19.03.2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा हालात से वाकई वाकिफकार किया गया हो और कुल अहम उमूरात मुताबिक का जवाब दे सके या जिसके साथ और कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश कर जिन पर आप बताइद अपनी जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों बयान तहरीरी दिनांक 19.03.2026 को दाखिल करें। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर अदालत से आज बतारीख 23.02.2026 ई0 को जारी किया जाये। दस्तखत हाकिम-मोहर अदालत

77% म्यूचुअल फंड और डीमैट खाते बिना नॉमिनी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **सेबी की पहल, नॉमिनी का नाम और उससे रिश्ता बताना काफी होगा**

अमृत विचार। नॉमिनेशन से जुड़े नियम और प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए मंगलवार को जारी सेबी के पत्र से खुलासा हुआ है कि वर्ष 2025 में खुले खातों में औसतन 77 फीसदी निवेशकों ने नॉमिनेशन नहीं चुना है। सेबी के पत्र का उद्देश्य निवेशकों के ऑनबोर्डिंग को आसान और नॉमिनेशन प्रक्रिया को बैंकिंग मानकों के अनुरूप बनाना है।

पूंजी बाजार और बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ी तमाम संस्थाओं ने अनक्लेम्ड एसेट्स को क्लेम करने के लिए मुहिम चला रखी है। इसके बावजूद अनक्लेम्ड एसेट्स का दायरा बढ़ता जा रहा है। इसे देखते हुए ही सेबी के अनुसार नॉमिनेशन के लिए अब सिर्फ नॉमिनी का नाम और उसका निवेशक से रिश्ता बताना ही काफी होगा। बाकी सारी जानकारी वैकल्पिक कर दी जाएगी। इससे न केवल प्रक्रिया आसान होगी, बल्कि नए निवेशकों के लिए खाता खोलना सरल हो जाएगा। यही नहीं, भविष्य में उनके निवेश को उनके परिवार तक पहुंचाने में कम परेशानी आएगी। लंबे समय तक बिना दावे वाले निवेश यानी 'अनक्लेम्ड एसेट्स' की समस्या भी कम होगी।

चुन सकेंगे 'ऑप्ट आउट'

नॉमिनेशन को 'डिफॉल्ट' विकल्प बनाने की तैयारी है। अगर कोई निवेशक नॉमिनेशन नहीं करना चाहता तो 'ऑप्ट आउट' करना होगा, जिसके लिए उसे सहमति देनी पड़ेगी।

पावर ऑफ अटॉर्नी

एक महत्वपूर्ण बदलाव यह भी प्रस्तावित है कि यदि निवेशक किसी कारण से खुद अपने खाते का संचालन नहीं कर पाता तो पावर ऑफ अटॉर्नी को ही बेहतर विकल्प माना जाएगा। इससे संभावित धोखाधड़ी और कानूनी विवादों से बचा जा सकेगा।

अन्य अहम प्रावधान

- ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यम से नॉमिनेशन संभव
- नॉमिनेशन में बदलाव/रद्द करने की सुविधा किसी भी समय
- बिना नॉमिनेशन वाले खातों को ईमेल व एसएमएस से जागरूक किया जाएगा
- नॉमिनी केवल ट्रस्टी होगा, अंतिम अधिकार कानूनी वारिसों का रहेगा

फिलहाल सेबी ने इन प्रस्तावों पर 7 अप्रैल तक आम लोगों और बाजार से जुड़े पक्षों से सुझाव मांगे हैं। इसके बाद अंतिम नियम तय किए जाएंगे।

प्रस्तावित बदलावों से निवेशकों के लिए खाता खोलना पहले से आसान हो जाएगा। नए निवेशकों की संख्या बढ़ेगी और वित्तीय बाजार का दायरा और मजबूत होगा। अनक्लेम्ड एसेट्स की समस्या कम होगी। ये बदलाव निवेश को सुविधाजनक और निवेशकों तथा उनके परिवारों के लिए सुरक्षित भी करेंगे। - **राजीव सिंह,** शेयर बाजार विशेषज्ञ

जियो पेमेंट्स बैंक ने शुरू की यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा

मुंबई। जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने मंगलवार को यूपीआई आधारित नकद निकासी सेवा शुरू करने की घोषणा की।

कंपनी के मुताबिक ग्राहक अब बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट टचपॉइंट्स पर क्यूआर कोड स्कैन कर नकद निकाल सकेंगे। उन्हें पैसा निकालने के लिए डेबिट कार्ड या पारंपरिक एटीएम कार्ड की जरूरत नहीं होगी। बैंक के अनुसार, नई सेवा विशेष रूप से ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों के ग्राहकों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, जहां एटीएम की पहुंच सीमित है। ग्राहक यूपीआई एप के जरिए लेनदेन को ऑथराइज कर आसानी से नकद प्राप्त कर सकेंगे।

देश में 40 प्रतिशत स्नातकों को नहीं मिल पा रही है नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार हैं और स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर बहुत कम लोगों को ही तय वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की रिपोर्ट 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' के अनुसार बेरोजगार के रूप में पंजीकरण कराने के एक वर्ष के अंदर सात प्रतिशत स्नातकों को स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि स्नातक बेरोजगारी दर उच्च स्तर पर बनी हुई है। देश में 15 से 25 वर्ष आयु वर्ग में बेरोजगारी दर करीब 40 प्रतिशत और 25 से 29 वर्ष आयु वर्ग में 20 प्रतिशत है। कहा गया है, स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल एक छोटा हिस्सा ही स्थायी वेतन वाली नौकरी हासिल कर पाता है। हाल के वर्षों में स्नातकों की बढ़ती संख्या के कारण यह समस्या और बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ दशकों में युवा आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और उच्च शिक्षा में नामांकन दर भी बढ़ी है जिससे युवा स्नातकों की कुल संख्या में वृद्धि हुई है। इस स्थिति से उच्च बेरोजगारी दर के साथ बेरोजगार स्नातकों की संख्या भी बढ़ गई है। 2023 तक 20 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 6.3 करोड़ स्नातकों में से 1.1 करोड़ बेरोजगार थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात भारत के विकास स्तर के अनुरूप है। शिक्षा तक पहुंच में लड़का-लड़की और जाति आधारित सामाजिक-आर्थिक बाधाएं कम हुई हैं। हालांकि अब भी काफी काम बाकी है। इसके साथ रोजगार में प्रभावी बदलाव नहीं हुआ है। युवा स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर लगातार ऊंची बनी हुई है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001 : 2004, ISO 9001 : 2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ0प्र0) टोल-फ्री: 1800 1800 5000, वेबसाइट: http://www.ldalucknow.in

-: सार्वजनिक सूचना :-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामान्तरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है:-

क्र सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन भूखण्ड संख्या	योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से (मृतक) का सम्बन्ध
1.	श्री बी0के0 त्रिपाठी	भवन सं0 एच-6/2	पेपर मिल कालोनी योजना, निशातगंज	07.07.1985	श्री प्रभा कान्त त्रिपाठी	श्रीमती श्यामा द्विवेदी श्रीमती प्रमोदनी	भाई एवं विवाहित बहनें
2.	स्व0 दयाल केशरवानी	भवन/भूखण्ड सं0 एम0आई0जी0-2/305	विशाल खण्ड गोमती नगर योजना	08.03.2018	श्रीमती संध्या अग्रवाल श्रीमती भावना श्रीवास्तव	---	विवाहित पुत्रियाँ
3.	स्व0 मीरा पाण्डेय	भवन सं0 1/16-ए	विनम्र खण्ड गोमती नगर योजना	28.05.2021	(1) श्री अजय कुमार पाण्डेय (2) श्री अक्षत पाण्डेय (3) श्रीमती अक्षिता पाण्डेय	---	पति, पुत्र एवं पुत्री
4.	श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 गनेशी लाल	भवन सं0 एन-474	से0-एन, आशियाना कानपुर रोड योजना	23.01.2020	(1) श्री शैलेन्द्र सिंह (2) श्रीमती नीलिमा सिंह	रजिस्टर्ड वसीयत के आधार पर	पुत्र एवं पुत्रवधु
5.	स्व0 धीरेन्द्र बहादुर सिंह	भवन सं0 ए- 1/140	विजय खण्ड गोमती नगर योजना	11.09.2024	श्री विवेक कुमार सिंह (पुत्र)	(1) श्री पंकज सिंह (2) श्रीमती विनीता सिंह (3) श्री अग्रिम सिंह (4) कु0 श्रीजा सिंह	पुत्र, पुत्रवधु, पौत्र एवं पौत्री

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कालम-6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान, लेबनान को मानवीय मदद देगा चीन

बीजिंग। चीन ने मंगलवार को कहा कि वह ईरान, लेबनान और क्षेत्र में जारी संघर्ष से बुरी तरह प्रभावित दो अन्य पश्चिम एशियाई देशों को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बताया कि बीजिंग ने स्थानीय लोगों द्वारा सामना की जा रही दिक्कतों को कम करने की उम्मीद में ईरान, जॉर्डन, लेबनान और इराक को आपातकालीन मानवीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। लिन ने कहा, जारी पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ईरान और अन्य क्षेत्रीय देशों के लोगों को संकट का सामना करना पड़ा है।

जर्मनी के रेस्टोरेंट में गोलीबारी, दो की मौत

बर्लिन। जर्मनी में फ्रैंकफर्ट हवाई अड्डे के पास एक रेस्टोरेंट में मंगलवार तड़के हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि हमलावर वारदात के बाद से फरार है। शुरुआती जांच के अनुसार, एक सशस्त्र व्यक्ति स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 3 :45 बजे (स्थानीय समयानुसार) रेस्टारेंट के भीतर दाखिल हुआ और वहां मौजूद लोगों पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। हमले में घायल दो लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों की हालत इतनी गंभीर थीं कि उन्हें बचाया नहीं जा सका।

यूएई तट से पूर्व में पोत पर प्रक्षेपास्त्र से हमला

लंदन। ब्रिटिश नौसेना ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पूर्वी तट पर फुजैराह से 23 समुद्री मील पूर्व में एक पोत पर प्रक्षेपास्त्र से हमला किया गया है। रॉयल नेवी के ब्रिटेन समुद्री व्यापार कार्यालय (यूकेएमटीओ) ने बताया कि यूकेएमटीओ को फुजैराह (ओमान की खाड़ी) से 23 समुद्री मील पूर्व में एक घटना की सूचना मिली है। लंगर डाले हुए एक टैंकर ने अज्ञात प्रक्षेपास्त्र से हमला होने की सूचना दी है। हमले में उसे मामूली क्षति हुई है।

उत्तर पश्चिमी नेपाल में भूकंप के हल्के झटके

काठमांडू। नेपाल के सुदूरपश्चिम प्रांत में मंगलवार को भूकंप का झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता चार मापी गयी। भूकंप से किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, दारचुला जिले के सितौला में यह भूकंप सुबह 10 :12 बजे महसूस किया गया। भूकंप से जान-माल क्षति की सूचना नहीं है।

नाइजीरिया में बम फटने से 23 की मौत, 100 घायल

- मैदुगुरी शहर को निशाना बनाकर किया गया आत्मघाती विस्फोट
- बोको हराम जिहादी समूह पर हमले करने का लग रहा आरोप

मैदुगुरी (नाइजीरिया), एजेंसी

उत्तर पूर्वी नाइजीरिया के मैदुगुरी शहर को निशाना बनाकर सोमवार रात किए गए संदिग्ध आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह संघर्ष ग्रस्त मैदुगुरी में हाल के वर्षों में सबसे भीषण हमलों में से एक है।

इससे पूर्व स्थानीय निवासियों एवं आपात सेवाओं ने बताया कि बोर्नो राज्य की राजधानी मैदुगुरी में मैदुगुरी विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल के प्रवेश द्वार पर और एक प्रमुख बाजार सहित भीड़ भाड़ वाले तीन स्थानों पर विस्फोट की सूचना मिली। बोर्नो पुलिस ने एक बयान में कहा इनके आत्मघाती विस्फोट होने का संदेह

है। कहा कि दुर्भाग्य से 23 लोगों की जान चली गई जबकि 108 अन्य घायल हो गए। इन हमलों की जिम्मेदारी किसी भी समूह ने नहीं ली है लेकिन संदेह है कि बोको हराम जिहादी समूह ने इन हमलों को अंजाम दिया है जिसने 2009 में शरिया लागू करने के लिए उत्तर पूर्वी नाइजीरिया में विद्रोह शुरू किया था।

न्यूरो मरीजों के लिए उम्मीद

चीन ने हाल ही में न्यूरेकल टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित एक ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) डिवाइस के व्यावसायिक उपयोग को मंजूरी देकर चिकित्सा जगत में एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। यह दुनिया का पहला ऐसा मामला है जहां इस तरह के जटिल उपकरण को प्रयोगशाला से बाहर आम मरीजों के लिए उपलब्ध कराने की अनुमति मिली है। चिकित्सा विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के संगम ने आज एक ऐसी वास्तविकता को जन्म दिया है जो कभी विज्ञान-कथाओं का हिस्सा थी। मस्तिष्क में एक छोटी सी चिप लगाकर शारीरिक अक्षमताओं को दूर करना अब हकीकत बन रहा है। चीन की यह उपलब्धि उन लाखों लोगों के लिए आशा की एक नई किरण है जो रीढ़ की हड्डी की चोट या अन्य तंत्रिका संबंधी विकारों के कारण लकवे का शिकार हैं।

ब्रेन इम्प्लांट तकनीक

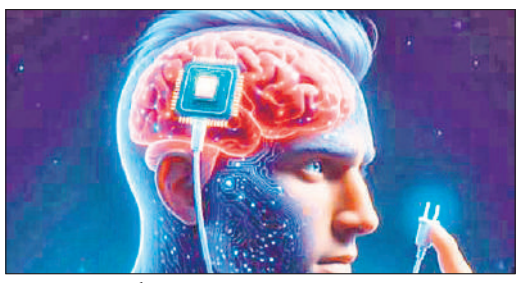

मस्तिष्क और मशीन का मिलन

- ब्रेन इंप्लांट या ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस एक ऐसी प्रणाली है जो सीधे मानव मस्तिष्क और बाहरी उपकरणों के बीच संचार का मार्ग प्रशस्त करती है। सरल शब्दों में कहें तो यह हमारे विचारों को डिजिटल संकेतों में बदलकर मशीनों को निर्देश देने की क्षमता प्रदान करती है। चीन की यह पहल विशेष रूप से उन वयस्क मरीजों के लिए है जो ऊपरी अंगों की गतिविधियों को खो चुके हैं, लेकिन जिनके पास अभी भी बांहों की कुछ कार्यक्षमता शेष है। यह तकनीक उन्हें कृत्रिम अंगों या रोबोटिक दस्तानों को केवल 'सोचकर' नियंत्रित करने की अनुमति देती है। इस विकास का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह वैश्विक स्तर पर तकनीकी वर्चस्व की दौड़ को तेज करता है। यह स्वास्थ्य सेवा में क्रांति लाने का प्रयास है, बल्कि भविष्य के सुपर ह्यूमन्स या एआई-संचालित समाज की दिशा में एक बड़ा कदम भी।

कैसे करता है कार्य

- संकेतों को पकड़ना : जब हम चलने या हाथ हिलाने के बारे में सोचते हैं, तो मस्तिष्क के 'मोटर कॉर्टेक्स' हिस्से में विद्युत संकेतउत्पन्न होते हैं। इंप्लांट इन संकेतों को रिकॉर्ड करता है।
- डिकोडिंग : रिकॉर्ड किए गए इन 'शोर-भरे' संकेतों को एक एआई-पावर्ड प्रोसेसर या एल्गोरिदम के पास भेजा जाता है। यह एल्गोरिदम पहचानता है कि मरीज वास्तव में क्या करने की कोशिश कर रहा है।
- निर्देश : डिकोड किए गए संकेतों को बाहरी उपकरण, जैसे कंप्यूटर कर्सर, रोबोटिक आर्म या सीधे मरीज की मांसपेशियों को उत्तेजित करने वाले पैच को भेज दिया जाता है।
- रोबोटिक दस्ताना : चीन द्वारा मंजूर डिवाइस में एक रोबोटिक दस्ताना शामिल है। जब मरीज हाथ हिलाने का विचार करता है, तो चिप उस विचार को पढ़कर दस्ताने को निर्देश देती है, जिससे मरीज चीजों को पकड़ने में सक्षम हो पाता है।

लकवाग्रस्त मरीजों के लिए फायदे

- स्वतंत्रता : मरीज दूसरों पर निर्भर रहे बिना अपने कंप्यूटर को नियंत्रित कर सकते हैं, ईमेल भेज सकते हैं या इंटरनेट ब्राउज कर सकते हैं।
- गतिशीलता की वापसी : रोबोटिक अंगों या रीढ़ की हड्डी के उद्दीपन के माध्यम से कुछ मरीज फिर से खड़े होने या चलने में सक्षम हो सकते हैं।
- संवाद : जो लोग बोलने की क्षमता खो चुके हैं, उनके विचारों को सीधे टेक्स्ट या सिंथेटिक आवाज में बदला जा सकता है।
- दैनिक कार्य : पानी का गिलास उठाना या खुद से खाना खाने जैसे छोटे लेकिन महत्वपूर्ण काम संभव हो जाते हैं।

पाकिस्तानी विमानों ने तालिबानी ठिकानों पर रात भर बरसाए बम

अफगान सरकार का पुनर्वास अस्पताल पर हमले का आरोप, 400 मौतों का दावा

- पाकिस्तान ने कहा-आतंकवाद समर्थित सैन्य ठिकानों पर हमला

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने रात भर सटीक हवाई हमले कर अफगानिस्तान भर में आतंकवादियों और उनके ठिकानों को निशाना बनाया, हालांकि अफगान सरकार ने इस्लामाबाद पर काबुल में एक पुनर्वास अस्पताल पर बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसमें कम से कम 400 लोग मारे गए। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, ये ताजा हमले 26 फरवरी को शुरू किए गए ऑपरेशन गजब-लिल-हक के जारी रहने के दौरान हुए हैं।

पाकिस्तान ने 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा पर अफ़गान तालिबान बलों द्वारा कथित हमलों के जवाब में यह ऑपरेशन शुरू किया था। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तान के सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक के तहत 16 मार्च की रात काबुल और नंगरहार में अफ़गान तालिबान शासन के आतंकवाद समर्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए सटीक हवाई हमले किए। उन्होंने दावा किया कि काबुल में दो स्थानों पर स्थित तकनीकी सहायता ढांचे और गोला-बारूद भंडारण अड्डे पूरी तरह से नष्ट हो गए।

उन्होंने दावा किया कि नंगरहार में अफगान तालिबान शासन द्वारा आतंकवाद को समर्थन देने वाले चार सैन्य ठिकानों पर भी हमला किया गया, जिससे संबंधित रसद, गोला-बारूद और तकनीकी ढांचे को नष्ट कर दिया गया। हालांकि, अफ़गान तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्ला फ़ितरत ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा की गई बमबारी में राजधानी काबुल स्थित एक नशामुक्ति केंद्र को निशाना बनाया गया, जिसमें करीब 400 लोग मारे गए और 250 अन्य लोग घायल हुए हैं। फितरत ने एक्स पर कहा कि हमले में अस्पताल के बड़े हिस्से नष्ट हो गए। टोलोन्यूज ने अस्पताल के हवाले से मंगलवार को बताया कि बचाव अभियान जारी रहने के दौरान मलबे के नीचे अब भी 50 से अधिक शव फंसे होने की आशंका है।

हालांकि, तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान ने काबुल और नंगरहार में अफगान तालिबान तथा फ़ितना अल-ख्वारिज के अड्डों और आतंकवदियों के ठिकानों को सटीक रूप से निशाना बनाया। इन ठिकानों में तकनीकी उपकरण भंडारण और गोला-बारूद भंडारण शामिल थे जिनका उपयोग पाकिस्तान के निर्दोष नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा था।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में मंगलवार को पाकिस्तान के हवाई हमले के बाद क्षतिग्रस्त इमारत और जले हुए वाहन। रात भर चले हमले में कई लोगों की मौत हो गई।

73 आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले

पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार तरार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, अब तक 684 अफगान तालिबान कार्यकर्ता मारे गए हैं और 912 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि तालिबान की 252 चौकियां नष्ट कर दी गईं, जबकि 44 चौकियों पर कब्जा कर लिया गया और फिर उन्हें नष्ट कर दिया गया। तालिबान के 229 टैंक, बख्तरबंद वाहन और तोपें नष्ट कर दी गई हैं। पूरे अफगानिस्तान में लगभग 73 आतंकी ठिकानों और आतंकी ढांचे को हवाई हमले से प्रभावी ढंग से निशाना बनाया गया।

भाजपा ने आरआरएस व रॉ पर प्रतिबंध लगाने की मांग ठुकराई

- कहा-अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की रिपोर्ट निराधार

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने मंगलवार को अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) की उस रिपोर्ट को निराधार बताया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और रिसर्च एनालिसिस विंग (रॉ) पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी। भाजपा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस रिपोर्ट का समर्थन करके भारत के खिलाफ रुख अपनाया है। सत्तारूढ़ दल ने कहा कि केंद्र ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है और बताया कि इसमें वस्तुनिष्ठ तथ्य नहीं हैं तथा यह विश्वसनीय स्रोतों पर आधारित नहीं है।

भाजपा सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, इसमें यह भी कहा गया है कि रिपोर्ट में कोई वस्तुनिष्ठ तथ्य नहीं हैं। वास्तव में, सरकार ने अमेरिकी आयोग की इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है।उन्होंने यह भी कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस पार्टी आज खुद भारत के खिलाफ खड़ी नजर आ रही है। पात्रा ने कहा कि कोई भी विदेशी आयोग भारत को आदेश नहीं दे सकता या उसके संस्थानों पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कोई आयोग भारत से नहीं कह सकता कि रॉ पर प्रतिबंध लगाए। सरकार ने इसका कड़ा जवाब दिया है, लेकिन कांग्रेस रॉ के खिलाफ बोल रही है और इस आयोग के साथ खड़ी है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट का समर्थन किया है। उन्होंने कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर भारत को बदनाम करने के प्रयास का दोषी ठहराया।

भाजपा नेता ने कहा, कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक हैंडल से आयोग की रिपोर्ट का समर्थन किया गया है। उन्होंने (कांग्रेस ने) कहा है कि अमेरिका और इस एजेंसी ने जो (कुछ) कहा है, वह सही है।

पार्टी राहुल गांधी के आदेश पर भारत को बदनाम करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। पात्रा ने आयोग की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाया तथा इसके उपाध्यक्ष और कमिश्नर को डॉ. आसिफ महमूद नामक पाकिस्तानी-अमेरिकी कहते हुए आरोप लगाया कि इसके (आयोग के) निष्कर्ष उस व्यक्ति (महमूद) के भारत-विरोधी दृष्टिकोण से प्रभावित हैं।

देश की छवि धूमिल करने वालों से मिलते हैं राहुल

पात्रा ने गांधी पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह ऐसे ही व्यक्तियों से मिलते हैं और भारत की छवि धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। भाजपा नेता ने कहा कि जब भी राहुल गांधी विदेश यात्रा करते हैं, वह ऐसे व्यक्तियों से मिलते हैं और भारत की छवि खराब करने और उसकी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ते। लंदन में उन्होंने कहा था कि भारत की स्थिति ऐसी है कि सिख पगड़ी और कड़ा नहीं पहन सकते और गुरुद्वारों में नहीं जा सकते। पात्रा ने पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी ने यह भी कहा कि भारत में सत्ता में बैठी पार्टी मुस्लिम ब्रदरहुड जैसी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह तक दावा किया कि आदिवासी और दलित अपने साथ होने वाले अन्याय के कारण आईएसआईएस जैसी कोई संस्था बना सकते हैं।

टीएमसी बंगाल में 291 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। तृणमूल प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि पार्टी राज्य की 294 सीट में से 291 सीट पर चुनाव लड़ेगी। कोलकाता में संवाददाता सम्मेलन में बनर्जी ने कहा कि दार्जिलिंग पहाड़ियों की शेष तीन सीट पर अनित थापा के नेतृत्व वाला भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा चुनाव लड़ेगा।

ममता बनर्जी भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ेंगी। बनर्जी ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी के साथ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करते हुए कहा हम 294 सीट में से 291 सीट पर चुनाव लड़ेंगे। शेष तीन सीट पर हमारे सहयोगी, अनित थापा के नेतृत्व वाला बीजीपीएम दार्जिलिंग पहाड़ियों में चुनाव लड़ेगा। ममता बनर्जी ने विश्वास जताया कि टीएमसी 2026 के विधानसभा चुनावों में आसानी से बहुमत हासिल करने के साथ सत्ता बरकरार रखेगी। उन्होंने दावा किया, हम 2026 के विधानसभा चुनावों में 226 से अधिक सीट जीतेंगे। मुख्यमंत्री ने उन पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को भी आश्वस्त करने की कोशिश की, जिन्हें सूची में जगह नहीं मिली है।

- भवानीपुर सीट से उम्मीदवार होंगी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए

नई दिल्ली। सरकार ने मंगलवार को संसद को बताया कि वर्ष 2025 में 41.41 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। राज्यसभा में खाद्य राज्य मंत्री निमुबेन जयंतीभाई बंभानिया ने बताया कि हरियाणा में सर्वाधिक लगभग 13.43 लाख राशन कार्ड, राजस्थान में 6.05 लाख, उत्तर प्रदेश में 5.97 लाख, पश्चिम बंगाल में 3.74 लाख और मध्य प्रदेश में 2.60 लाख अपात्र राशन कार्ड खत्म किए गए। बंभानिया ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में प्रौद्योगिकी के उपयोग के परिणामस्वरूप सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अपात्र राशन कार्डों को खत्म करने में सफलता हासिल की है। उनके अनुसार, वर्ष 2025 में कुल 41.41 लाख फर्जी राशन कार्ड खत्म किए गए।

कांग्रेस ने केरल के लिए 55 उम्मीदवार घोषित किए

- सतीशन, जोसेफ और मुरलीधरन को भी टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने नौ अप्रैल को होने वाले केरल विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 55 उम्मीदवारों की सूची जारी की जिसमें वी डी सतीशन, सनी जोसेफ, के. मुरलीधरन और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं के नाम शामिल हैं। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की यह पहली सूची है।

पार्टी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन को पारावूर से एक बार फिर उम्मीदवार बनाया है। वह वर्तमान में इसी सीट से विधायक हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के. मुरलीधरन को वट्टीयूरकाउ से उम्मीदवार बनाया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सनी जोसेफ को पेरावूर से टिकट दिया गया है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के विधानसभा क्षेत्र धर्माधम से अब्दुल रशीद को प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के पुत्र चांडी ओमन को पुथुपल्ली से टिकट दिया गया है। वह वर्तमान में यहां से विधायक हैं। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने मंगलवार को ही केरल के लिए इन उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई थी। केरल विधानसभा की सभी 140 सीट के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना चार मई को होगी। कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है।

विमान की मरम्मत करने के बाद बेड़े में किया शामिल

नई दिल्ली। टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया का छह साल से सेवा से बाहर रहा (ग्राउंडेड) एक विमान वीटी-एएलएल मरम्मत और कई प्रणालियों को अद्यतन बनाने के बाद एयरलाइंस के सक्रिय बेड़े में शामिल हो गया है।

एयर इंडिया ने बताया कि साल 2022 में जब टाटा समूह ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी का दोबारा अधिग्रहण किया था उस समय एयरलाइंस के बेड़े में शामिल 133 विमानों में से 30 विभिन्न कारणों से ग्राउंडेड थे। वीटी-एएलएल के नाम से पंजीकृत इस बोइंग 777-300ईआर के साथ ही सभी 30 विमान मरम्मत और जरूरी अपडेट के बाद बेड़े में शामिल हो चुके हैं। यह विमान जुलाई 2007 में एयर इंडिया के बेड़े में शामिल हुआ था और कई सिस्टमों में खामियों के कारण फरवरी 2020 से ग्राउंडेड था।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज आपको अधिक काम करना पड़ेगा। शेयर मार्केट के माध्यम से धन लाभ हो सकता है। अधिकारी आपको बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं।

वृष — आज अपनी नौकरी से अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। फाइनेन्स से जुड़े मामलों के लिए दिन शुभ रहेगा। आपके उलझे काम सुलझ सकते हैं।

मिथुन — आज जीवनसाथी की बातें आपको कड़वी लग सकती हैं। छात्र उच्च शिक्षा को लेकर अत्यधिक सजग रहेंगे।

कर्क — आज अपनी प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। आपके काम अपेक्षानुसार पूरे नहीं होंगे। गूढ़ विद्याओं का अध्ययन करने के योग बन रहे हैं।

सिंह — आज दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। नए रिश्तों की शुरुआत कर सकते हैं। बड़े व्यावसायिक अनुबंध होने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज आपके स्वभाव में नरमी और सहजता रहेगी। सामाजिक मामलों पर मुखर होकर अपनी राय रखेंगे। चुनौतियों का डटकर मुकाबला करेंगे।

तुला — आज नया वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं। अपनी पुरानी गलतियों को ठीक करने का प्रयास कर सकते हैं।

वृश्चिक — आज आप अत्यन्त प्रसन्न रहेंगे। कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। स्वभाव में थोड़ा स्वार्थीपन लाने से बचें।

धनु — आज आपके विचार अत्यधिक सुलझे और रचनात्मक रहेंगे। व्यापार में बिक्री बढ़ने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर — आज कार्यक्षेत्र में आपको बड़ा पद मिल सकता है। आपके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा। विदेश यात्रा की योजना बन सकती है।

कुंभ — आज नए कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। कलात्मक विषयों के प्रति आकर्षित रहेंगे। साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ होगा।

मीन — आज राजनेताओं को अपनी प्रतिष्ठा की चिंता हो सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों का फोकस कमजोर हो सकता है।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

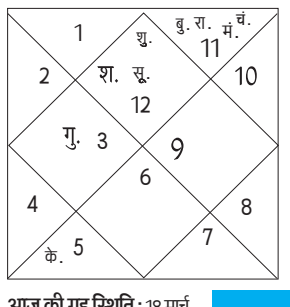

आज की ग्रह स्थिति : 18 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी 08 .25 तक तत्पश्चात अमावस्या।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत। **चन्द्रबल**- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुम्भ। **ताराबल**-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। **नक्षत्र**- पूर्व भाद्रपद 19 मार्च 05 .21 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद।

सुडोकू - 91 का हल

9	4	2	5	8	6	7	3	1
6	7	5	3	1	2	4	8	9
3	8	1	4	7	9	2	5	6
4	1	9	2	3	7	5	6	8
8	5	7	9	6	1	3	4	2
2	3	6	8	4	5	9	1	7
1	6	4	7	9	3	8	2	5
7	2	3	6	5	8	1	9	4
5	9	8	1	2	4	6	7	3

सुडोकू -92

				7				3
9		2					8	
	7		8			4		
5			3			8	9	
				6	1			2
		1			2			
						7	5	8
8	4			9				

पटकथा लेखक सलीम खान को अस्पताल से छुट्टी

मुंबई। दिग्गज पटकथा लेखक सलीम खान (90) को मंगलवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और उन्हें घर ले जाया गया है। मस्तिष्काघात के बाद पिछले महीने 17 फरवरी को खान को बांद्रा के लीलावती अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती होने के एक दिन बाद चिकित्सकों ने बताया था कि खान को ब्रेन हैमरेज हुआ और उपचार के बाद उन्हें एहतियात के तौर पर वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है। एक सूत्र ने मंगलवार को बताया, उनका सफल इलाज किया गया है।

गंभीर संकट

संयुक्त राष्ट्र ने कहा- 4 .5 करोड़ अतिरिक्त लोग हो सकते हैं प्रभावित

पश्चिम एशिया के संकट से दुनिया भर में भुखमरी का खतरा

रोम , एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के संगठन विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्लूयईपी) ने मंगलवार को एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अधिक बढ़ता है, तो साल 2026 में वैश्विक खाद्य असुरक्षा अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच सकती है।

डब्ल्यूएफपी की यहां जारी एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई है। संगठन के नए विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता आने से करोड़ों लोग 'गंभीर भुखमरी' की चपेट में आ सकते हैं।

चेतावनी में कहा गया है कि अगर यह संघर्ष साल के मध्य तक समाप्त नहीं होता और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं, तो लगभग 4.5 करोड़ अतिरिक्त लोग खाद्य असुरक्षा के दायरे में आ जाएंगे। वर्तमान में दुनिया भर में 31.8 करोड़ लोग पहले से ही खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। नया संकट इस संख्या को यूक्रेन युद्ध के समय देखे गए 34.9 करोड़ के रिकॉर्ड स्तर के करीब ले जा सकता है। इसमें कहा गया है कि पश्चिम एशिया हालांकि मध्य पूर्व मुख्य रूप से 'एनर्जी हब' है न कि अनाज भंडार, लेकिन ऊर्जा की कीमतों में उछाल का सीधा असर परिवहन, खाद और खेती की लागत पर पड़ता है, जिससे खाद्य सामग्री महंगी हो जाती है। डब्ल्यूएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, आयात पर निर्भर रहने वाले अफ्रीका और एशिया के देशों पर इसका सबसे बुरा असर पड़ेगा। अकेले एशिया में खाद्य असुरक्षित लोगों की संख्या में 24 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। जबकि पश्चिम और मध्य अफ्रीका में 21 प्रतिशत और पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका में 17 फीसदी की वृद्धि का पूर्वानुमान है।

पर्याप्त फंडिंग नहीं मिली तो करोड़ों लोगों की तबाही का कारण बनेगी जंग

डब्ल्यूएफपी के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काउ ने कहा, यह संघर्ष वैश्विक स्तर पर लोगों को प्रभावित करेगा और उन परिवारों को सबसे ज्यादा चोट पहुँचाएगा जो पहले से ही अपने अगले भोजन का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मानवीय सहायता के लिए पर्याप्त फंडिंग नहीं मिली, तो यह करोड़ों लोगों के लिए तबाही का कारण बन सकता है। उल्लेखनीय है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग में जहाजों की आवाजाही के लगभग रुक जाने और लाल सागर में बढ़ते जोखिमों ने पहले ही ईंधन और उर्वरक की कीमतों को बढ़ा दिया है। सूडान और सोमालिया जैसे देशों में महंगाई बढ़ गई है।

रोहित शर्मा आईपीएल 2026 से पहले काफी फिट और पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर आ रहे हैं तथा उन्होंने अपने कौशल पर जमकर काम किया है। मैं उनसे आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उम्मीद कर रहा हूं।

- महेला जयवर्धने

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

लखनऊ, बुधवार, 18 मार्च 2026

हाईलाइट

आईपीएल के अधिकतर मैचों से बाहर रहेंगे हर्षित राणा

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के तेज गेंदबाज हर्षित राणा पिछले महीने हुई घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अधिकतर मैचों से बाहर रह सकते हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी तक उनकी वापसी के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है। राणा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के टी20 विश्व कप के अभ्यास मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। वह अभी ''रिहैबिलिटेशन'' से गुजर रहे हैं और बीसीसीआई की चिकित्सा टीम ने उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित तारीख तय नहीं की है। उस अभ्यास मैच में एक ओवर फेंकने के बाद राणा को चोट लग गई थी। उन्हें इसके लिए सर्जरी करानी पड़ी जिससे वह टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे।

ओलंपिक 2028 में चार दिन पहले शुरू हो जाएंगे फुटबॉल के मैच

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में पुरुषों और महिलाओं के फुटबॉल मैच उद्घाटन समारोह से चार दिन पहले शुरू होंगे और इन्हें अमेरिका के सात शहरों में आयोजित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) ने जो कार्यक्रम तैयार किया है उसके अनुसार शुरुआत से ही टीमों को पिछले ओलंपिक की तुलना में विश्राम के लिए दो अतिरिक्त दिवस मिलेंगे। ओलंपिक में फुटबॉल के मैच 10 जुलाई से शुरू होंगे। इसके ग्रुप चरण और क्वार्टर फाइनल के मैच न्यूयॉर्क, कोलंबस, ओहियो, नैशविले, टेनेसी और सेंट लुई में खेले जाएंगे। नॉकआउट राउंड के बाकी मैच कैलिफोर्निया के सैन जोस, सैन डिएगो और पासाडेना में होंगे। स्वर्ण पदक के लिए होने वाला मैच रोज़ बाउल स्टेडियम में खेला जाएगा।

पत्नी के सीधे-सरल सवाल ने बदल दिया सूर्यकुमार का करियर

साल 2018 में देविशा ने पूछा था- अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं तो क्या योजना है

पत्नी देविशा के साथ सूर्यकुमार यादव।

नई दिल्ली, एजेंसी

उनकी पत्नी के सीधे सरल सवाल ने ही उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने को प्रेरित किया और अब जबकि सूर्यकुमार यादव विश्व कप विजेता कप्तान बन चुके हैं, तो वे अपनी 'बेहद निश्छल' पत्नी देविशा की जितनी भी प्रशंसा करें वह कम है क्योंकि उन्होंने ही उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। यह साल 2018 की बात है जब देविशा ने सूर्यकुमार से एक सरल सवाल पूछा, 'अगर आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं, तो आपकी क्या योजना है? उस 'बेहद सादगीपूर्ण बातचीत' के आठ साल बाद सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने टी20 विश्व कप में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

सूर्यकुमार ने पीटीआई वीडियो के साथ एक पॉडकास्ट साक्षात्कार के दौरान उस बातचीत को याद करते हुए कहा हमारी शादी 2016 में हुई थी जब मैं केकेआर के लिए खेल रहा था। सब कुछ बहुत सहजता से आगे बढ़ रहा था। मैं अच्छा खेल रहा था, खेल का आनंद ले रहा था। जब मैं 2018 में मुंबई इंडियंस में शामिल हुआ तो वह तब तक के मेरे सफर और दिनचर्या को देखती रही। मुझे लगता है कि इसके बाद हमने चीजों को थोड़ा अलग तरीके से करना शुरू कर दिया था।

उन्होंने कहा उसने मुझसे कहा कि आपके साथ आयु वर्ग में खेलने वाले सभी खिलाड़ी अब भारत के लिए खेल रहे हैं। आपके मन में क्या है? मैंने कहा मुझे भी भारत के लिए खेलना है। उसने पूछा, कैसे खेलोगे?। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी पत्नी के साथ उनके करियर को बदलने वाली बातचीत के बारे में कहा वह संक्षिप्त सी बातचीत थी। वह किसी तरह की बहस नहीं बल्कि संक्षिप्त चर्चा थी। लेकिन निश्चित तौर पर यह इस बारे में चर्चा थी कि आप अपने लक्ष्य की ओर एक कदम आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। अगर मैं भारत के लिए खेलना चाहता हूं और भारत को जीत दिलाना चाहता हूं, तो मैं यह कैसे कर सकता हूं?

एक बार जब अंतिम लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अतिरिक्त प्रयास करने का फैसला कर लिया गया तो उनकी जिंदगी में कुछ चुनौतियां भी सामने आई लेकिन सूर्यकुमार और देविशा ने एक जोड़े के रूप में उस रास्ते पर चलना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा हमें कई चीजों में कटौती करनी पड़ी। हमने इस तरह से शुरुआत की और 2018 में आईपीएल में मेरा प्रदर्शन (512 रन) बहुत अच्छा रहा तथा मैंने घरेलू क्रिकेट में भी अच्छा प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार ने कहा उस साल मुझे मुंबई इंडियंस की तरफ से पारी की शुरुआत करने का भी मौका मिला और मैंने रन भी बनाए। हमने 2019 और 2020 में भी यही सिलसिला जारी रखा और मैं एक अलग ही मूड में था। कप्तान ने कहा कि देविशा पर्दे के पीछे रहकर उनकी ताकत बनी रहीं।

टी-20 विश्व कप 2024 में 'अनुभवी जोश' कारगर साबित हुआ, तो 2026 में 'गरम खून' ने किया कमाल

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी-20 विश्व कप की दो चैंपियन टीमों की तुलना करते हुए कहा कि 2024 की टीम के खिलाड़ियों में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी के लंबे समय से चले आ रहे सूखे को खत्म करने के लिए 'अनुभवी जोश' था, जबकि इस साल साल खिताब का बचाव करने वाली टीम के पास 'युवाओं का जोशीला जुनून' था। सूर्यकुमार ने पीटीआई के साथ एक विस्तृत पॉडकास्ट साक्षात्कार में ट्रॉफी जीतने वाली दोनों टीमों के बीच मामूली अंतर पर बात की। वह 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खेले थे। उस टीम में विराट कोहली और रविंद्र जडेजा जैसे दिग्गज खिलाड़ी भी शामिल थे। बारबाडोस में मिली जीत के बाद इन तीनों दिग्गज खिलाड़ियों ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। इसके बाद टीम की कमान निर्भीक सूर्यकुमार ने संभाली, जिन्होंने टी20 में भारत के खेल को अगले स्तर पर पहुंचाया। सूर्यकुमार ने दोनों टीमों की तुलना करते हुए कहा, दोनों टीमों में बस उन्नीस बीस का फर्क था। वो एक्सपीरियंस (अनुभव) वाला जोश था, इधर एकदम खून गरम था लड़कों का। भारत 2026 में अपने घरेलू मैदान पर खेले गए टूर्नामेंट में खिताब का प्रबल दावेदार था, लेकिन 2024 की टीम के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता, जिसे आईसीसी खिताब हासिल करने की राह में मानसिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि 2026 की टीम 2024 की टीम से थोड़ा बेहतर थी, उन्होंने कहा, 2024 में हमारे पास काफी अनुभव था। उस समय टीम के पास अनुभव था और कई अच्छे खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा अब भी हमारे पास अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उस समय हमारी टीम के पास काफी अनुभव था और प्रत्येक खिलाड़ी अपनी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार था।

पढ़ाई में तो अच्छे नंबर नहीं मिले, लेकिन क्रिकेट में 80 प्रतिशत अंक हासिल किए

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को भले ही पढ़ाई में बहुत अधिक सफलता नहीं मिली लेकिन क्रिकेट के मैदान पर उन्होंने आखिरकार 80 प्रतिशत अंक हासिल कर लिए हैं। सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत ने हाल में टी20 विश्व कप खिताब का सफलतावाक बचाव किया। इस जीत का भरपूर आनंद ले रहे सूर्यकुमार का भारतीय कप्तान के रूप में जीत का रिकॉर्ड 80 प्रतिशत है। मुंबई के रहने वाले सूर्यकुमार स्वाभाविक रूप से अपने इन आंकड़ों से बेहद खुश थे, क्योंकि शिक्षा ग्रहण करते समय वह कभी इतने अधिक नंबर लेकर नहीं आए थे। सूर्यकुमार ने 2024 में टी20 कप्तान का पद संभालने के बाद लगातार सफलता हासिल की। उनकी अगुवाई में भारत ने अभी तक जो 52 मैच खेले हैं उनमें से 42 मैच में उसे जीत मिली है।

मीनाक्षी ने एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम में जगह बनाई

नई दिल्ली। मीनाक्षी गोयत ने आत्म-संदेह पर काबू पाकर बड़ा उलटफेर करते हुए अंतिम पंघाल को हराकर अगले महीने होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय महिला टीम में जगह बना ली। दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अंतिम को घरेलू मैदान पर यह दुर्लभ हार झेलनी पड़ी। ट्रायल में इससे पहले तीन बार अंतिम से हार चुकी मीनाक्षी ने इस बार मजबूत रक्षात्मक खेल का शानदार प्रदर्शन किया और 6-2 की बढ़त लेने के बाद 'विन बाय फॉल' से जीत दर्ज की। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता अंतिम, दिग्गज विनेश फोगाट के 53 किग्रा वर्ग छोड़ने के बाद इस वर्ग में दबदबा बनाए हुए थीं। मुकाबले के दौरान मीनाक्षी ने कई बार अंतिम के सिर पर मजबूत पकड़ बनाई और उन्हें आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं करने दिया।

न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर शृंखला बराबर की

हैमिल्टन। सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे ने 60 रन की आकर्षक पारी खेली जबकि तेज गेंदबाज बेन सीयर्स और लॉकी फर्ग्यूसन ने तीन-तीन विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने मंगलवार को यहां दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 68 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। कॉनवे की 49 गेंद की पारी में पांच चौके और दो छक्के शामिल हैं। उनके अलावा अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया जिसमें जोश क्लर्कसन नाबाद 26 रन बनाकर दूसरे बड़े स्कोरर रहे। इससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 175 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 15.3 ओवर में 107 रन पर आउट हो गई।

स्क्वाश खिलाड़ियों की नजरें लॉस एंजिलिस ओलंपिक पर : अनाहत

मुंबई, एजेंसी

स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह। एजेंसी

भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह को उम्मीद है कि अगले दो वर्षों में हर खिलाड़ी का ध्यान मुख्य रूप से लॉस एंजिलिस 2028 खेलों पर होगा क्योंकि इन खेलों के दौरान स्क्वाश ओलंपिक में पदार्पण करेगा। अनाहत ने मंगलवार को यहां कहा कि ओलंपिक में पदक जीतना हर खिलाड़ी का सपना होता है।

जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन की टूर्नामेंट से पहले हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अनाहत ने कहा बेशक यह बहुत रोमांचक है। यह पहली बार है जब यह ओलंपिक का हिस्सा बन रहा है और सभी खिलाड़ी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

उन्होंने कहा इससे पहले कोई भी खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था लेकिन अब ओलंपिक भी है और बेशक, हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह ओलंपिक में जाए, खेले और पदक जीते। अनाहत ने कहा, अगले कुछ वर्षों में सभी का यही लक्ष्य रहेगा और दीर्घकाल में मेरे दिमाग में भी यही बात रहेगी कि मैं ओलंपिक तक ट्रेनिंग कर सकूं और संभवतः देश के लिए पदक जीत सकूं। जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन पीएसए कॉपर प्रतियोगिता है जो खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का मौका देगा और साथ ही इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में भी मदद करेगा। भारत के दूसरे सबसे बेहतर रैंकिंग वाले पुरुष खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किए जाने से कारपोरेट जगत भी इसकी ओर आकर्षित हुआ है। उन्होंने कहा, यह (ओलंपिक) दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है इसलिए वहां पहुंचना हर किसी का सपना होता है। इसके अलावा हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी फायदा हुआ है जो ओलंपिक में शामिल होने के बाद ही संभव हो पाया है।टंडन ने कहा ओलंपिक में शामिल होने के बाद पूरे स्क्वाश पारिस्थितिकी तंत्र में बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिला है। टंडन ने कहा कि इंडियन ओपन में खेलने से उन्हें कुछ राहत जरूर मिलेगी लेकिन स्क्वाश खिलाड़ी पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के हालात पर भी नजर बनाए हुए हैं।

उन्होंने कहा यह स्वदेश में ही हो रहा है इसलिए हमारे लिए बहुत सुविधाजनक है। इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। अभी तक उड़ान रद्द नहीं हुई है इसलिए यह इस बात पर निर्भर करता है कि युद्ध की स्थिति कैसी रहती है। टंडन ने कहा तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से ईमेल मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

मंधाना महिला वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि उपकप्तान स्मृति मंधाना शीर्ष स्थान पर कायम हैं।

रैंकिंग में यह बदलाव न्यूजीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन के दो स्थान फिसलकर नौवें नंबर पर आने के बाद हुआ। भारत की जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर बरकरार हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मैडी ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सीरीज के अंतिम मैच में 94 रनों की शानदार पारी खेलकर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। 33 वर्षीय ग्रीन की डुनेडीन में खेली गई 73 गेंदों की पारी की बदौलत उनकी टीम ने 200 रन से जीत दर्ज करते हुए सीरीज में 3-0 से सूपड़ा साफ किया। इस प्रदर्शन से वह पांच स्थान ऊपर चढ़कर 610 रेटिंग अंकों के साथ 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर ने आखिरी वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 रन बनाने के साथ 22 रन देकर पांच विकेट झटके।

कुलदीप का ग्रैंड रिसेप्शन

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार व चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव का मंगलवार को राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी स्थित एक होटल में रिसेप्शन कार्यक्रम हुआ। देर रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव भी शुभकामनाएं देने के लिए रिसेप्शन में पहुंचे। सीएम योगी ने बुके देकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। कुलदीप ने मसूरी में बचपन की दोस्त वंशिका के साथ शादी की है। ● अमृत विचार

धोनी शीर्ष छह में बल्लेबाजी करें : डिविलियर्स

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने मंगलवार को बेबाक राय देते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी को आगामी आईपीएल में शीर्ष छह में बल्लेबाजी करनी चाहिए क्योंकि चुके हैं और 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में अपनी फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए खेलेंगे और डिविलियर्स ने इस करिश्माई खिलाड़ी से पिछले कुछ आठवें या नौवें नंबर पर आने से उनकी मौजूदगी के साथ न्याय नहीं होता। धोनी 44 साल के हो वर्षों में बल्लेबाजी क्रम में बहुत नीचे खेलने की रणनीति को बदलने की अपील की। आगामी आईपीएल सत्र में सीएसके में धोनी की भूमिका पर बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा यह बहुत मुश्किल है और सीधा-सीधा मामला नहीं है। ब्रांड बनने में वर्षों लगते हैं और सीएसके ने धोनी की शख्सियत के साथ कई वर्षों में यह साम्राज्य खड़ा किया है जो हमेशा से वहां मौजूद रहे हैं।

मन की बात

ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाली बल्लेबाज ने किया था शानदार प्रदर्शन

महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच होने चाहिए : प्रतिका

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के हालिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर अर्धशतक लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल ने महिलाओं के लिए अधिक टेस्ट मैच कराने की वकालत करते हुए इसे अपना पसंदीदा प्रारूप बताया है।

प्रतिका ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए दिन-रात्रि टेस्ट की दूसरी पारी में 63 रन बनाकर भारत को पारी की हार से बचाने में अहम भूमिका निभाई थी।

दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) की मेजबानी में आयोजित भारतीय खेल पत्रकार संघ (एसजेएफआई) के सम्मेलन से इतर प्रतिका ने कहा टेस्ट क्रिकेट सबसे खूबसूरत प्रारूप है। बचपन से मेरे पिता और कोच कहते थे कि इस प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करना बहुत जरूरी है। जब आपको उसी तरह तैयार किया जाता है तो स्वाभाविक रूप से यह आपका पसंदीदा प्रारूप बन जाता है। उन्होंने बताया कि उन्होंने विवियन रिचर्ड्स, सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा और रिकी पोंटिंग जैसे महान खिलाड़ियों के टेस्ट मैचों के वीडियो देखकर खुद को इस प्रारूप के लिए तैयार किया है।

प्रतिका ने कहा मैंने इन महान बल्लेबाजों के कई वीडियो देखे हैं। टेस्ट क्रिकेट में जिस तरह वे खेलते थे, वह हमेशा प्रेरित करता रहा है। महिला टेस्ट मैचों की संख्या बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जितने अधिक टेस्ट मैच होंगे, उतना बेहतर होगा। उनके अनुसार टेस्ट क्रिकेट खेलने का अनुभव खिलाड़ी को न केवल बेहतर बनाता है, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी उसे परिपक्व करता है।

एसजेएफआई के इस चार दिवसीय स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित पुरस्कार समारोह में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने प्रतिका को 51 लाख रुपये की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया।

बीसीसीआई के पुरस्कार से मिली प्रेरणा

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वार्षिक पुरस्कार समारोह 'नमन पुरस्कार 2026' को भी खास अनुभव बताया। उन्होंने कहा यह बीसीसीआई के साथ मेरा पहला पुरस्कार था और पूरी शाम बेहद शानदार रही। इस तरह की पहचान खिलाड़ियों को प्रेरित करती है। बीसीसीआई जिस तरह चैंपियनों को सम्मानित कर रहा है, वह भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ा कदम है। पिछले सत्र में भारत की विभिन्न टीमों ने पांच वैश्विक ट्रॉफियां जीती हैं और देश में क्रिकेट लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्व कप जीत को अपने करियर का सबसे यादगार पल बताते हुए कहा कि उसकी खुमारी अब तक बरकरार है।